शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दिल्ली में नंदिनी उत्पादों की बिक्री शुरू की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 22 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-322

अमेरिका से ही संचालित हो रहा सारा षडयंत्र

हिंडनबर्ग फेल, तो शुरू हुआ दूसरा खेल

निशाना अडाणी नहीं, मोदी हैं

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के खिलाफ चलाए जा रहे षडयंत्र के सूत्रधार जो बाइडेन, बाइडेन के सलाहकार डोनाल्ड लू, अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और भारत विरोधी लॉबी से जुड़े लोग डोनाल्ड ट्रंप की जीत से बौखला उठे हैं। अमेरिका से हो रहे षडयंत्र में शामिल राहुल गांधी और कांग्रेसी गिरोह के सदस्य भी इस बौखलाहट में शामिल हैं। इन षडयंत्रकारियों को पूरी उम्मीद थी कि बांग्लादेश में तख्तापलट की साजिश में कामयाब होने के बाद वे भारत में भी ऐसा करने में सफल होंगे, लेकिन लोकसभा चुनाव के परिणामों ने उनकी इस साजिश को कारगर नहीं होने दिया। अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और चीन

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से बौखलाए अमेरिकी षडयंत्रकारी

रिश्वत की कोशिश हुई भारत में बेचैन हो गए बाइडेन

राहुल गांधी कुछ अधिक ही हो रहे हैं बेचैन और बेसब्र

जिन राज्यों में गड़बड़ी के हैं आरोप सब इंडी वाले हैं

की साझा साजिशों के तहत उद्योगपति गौतम अडाणी को घेरने की कोशिशें लगातार हो रही थीं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी लपेटने का कुचक्र था। इस कुचक्र में राहुल गांधी भारत में सक्रिय थे और अमेरिका में जॉर्ज सोरोस। हिंडनबर्ग षडयंत्र इसी का परिणाम था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद बाइडेन ने जाते-जाते अडाणी षडयंत्र को फिर से सक्रिय कर दिया। बाइडेन ने गद्दी छोड़ने के पहले रूस-यूक्रेन युद्ध को तीव्र करने और उभरते भारत को अस्थिर करने की हरकतें तेज कर दी हैं। आप ध्यान दीजिए, अचानक मणिपुर में तेज हुई हिंसा भी इन्हीं षडयंत्रों का अहम हिस्सा है। जिस तरह अडाणी प्रकरण भी उसी षडयंत्र का एक हिस्सा है।

हिंडनबर्ग षडयंत्र के फर्जी साबित होने के बाद अमेरिका की जाती हुई वर्तमान सत्ता के इशारे पर अडाणी समूह के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए और गिरफ्तारी वारंट तक जारी कर दिया। अमेरिकी अभियोजकों ने अडाणी समूह के मुखिया उद्योगपति गौतम अडाणी पर भारत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए अपने पक्ष में शर्तें रखने के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर (करीब 21 अरब डॉलर) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। बाइडेन शासन के अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अडाणी (62), उनके भतीजे सागर अडाणी और अन्य पर सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का आरोप लगाया। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया कि यह सब उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छुपाया गया, जिनसे अडाणी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। हास्यास्पद स्थिति यह है कि अडाणी समूह द्वारा भारत के नौकरशाहों को रिश्वत देने की (कथित) कोशिश से अमेरिकी सरकार विचलित होकर आरोप लगा रही है और वहां कानूनी कार्रवाई कर रही है।

▶10पर

जिन राज्यों का जिक्र, वहां थी विपक्ष की सरकार

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अडाणी मामले में कांग्रेस और राहुल गांधी की तरफ से केंद्र की भाजपा सरकार पर लगाए गए आरोपों का पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जवाब दिया। भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस मामले में कांग्रेस और विपक्ष को घेरते हुए कहा कि अमेरिकी कोर्ट में जो दस्तावेज दिए गए हैं, उनमें इन गड़बड़ियों को 2021 से 2022 के बीच के होने का आरोप लगाया गया है। इस दौरान हुई गड़बड़ियों को चार राज्यों का जिक्र किया गया है। इन राज्यों में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओड़ीशा शामिल हैं। पात्रा ने कहा कि बताए गए दौर में इन चारों राज्यों में न तो भाजपा की सरकार थी और न ही इन राज्यों में भाजपा समर्थित सरकार थी। ▶10पर

आंध्र प्रदेश सरकार ने पारित किया नया कानून

दो-बच्चों का नियम खत्म ज्यादा बच्चे मंजूर

अमरावती, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार ने आंध्र प्रदेश पंचायती राज और नगरपालिका अधिनियमों में संशोधन के लिए विधेयक पारित किया। इस विधेयक के जरिए तीन दशक पुरानी उस नीति को खत्म कर दिया गया जो दो से ज्यादा बच्चे वाले लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से रोकती थी। जब से चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश की सत्ता में आए हैं, उनकी सरकार प्रदेश में परिवारों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। 1994 में अविभाजित आंध्र प्रदेश में नायडू सरकार ने ही दो-बच्चों की नीति को लागू करने के लिए पंचायत राज और नगरपालिका प्रशासन विभाग अधिनियमों में संशोधन किया था।

आंध्र प्रदेश दो-बच्चे की नीति को वापस लेने वाला पहला राज्य नहीं है। 2005 में छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश ने नीति को रद्द कर दिया था। यह नीति तब लाई जब जब यह पाया गया कि 1981 और 1991 की जनगणना के बीच जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

ज्यादा बच्चे वाले भी लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव

अपेक्षित परिणाम नहीं दे रहे थे। मुंबई स्थित अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान के जनसांख्यिकीविद् और एसोसिएट प्रोफेसर श्रीनिवास गोली ने कहा, उस समय भारत अपनी जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा था और अंतर-जनगणना आंकड़ों से पता चला कि हम सही रास्ते पर नहीं थे।

वह बताते हैं कि अप्रत्याशित परिणामों के कारण राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने केरल के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। इस समिति ने सिफारिश की कि दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को पंचायत स्तर से लेकर संसद तक सरकारी पदों पर रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। छऊ को सौंपी गई सिफारिशों को बाद में विभिन्न राज्यों ने इसे अपनाया। नीति को अपनाने वाले 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश ने 2005 में इसे वापस ले लिया। प्रोफेसर श्रीनिवास गोली ने कहा कि इस नीति को वापस लिए जाने का एक प्रमुख कारण जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) में गिरावट थी।

▶10पर

बदला ले रही उमर और कांग्रेस की सरकार

कश्मीरी पंडितों की दुकानों पर चला बुलडोजर

जम्मू, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू में एक बार फिर से कश्मीरी पंडितों को लेकर सियासत उबाल मार रही है। जम्मू विकास प्राधिकरण ने जम्मू शहर में विस्थापित कश्मीरी पंडितों की एक दर्जन दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जिसको लेकर कोई नोटिस भी जारी नहीं किया था। जिसके बाद विभिन्न वर्गों ने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को विस्थापित कश्मीरी पंडितों द्वारा मुथी कैंप के पास तीन दशक पहले बनाई गई दुकानों को ध्वस्त करने की मुहिम शुरू की गई। पुरानी दुकानें जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) की जमीन पर स्थित थीं। आयुक्त अरविंद करवानी ने स्थिति का आकलन करने के लिए इलाके का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि इलाके में उनके लिए नई दुकानें बनाई जाएंगी। आयुक्त ने कहा कि ये दुकानें जेडीए की जमीन पर थीं। राहत संगठन ने मुथी कैंप फेज-2 में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए टेंडर जारी किए हैं। जल्द ही दस दुकानें बनाई जाएंगी और इन दुकानदारों को आवंटित की जाएंगी।

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर भाजपा, पीडीपी अन्य राजनीतिक दलों और कई कश्मीर पंडित संगठनों ने जेडीए की कार्रवाई की निंदा की और विस्थापित समुदाय के लिए नई दुकानों के निर्माण बनाए जाने की बात कही। ▶10पर

नक्शा सही तरीके से नहीं समझने का नतीजा है भारत-चीन सीमा विवाद : सीडीएस

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत-चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अपनी राय रखी। सीडीएस ने बुधवार को कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद मानचित्रों की अलग-अलग समझ का नतीजा है और हम वास्तव में यह नहीं कह सकते कि कौन सा सही है और कौन सा गलत।

चौहान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। एलएसी पर मौजूदा स्थिति और 1947 से चीन के संदर्भ में भारत का नक्शा कैसे छोटा होता जा रहा है, इस सवाल पर उन्होंने कहा, 1947 से भारत को अपना नक्शा छोटा होता हुआ दिख रहा है, अगर हम दूसरी तरफ होते, अगर हम 1950 में चीन होते और उनके नक्शे को देखते तो उन्हें भी पता चलता कि उनका नक्शा छोटा होता जा रहा है, कुछ हद तक हमारी वजह से। वे अरुणाचल प्रदेश राज्य पर अपना दावा करते हैं। यह विवाद चलता रहता है, हम वास्तव में यह नहीं कह सकते कि कौन सही है और कौन गलत।

चौहान ने आईआईसी में भविष्य के युद्ध और भारतीय सशस्त्र बल विषय पर भाषण दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन ने की। इसमें पूर्व रक्षा सचिव और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एनएन वोहरा के साथ एक सत्र भी शामिल था। भविष्य के युद्धों के लिए चीन और पाकिस्तान की तैयारियों से जुड़े एक सवाल पर चौहान ने कहा, कोई भी पेशेवर सेना भविष्य के युद्ध की तैयारी कर रही होगी। थिएटर कमांड और पुनर्गठन और सब कुछ। चीनियों ने नौ साल पहले ऐसा किया था। भले ही वे तब ऐसा न कर रहे हों, हमें यह मानना होगा कि वे भविष्य के युद्ध की तैयारी कर रहे हैं।

चौहान से बातचीत के दौरान वोहरा ने मणिपुर का उदाहरण दिया और पूछा कि शांति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है, गृह मंत्रालय की या सशस्त्र बलों की।

वोहरा ने कहा, क्या सेना ने पूछा है कि क्या उन्हें नागरिक प्राधिकरण के लिए सैन्य सहायक बनने के लिए कहा जा रहा है, क्या शर्तें हैं? उद्देश्य क्या हैं? जब तक व्यवस्था नहीं होगी, चीजें बड़े पैमाने पर गलत हो सकती हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की याचिका पर स्पष्ट किया

आबकारी नीति घोटाले की सुनवाई नहीं रुकेगी

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में आरोपी हैं।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने मामले में आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा। अब इस केस की सुनवाई 20 दिसंबर को होगी। केजरीवाल ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को 20 नवंबर को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

केजरीवाल ने हाईकोर्ट से इस आधार पर ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की कि विशेष न्यायाधीश ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ अभियोजन के लिए किसी मंजूरी के अभाव में आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। वह कथित अपराध के समय एक लोक सेवक थे। 12 नवंबर को हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एजेंसी की शिकायत पर उन्हें जारी समन को चुनौती देने वाली केजरीवाल की एक और याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट ने आपराधिक मामले में इस स्तर पर ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।

आतंकवादी यासीन मलिक को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

कसाब को भी निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिला था

यासीन मलिक को कश्मीर भेजने पर सीबीआई ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक के मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि इस देश में आतंकी अजमल कसाब को भी निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे संकेत दिए कि अदालत यासीन मलिक मामले में तिहाड़ जेल के भीतर ही कोर्ट रूम स्थापित करने का निर्देश दे सकती है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की सदस्यता वाली पीठ ने जम्मू कश्मीर सत्र अदालत के बीते साल सितंबर में दिए एक आदेश के खिलाफ सीबीआई की ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,190/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,320/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 19^0

कर्नाटक में वक्फ बोर्ड की माफियागीरी के खिलाफ जनता में उबाल

29,000 एकड़ जमीन पर वक्फ बोर्ड ने कर रखा है कब्जा

वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में सड़क पर उतरे वकील

बेंगलुरु, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक में वक्फ बोर्ड की माफियागीरी के खिलाफ जनता में उबाल आ रहा है। वक्फ बोर्ड द्वारा 29,000 एकड़ जमीन पर कब्जा करने का मामला प्रदेशभर में गरमाता जा रहा है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यहां तक कि वक्फ बोर्ड की गुंडागर्दी के खिलाफ अब वकील भी आंदोलन पर उतर आए हैं। वक्फ बोर्ड की मनमानियों के बीच कर्नाटक भाजपा नेता और राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी ने सिद्धारमैया सरकार से वक्फ बोर्ड अवैध तरीके से कब्जा किए गए 29,000 एकड़ जमीनों को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मेरी रिपोर्ट के अनुसार वक्फ बोर्ड में 54,000 एकड़ जमीन रजिस्टर्ड है। इसमें से 29000 एकड़ जमीन का गबन किया गया है।

अनवर ने दावा किया कि अतिक्रमण की गई जमीनों पर व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स, मेडिकल कॉलेज और कई नेताओं का कब्जा हो चुका है। भाजपा नेता के मुताबिक, उनकी रिपोर्ट तो संपत्तियों का एक हिस्सा मात्र है। अगर सही से सरकार जांच करे तो कई लोग जेल

जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि अगर वक्फ बोर्ड के पास 54,000 एकड़ जमीन रजिस्टर्ड है तो फिर किसानों को नोटिस किस अधिकार से जारी किया गया।

इसके साथ ही भाजपा नेता ने ये भी कहा कि राज्य सरकार अगर पुराने राजपत्रों अधिसूचनाओं की जांच करेगी तो सरकार को किसानों और वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर सही जानकारी मिल सकती है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी रिपोर्ट की भी जांच करने की मांग सरकार से की। भाजपा नेता मंगलुरू में श्री राम सेना के संस्थापक प्रमोद मुथालिक के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, उसी दौरान उन्होंने ये बातें कही। इस मौके पर श्री राम सेना के संस्थापक मुथालिक ने भी कहा कि हाल के दिनों में कई एकड़ जमीन को वक्फ प्रॉपर्टी घोषित किया गया है। प्रदेश के मठ प्रमुखों को इसके खिलाफ आवाज उठाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल का भी समर्थन किया।

वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ और वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में वकील भी सड़क पर उतर आए हैं। मैसूर बार एसोसिएशन के सदस्यों ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन बिल-2024 के समर्थन में रैली निकाली और वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ नारेबाजी की। जिस प्रकार से वक्फ बोर्ड ने राज्य में किसानों की जमीनों पर अपना दावा ठोका है, उसके खिलाफ भी प्रदर्शन किया गया। वक्फ बिल के समर्थन में यह रैली मैसूर बार एसोसिएशन के ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

राष्ट्रीय धातुकर्म पुरस्कार समारोह में लिया भाग

इस्पात उद्योग राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण : एचडी कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को राष्ट्रीय धातुकर्म पुरस्कार समारोह में भाग लिया, जिसमें धातुकर्म और इस्पात निर्माण में नवाचार, समर्पण और उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया। जिसने इस क्षेत्र में भारत के भविष्य की दिशा तय की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा यह कार्यक्रम धातुकर्म और इस्पात निर्माण के क्षेत्र को आकार देने वाली उत्कृष्टता, नवाचार और समर्पण को श्रद्धांजलि है। मंत्री ने राष्ट्र निर्माण में इस्पात उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा गगनचुंबी इमारतों से लेकर राजमार्गों, रेलवे से लेकर रक्षा तक, इस्पात हमारी प्रगति को शक्ति देता है और हमारी महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाता है। कुमारस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास कर रहा है, इस्पात इस परिवर्तन का केंद्र बना हुआ है, जो वैश्विक मंच पर देश के लचीलेपन को प्रदर्शित करता है। क्षेत्र की उपलब्धियों की सराहना करते हुए, मंत्री ने बाजार की अस्थिरता, स्थिरता की अनिवार्यता और नवाचार की महत्वपूर्ण आवश्यकता जैसी चल रही चुनौतियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सहित दूरदर्शी नीतियों के संदर्भ में इस्पात उद्योग को समर्थन देने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। मंत्री ने कहा एक परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्क्रैप रीसाइक्लिंग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से विशेष इस्पात क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इस्पात निर्माताओं और आईआईएससी तथा आईआईटी जैसे शीर्ष शोध संस्थानों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया, जिसे उन्होंने भविष्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। मंत्री ने 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर जोर दिया। इस परिवर्तन में इस्पात उद्योग को सबसे आगे रखा। उन्होंने सतत उत्पादन के लिए वैश्विक मानक स्थापित करने के लिए हाइड्रोजन आधारित इस्पात निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने जोर देकर कहा जलवायु परिवर्तन से निपटने के हमारे राष्ट्रीय मिशन के साथ जुड़कर, इस्पात उद्योग न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के दौरान, कुमारस्वामी ने क्षेत्र में योगदान देने वालों को सम्मानित किया। शशि एस मोहंती को धातु विज्ञान में उनके योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस क्षेत्र में उनके काम के लिए टीपीडी राजन को राष्ट्रीय धातुकर्मी पुरस्कार प्रदान किया गया। इस्पात में अनुसंधान और विकास की श्रेणी में, डी सतीश कुमार को उनकी अभिनव प्रगति के लिए सम्मानित किया गया। युवा धातुकर्मी पुरस्कार में उभरती प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, जिसमें साई गौतम गोपालकृष्णन और बिराज कुमार साहू को इस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय धातुकर्मी पुरस्कार समारोह में धातुकर्म और इस्पात निर्माण के क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित नेता मौजूद थे। इनमें भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) के अध्यक्ष सज्जन जिंदल, आईआईएम के उपाध्यक्ष प्रोफेसर बीएस मूर्ति, ब्रिगेडियर अरुण गांगुली (सेवानिवृत्त) और आईआईएम-एटीएम के संयोजक धीरेन पांडा शामिल थे।

फर्जी कॉल-लिंक से रहें सावधान: संयुक्त पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यातायात विभाग के संयुक्त पुलिस आयुक्त एम.एन. अनुचेथ ने जनता को शहर की यातायात पुलिस होने का दावा करने वाली फर्जी कॉल और दुर्भावनापूर्ण लिंक से सावधान रहने की सलाह दी है।

इस तरह के कॉल और संदेश नागरिकों को धोखा देने और व्यक्तिगत जानकारी या धन निकालने के बाएं हाथ के प्रयास हैं। उन्होंने कहा ट्रैफिक पुलिस विभाग से जुर्माना भरने का दावा करने वाले कॉल, ट्रैफिक उल्लंघन के फुटेज होने का दावा करने वाले और भुगतान की मांग करने वाले संदेशों से सावधान रहें। फर्जी बीमा या पंजीकरण सेवाओं की पेशकश का दावा करने वाले कॉल, नागरिकों को दुर्भावनापूर्ण लिंक पर क्लिक करने या अटैचमेंट डाउनलोड करने के लिए कहने वाले संदेश गलत है। कॉल करने वाले यह दावा करते हैं कि आपका वाहन हिट-एंड-रन मामले में शामिल है, ट्रैफिक पुलिस को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। उन कॉलों पर ध्यान न दें जहां घोटालेबाज आपकी पहचान सत्यापित करने के लिए आपकी कॉल को (फर्जी) पुलिस अधिकारी को स्थानांतरित करने का दावा करता है, या भुगतान की पुष्टि करने के लिए आपको अपने फोन से 1, 2 आदि दबाने के लिए कहता है। यदि आपको ऐसे कॉल या संदेश प्राप्त होते हैं, तो प्रतिक्रिया न दें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें या अटैचमेंट डाउनलोड न करें, व्यक्तिगत जानकारी न दें, पैसे न दें। सीधे हमारे विभाग से संपर्क करके कॉल या संदेशों की प्रामाणिकता की जाँच करें।

जानकारी प्रदान करने से पहले अधिकारियों की पहचान सत्यापित करें। हमारी आधिकारिक वेबसाइट या सहवानी (080-22868550/22868444) पर शिकायतें दर्ज करें। यदि आपको कोई संदिग्ध कॉल या संदेश प्राप्त होता है, तो तुरंत उन्हें ईमेल पर रिपोर्ट करें और सुरक्षित और सतर्क रहें।

चार बार के विधायक मनोहर तहसीलदार का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री मनोहर तहसीलदार का 78 वर्ष की आयु में बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें बेंगलूरु के चामराजपेट में शंकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तहसीलदार हंगल विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे। उन्होंने 1978, 1989, 1999 और 2013 में सीट जीती। तहसीलदार ने 2018 में चुनाव नहीं लड़ा। तहसीलदार, बीई मैकेनिकल स्नातक, चार बेटे और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। वह भाजपा नेता सी.एम. उदासी के कड़े चुनावी प्रतिद्वंद्वी रहे, जो 1983, 1985, 1994, 2004, 2008 और 2018 में छह बार हंगल विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। उदासी का जून 2021 में निधन हो गया। उन्होंने अक्टूबर 2015 से जून 2016 तक सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार में आबकारी मंत्री के रूप में कार्य किया। तहसीलदार 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले जनता दल (सेक्युलर) या जेडी (एस) में शामिल होने से पहले चार दशकों से अधिक समय तक कांग्रेस पार्टी के नेता थे। मार्च 2024 में पूर्व मंत्री भाजपा में शामिल हो गए थे।

जॉलीवुड एडवेंचर के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ की शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला मण्डल के तत्वावधान में जॉलीवुड एडवेंचर में महिला मंडल की बैठक व दीपावली के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल की महिला संयोजिका लाड़ बडोला ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि दीपावली की सार्थकता तभी होगी जब हम अपने भीतर का अंधकार दूर करके एकता के साथ अपने संगठन को एक नयी दिशा देंगे। मेवाड़ बीसा ओसवाल की सहसंयोजिका गरिमा हिंगड़ ने सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि दीपावली रोशनी का पर्व है, दीया प्रकाश का प्रतीक है। दीपावली का त्योहार हमें यह प्रेरणा देता है कि हम भी दीपक की तरह प्रकाशमान बने। इस कार्यक्रम के ब्रेकफास्ट, लंच, बस की व्यवस्था और हाई टी के प्रायोजक, सुनीता बाबेल, ममता हिंगड़, गरिमा हिंगड़, कुसुम कटारिया एवं लाड़ बडोला थी। सभी प्रायोजक का शॉल द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान पूर्व संयोजिका कुसुम कटारिया, विजयलक्ष्मी चोरड़िया, सहसंयोजिका लीला खाब्या सहित काफी सदस्य मौजूद थी।

जरूरतमंद लोगों में कपड़े समेत अन्य वस्तुओं का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल, आर.आर नगर द्वारा विसर्जन भावना कार्यक्रम के माध्यम से मंडल की महिलाओं ने अपने घरों से अतिरिक्त सामान एकत्र किया और जरूरतमंद लोगों को वितरित किया।

यह वितरण डिविनिटी मॉल के सामने स्थित नायनहल्ली क्वार्टर्स में किया गया। जिसमें कपड़े, खिलौने, पुस्तकें, बेडशीट, टूथब्रश, चॉकलेट्स आदि वस्तु शामिल थे। इस मौके पर अध्यक्ष सुमन पटावरी, मंत्री पदमा महेर, उपाध्यक्ष मंजू बोथरा, संगठन मंत्री शारदा बैद, रुचिका पटावरी और शांति पगारिया मौजूद थी। कार्यक्रम का उद्देश्य दान के महत्व को बढ़ावा देना और जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। यह पहल न केवल जरूरतमंद लोगों की मदद करती है, बल्कि समाज में दान की भावना को भी बढ़ावा देती है।

चार सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर लोकायुक्त की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त ने राज्य के चार विभागों के चार अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों के बाद छापेमारी की।

यह छापेमारी आय से अधिक संपत्ति रखने के मामलों की जांच के तहत की गई। लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु, मांड्या और चिक्कबल्लापुर समेत 25 स्थानों पर छापेमारी जारी है। अधिकारियों ने खान और भूविज्ञान विभाग के वरिष्ठ भूविज्ञानी कृष्णावेनी एम सी, कावेरी नीरावरी निगम के सतही जल डेटा केंद्र के प्रबंध निदेशक महेश, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के निदेशक एनके थिप्पेस्वामी और संयुक्त उत्पाद आयुक्त कार्यालय में उत्पाद अधीक्षक मोहन के. की संपत्तियों पर छापेमारी की। लोकायुक्त के अधिकारी इन सरकारी अधिकारियों के दस्तावेजों, संपत्तियों, नकदी और अन्य मूल्यवान चीजों की गहन जांच कर रहे हैं। छापेमारी के दौरान नकदी और आभूषण बरामद किए गए। पिछले 10 दिनों में भ्रष्टाचार रोधी निगरानी संस्था की यह दूसरी छापेमारी है। 12 नवंबर को लोकायुक्त नौ सरकारी अधिकारियों की संपत्तियों पर छापा मारा था। इस छापेमारी में उन्होंने 22.5 करोड़ रुपये आय से अधिक संपत्ति का खुलासा किया था। अधिकारियों ने इस दौरान बेलगावी, हावेरी, दावणगेरे, कलबुर्गी, मैसूरु, रामनगर और धारवाड़ समेत 40 स्थानों पर छापेमारी की थी।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ प्रमुख नक्सली नेता विक्रम गौड़ा का अंतिम संस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) के साथ मुठभेड़ में मारे गए प्रमुख नक्सली नेता विक्रम गौड़ा का अंतिम संस्कार बुधवार को हेबरी तालुक के नादपाल गांव के कुडलू के मैरोली में उनके पारिवारिक घर पर किया गया। दोपहर करीब 2 बजे अंतिम संस्कार उनके भाई सुरेश गौड़ा ने किया और उनकी बहन सुगुना, करीबी रिश्तेदार, स्थानीय लोग और भारी पुलिस बल मौजूद था, जिसने पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित की।

मृतक के शव को मंगलवार शाम करीब 5 बजे पुलिस सुरक्षा में मणिपाल के केएमसी अस्पताल के शवगृह में ले जाया गया। हालांकि, पोस्टमार्टम बुधवार सुबह तक टल गया, क्योंकि परिवार आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए समय पर नहीं पहुंचा था। नतीजतन, शव रात भर शवगृह में पुलिस सुरक्षा में रहा। पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद बुधवार दोपहर करीब 1 बजे शव परिवार को सौंप दिया गया। सुरेश गौड़ा ने शव प्राप्त किया और मीडिया से संक्षिप्त बातचीत की, जबकि उनकी बहन सुगुना ने कहा कि परिवार ने सुनिश्चित किया था कि शव लावारिस न रहे। उन्होंने कहा हमने तय किया कि मेरे भाई का शव लावारिस न रहे। हमने कुडलू में उनकी संपत्ति पर अंतिम संस्कार करने का फैसला किया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के साथ दाह संस्कार किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ साहित्य परिषद विजयनगर विधानसभा क्षेत्र द्वारा राधाबाई थिम्मप्पा समुदाय भवन में आयोजित कन्नड़ साहित्य सम्मेलन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर परिषद के पदाधिकारी मौजूद थे।

युवती से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोनाजे पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत बोलियार गांव में कम्पाडी के पास एक युवती की यौन उत्पीड़न करने का प्रयास करने वाले एक लड़के को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह घटना उस समय हुई जब लड़की मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल जा रही थी। स्कूटी सवार लड़के ने कथित तौर पर उसे अनुचित तरीके से छुआ और उसका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर लड़की को बचाया। लड़की ने घटना की सूचना कैथोलिक सभा के पदाधिकारियों को दी। केंद्रीय अध्यक्ष एल्विन डिसूजा पनीर, अम्मेबाला चर्च पादरी समिति के उपाध्यक्ष रॉबर्ट और कैथोलिक सभा के अन्य नेता मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में मदद की। स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। कोनाजे पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

अस्पतालों में सेवा शुल्क संशोधन से जनता पर बोझ नहीं पड़ेगा: दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकारी अस्पतालों में सेवा शुल्क संशोधन अभी भी प्रारंभिक चर्चा के चरण में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शुल्क संशोधन से जनता पर बोझ नहीं पड़े, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। यहां गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि अस्पतालों में सेवा शुल्क बढ़ाने का कोई सामूहिक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया अभी तक केसी जनरल अस्पताल को छोड़कर, जहां स्वास्थ्य आयुक्त की मंजूरी से संशोधन किया गया था, अस्पतालों या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवा शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। फिलहाल चर्चा 15-20 प्रतिशत की प्रस्तावित वृद्धि के इर्द-गिर्द घूम रही है। राव ने जोर देकर कहा कि इस प्रक्रिया को सार्वजनिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए सावधानी से अपनाया जा रहा है। मंत्री ने आगे कहा अस्पतालों द्वारा

एकत्र किए गए सेवा शुल्क सरकार को नहीं भेजे जाते हैं। उनका उपयोग केवल एआरएस (आरोग्य रक्षा समिति) निधियों के माध्यम से संबंधित अस्पतालों के विकास के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि निधियों का उपयोग अस्पताल की सफाई, रखरखाव और विकास परियोजनाओं के लिए किया जाता है, और सरकार केवल आवश्यक अनुमोदन प्रदान करती है। राव ने यह भी कहा कि अस्पतालों में शुल्क संशोधन नियमित है, जो हर तीन से चार साल में एक बार होता है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे इन संशोधनों को सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न करने के उपायों के रूप में गलत न समझें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एकत्रित धन अस्पतालों के पास रहता है और स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए उपयोग किया जाता है। मंत्री ने दोहराया कि सरकार का जनता पर अधिक बोझ डालने का कोई इरादा नहीं है और यह सुनिश्चित करेगी कि किए गए कोई भी बदलाव उचित और न्यायोचित हों। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को ईडी नोटिस के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा ईडी विपक्ष को धमकाने के लिए मौजूद है। यह भाजपा का एक सहयोगी संगठन बन गया है, जो एक राजनीतिक एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। ईडी भ्रष्टाचार को संबोधित नहीं कर रहा है, बल्कि विपक्ष को डराने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ईडी ने अपनी विश्वसनीयता और मूल उद्देश्यों को खो दिया है। इसके बजाय, इसका इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, ब्लैकमेल करने और नेताओं को भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा रहा है।

नंदिनी अमूल और मदर डेयरी जैसे प्रमुख ब्रांडों को देगी टक्कर

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दिल्ली में नंदिनी उत्पादों की बिक्री शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के केएमएफ के नंदिनी ब्रांड उत्पादों की आधिकारिक बिक्री राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुरू हो गई है। नंदिनी उत्पादों को लॉन्च करके, सीएम सिद्धरामैया ने दिल्ली में केएमएफ उत्पादों की बिक्री शुरू की।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में कर्नाटक दुग्ध संघ के नंदिनी ब्रांड उत्पादों की आधिकारिक बिक्री को हरी झंडी दे दी गई है और राष्ट्रीय राजधानी में नंदिनी उत्पादों की उपलब्धता भी शुरू हो जाएगी। इसके जरिए कर्नाटक की नंदिनी अमूल और मदर डेयरी जैसे प्रमुख ब्रांडों को भी टक्कर देगी। दिल्ली के एक निजी होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में नंदिनी उत्पादों की आधिकारिक लॉन्चिंग की गई। कार्यक्रम में मंत्री बिरथी सुरेश, वेंकटेश, चालुवरयास्वामी, प्रबंध निदेशक एमके जगदीश, राजनीतिक सचिव गोविंदराजू और केएमएफ अधिकारी शामिल थे। केएमएफ के अध्यक्ष भीमनायक ने कहा कि हमने दिल्ली में 3 से 4 लाख लीटर दूध बेचने का लक्ष्य रखा है। अब से दिल्ली में 100 फीसदी शुद्ध दूध मिलेगा। हम दिल्ली के लोगों को शुद्ध गाय का दूध उपलब्ध कराएंगे। कुछ महीने पहले अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान केएमएफ ने स्कॉटलैंड और आयरलैंड की टीमों को स्पॉन्सर किया था। स्कॉटलैंड और आयरलैंड टीमों की जर्सी पर प्रायोजक के रूप में नंदिनी के ब्रांड नाम का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा, विश्व कप के दौरान नंदिनी उत्पादों की भी आपूर्ति की गई थी।

इस प्रकार, नंदिनी ब्रांड के उत्पादों ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया। विश्व कप के दौरान, केएमएफ ने अमेरिका को नंदिनी ब्रांड के फ्रोजन डेसर्ट, दूधिया ऊर्जा पेय नंदिनी स्पलैश की आपूर्ति की। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केएमएफ को दूध उत्पादन और बाजार में गुजरात से आगे निकलने में सक्षम नहीं होने के बावजूद कड़ी प्रतिस्पर्धा करने का निर्देश दिया है। दिल्ली में नंदिनी दूध और अन्य उत्पादों के वितरण का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात की अमूल कंपनी 400 लाख किलोग्राम का उत्पादन करती है। हर दिन दूध और इसका अच्छा बाजार है। हमारा राज्य प्रतिदिन 3 लाख किलोग्राम दूध का उत्पादन कर रहा है।

हम शायद गुजरात इंस्टीट्यूट से आगे नहीं निकल पाएंगे। लेकिन करीबी प्रतिस्पर्धा का मौका है। कर्नाटक में प्रतिदिन 200 या 300 लाख किलोग्राम दूध उत्पादन के अवसर हैं। मांड्या जिले में 10 लाख किलो दूध का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसे 20 लाख तक बढ़ाने की संभावना है। जब जेएच पटेल मुख्यमंत्री थे, तब राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने की चर्चा हुई थी।

इसके अध्ययन के लिए बनी उपसमिति में मैं भी था। हमने गुजरात और केरल का दौरा किया। हालाँकि हर जगह शराब पीने पर पूर्ण प्रतिबंध था, फिर भी शराब प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थी। इसलिए शराबबंदी संभव नहीं है। विश्वास है कि शराबखोरी को कानून द्वारा नहीं रोका जा सकता। दूध एक सम्पूर्ण आहार है। यह पोषक तत्वों से भरपूर है। बच्चों के विकास के लिए दूध बहुत जरूरी है। डेयरी फार्मिंग से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। अगर गुजरात में 80 हजार करोड़ का लेनदेन हुआ तो कर्नाटक 22 हजार करोड़ का व्यापार कर रही है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादकों को प्रतिदिन 31 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

पशुपालन मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, डेयरी संघों और डेयरी का विलय करने का निर्णय लिया गया था। उनके मुख्यमंत्री रहते ही क्षीरभाग्य योजना लागू की गयी थी। उन्होंने कहा कि इसे विश्व बैंक ने मान्यता दे दी है। दिल्ली एक बड़ा और तेजी से विकसित होने वाला शहर है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां आकर बसे हैं। उन्हें दूध की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दूध बाजार के लिए और अधिक वितरकों को आगे आना चाहिए। 2500 किमी दूर दिल्ली तक दूध पहुंचाने में 54 घंटे लगते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सवा दो दिन दूध की आपूर्ति करते समय गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए।

नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए राजी करें प्रगतिशील विचारक : जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को प्रगतिशील विचारकों से अपील की कि वे माओवादियों को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए राजी करें। उन्होंने प्रगतिशील विचारकों की आलोचना का जवाब देते हुए यह अपील की कि कस्तूरीरंगन रिपोर्ट के कार्यान्वयन के खिलाफ आंदोलन को रोकने के लिए विक्रम गौड़ा की मुठभेड़ की गई। गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा प्रगतिशील विचारकों ने खुद विक्रम गौड़ा और अन्य लोगों से आत्मसमर्पण करने की अपील की थी। ऐसा करके उन्होंने स्वीकार किया है कि वे नक्सल विचारधारा के खिलाफ हैं। विरोध प्रदर्शन पर कोई आपत्ति नहीं है, वे हमेशा आगे आकर विवेकपूर्ण तरीके से आंदोलन कर सकते हैं। उन्होंने अपील की कि प्रगतिशील विचारकों ने लोगों से नक्सल आंदोलन में शामिल न होने की अपील की थी। मैं उनसे नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए अपनी तरफ से प्रयास करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने आगे कहा क्योंकि हमारे जिले (तुमकुरु) में, पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्लूजी) आंध्र प्रदेश की सीमा पर काम करता था। उन्होंने नक्सली विचारधारा अपनाई। पीडब्लूजी के सदस्य अमीर लोगों से पैसे मांगते थे, सदस्यों ने उनकी जमीनों पर बाड़ लगाकर उसे गरीबों में बांट दिया। उन्होंने कहा उन्होंने कर्नाटक के पावगड़ा क्षेत्र में कई पुलिसकर्मियों को मार डाला और स्थिति बेकाबू हो गई। जब हमने अपील की, तो पूर्व सीएम एस.के. कृष्णा के कार्यकाल में कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। मंत्री ने दावा किया कि मैं पहले ही स्पष्ट कर चुका हूं कि विक्रम गौड़ा को फर्जी मुठभेड़ में नहीं मारा गया। पिछले 20 सालों से विक्रम गौड़ा की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

यह भी देखा गया कि कैसे उन्होंने विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया और जनविरोधी गतिविधियों में हिस्सा लिया। सारी जानकारी पुलिस के पास उपलब्ध है। विक्रम गौड़ा के खिलाफ 60 से ज्यादा मामले दर्ज थे और वह बिना लाइसेंस के आग्नेयास्त्र रखता था और वह नक्सली की श्रेणी में आता था। उन्होंने कहा कर्नाटक और अन्य राज्यों में नक्सलियों पर लगाम लगाने के लिए एक अलग बल बनाया गया है। ओडिशा, केरल और हमारे राज्य में भी नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) बनाया गया है। कर्नाटक पुलिस ने सोमवार शाम को उडुपी जिले के कब्बीनाले वन क्षेत्र में मुठभेड़ में सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक विक्रम गौड़ा को मार गिराया। कर्नाटक आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के डीजीपी प्रणब मोहंती ने कहा कि माओवादी विक्रम गौड़ा के साथ मुठभेड़ की योजना नहीं थी। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य मुठभेड़ करना नहीं है। नक्सलियों के लिए आत्मसमर्पण और पुनर्वास पैकेज हैं, जिसके माध्यम से वे हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को माओवादी नेता विक्रम गौड़ा की नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) के साथ मुठभेड़ में हत्या को उचित ठहराया था। उन्होंने कहा कि उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने के सरकार के निर्देश की भी अनदेखी की। सिद्धरामैया ने सोमवार को मुठभेड़ के बारे में कुछ बुद्धिजीवियों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा एक स्थायी आदेश है। हमने कहा है कि अगर वे (नक्सली) आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें सभी सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने (गौड़ा) आत्मसमर्पण नहीं किया। केरल सरकार ने उन पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था, हमारी सरकार ने 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उन्होंने पूछा, आपको इसकी (मुठभेड़) सराहना करनी चाहिए। क्या नक्सलवाद रहना चाहिए या खत्म हो जाना चाहिए?

सीएम ने वित्त मंत्री सीतारमण से राज्य में नाबार्ड ऋण बढ़ाने का किया आग्रह

बेंगलूरु/नई दिल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उनसे किसानों के हित में वर्ष 2024-25 के लिए अल्पावधि कृषि ऋण की सीमा बढ़ाने और राज्य में सामान्य खाद्यान्न उत्पादन में मदद सुनिश्चित करने के लिए नाबार्ड और आरबीआई को निर्देश देने का अनुरोध किया। वर्ष 2023-24 के लिए, नाबार्ड ने 5,600 करोड़ रुपये की एसएओ रियायती सीमा मंजूर की थी। जब वर्ष 2024-25 की बात आती है, तो 9,162 करोड़ रुपये की लागू सीमा के मुकाबले, नाबार्ड ने केवल 2,340 करोड़ रुपये की एसएओ सीमा मंजूर की है, जो पिछले साल की तुलना में 58 प्रतिशत कम है। नाबार्ड ने कहा कि इस साल सीमा कम करने का कारण यह है कि आरबीआई ने सामान्य ऋण सीमा के तहत कम आवंटन किया था। मुख्यमंत्री ने अपने ज्ञापन में कहा कर्नाटक में बहुत अच्छी मानसूनी बारिश हुई है और किसान मांग कर रहे हैं कि उनके कृषि सहकारिता के लिए एसएओ ऋण का वितरण बढ़ाया जाए। कर्नाटक को एसएओ ऋण सीमा मंजूर करने में भारी कमी से वर्ष 2024-25 के लिए कर्नाटक में अल्पकालिक कृषि सहकारिता ऋण के वितरण में भारी बाधा आएगी। कर्नाटक ने वर्ष 2024-25 के लिए 35 लाख किसानों को 25,000 करोड़ रुपये के अल्पकालिक कृषि ऋण वितरित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा वर्ष 2023-24 के दौरान अल्पावधि सहकारी ऋण संरचना के माध्यम से कर्नाटक राज्य में 22,902 करोड़ रुपये के अल्पावधि कृषि ऋण वितरित किए गए हैं। कर्नाटक राज्य सहकारी शीर्ष बैंक लिमिटेड ने अल्पावधि सहकारी ऋण संरचना की ओर से वर्ष 2024-25 के लिए 9,162 करोड़ रुपये की एसएओ सीमा को मंजूरी देने के लिए नाबार्ड को अनुरोध किया और प्रस्ताव भेजा है। बैठक के दौरान कृषि मंत्री चेलुवरयास्वामी और शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश भी मौजूद थे। इससे पहले सिद्धरामैया ने केंद्र पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से दिए जाने वाले फंड को 58 प्रतिशत घटाकर 2023-24 में 5,600 करोड़ रुपये से घटाकर 2024-25 में 2,340 करोड़ रुपये करने का आरोप लगाया था, जिससे किसानों के कर्ज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे कर्नाटक को दिए जाने वाले नाबार्ड फंड को कम करके किसानों के साथ अन्याय न करें। नाबार्ड राज्य द्वारा संचालित सहकारी समितियों को 4 प्रतिशत ब्याज पर ऋण दे रहा है, और सहकारी समितियाँ किसानों को पैसा उधार देती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। उन्होंने अपर भद्रा परियोजना को धन देने से इनकार करने के लिए सीतारमण की आलोचना की, जिसकी घोषणा 2023-24 के केंद्रीय बजट में की गई थी। उन्होंने दावा किया कि 5,300 करोड़ की राशि की घोषणा की गई थी, लेकिन केंद्र ने अभी तक राज्य को धन जारी नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से धन मांगने के बजाय केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और प्रहलाद जोशी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की आलोचना कर रहे हैं।

कृष्ण मठ को कल वक्फ संपत्ति घोषित किया जा सकता है : कोटा श्रीनिवास पुजारी

हमारी जमीन हमारा अधिकार है अभियान के तहत प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा कि अगर कल वक्फ बोर्ड कृष्ण मठ को वक्फ संपत्ति घोषित कर देता है, तो क्या हम इस पर सवाल नहीं उठा सकते। उन्होंने यहां गुरुवार को मणिपाल में डीसी कार्यालय पर हमारी जमीन हमारा अधिकार है अभियान के तहत उडुपी जिला भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में यह बात कही।

कार्यक्रम में बोलते हुए पुजारी ने वक्फ संपत्ति के रूप में भूमि के कथित विनियोग पर चिंता व्यक्त की। हमारी जमीन हमारा अधिकार है का नारा लोगों के बीच इस डर को दर्शाता है कि उनकी सही जमीनें छीनी जा सकती हैं। लगभग 14,000 किसानों की जमीनों को उनकी जानकारी के बिना वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया। उदाहरण के लिए, बिरदार स्वामीजी, जो शांति से रह रहे थे, बाद में पता चला कि उनकी जमीन वक्फ के तहत चिह्नित की गई थी, जिससे उन्हें कोई अधिकार नहीं मिला। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा, जमीन को निजी संपत्ति के रूप में दावा करने से पहले, आरटीसी रिकॉर्ड को सत्यापित करना जरूरी है। प्रियांक खड़गे का दावा है कि वक्फ संपत्ति की घोषणा भाजपा सरकार के दौरान हुई थी, लेकिन वक्फ बोर्ड ने कभी भी भाजपा का समर्थन नहीं किया, यह हमेशा कांग्रेस का पक्षधर रहा है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ बोर्ड पर प्रतिबंध लगाए, तो कांग्रेस ने तुरंत विरोध करना शुरू कर दिया। पुजारी ने शासन के बारे में व्यापक चिंताओं को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा राज्य सरकार, जिसने बीपीएल कार्डधारकों को चावल के बजाय पैसे देने का वादा किया था, उनमें से 50 प्रतिशत को देने में विफल रही है।

यह अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व विधायक प्रमोद माधवराज ने कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा यह जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान शुरू हुआ और इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में जारी रहा, जिन्होंने घोषणा की कि अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों को देश के संसाधनों पर दावा करने का पहला अधिकार है। भारत में सनातन धर्म का विरोध अक्षम्य है। जब मैं विधायक था, तो सिद्धरामैया ने कृष्ण मठ को अधिग्रहित करने का प्रस्ताव रखा, लेकिन मैंने इसका कड़ा विरोध किया, यहाँ तक कि इस्तीफा देने की धमकी भी दी। वक्फ भूमि के कथित दुरुपयोग पर प्रकाश डालते हुए, मैंगलूरु क्षेत्र के संयोजक उदय कुमार शेट्टी ने कहा मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने एक संयुक्त समिति बनाकर वक्फ बोर्ड में सुधार पेश किए।

राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण करके जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप वक्फ बोर्ड ने 54,000 एकड़ भूमि पर कब्जा कर लिया। इसमें से 29,000 एकड़ भूमि कांग्रेस नेताओं द्वारा हड़पी गई है। वक्फ संपत्तियों से प्राप्त धन का कथित रूप से चुनाव खर्च के लिए उपयोग किया गया है, जिसमें वक्फ बोर्ड के प्रबंधकों ने संपत्ति को अपने नाम पर स्थानांतरित कर लिया है। उडुपी जिले के पूर्व भाजपा अध्यक्ष कुइलाडी सुरेश नायक ने भी वक्फ अधिनियम की निंदा करते हुए कहा यह कानून नेहरू के कार्यकाल के दौरान पेश किया गया था। स्वतंत्रता के समय पाकिस्तान और बांग्लादेश में मुसलमानों को भूमि आवंटित की गई थी, फिर भी कांग्रेस असंतुष्ट है। जमीर अहमद ने दावा किया, यह अल्लाह की भूमि है, लेकिन मैं दावा करता हूं कि यह भूमि राम की है। इस तरह का कानून ब्रिटिश शासन के दौरान कभी नहीं बनाया गया था, लेकिन कांग्रेस शासन के दौरान इसे पेश किया गया था। विरोध प्रदर्शन में भारी संख्या में लोग शामिल हुए और वक्फ बोर्ड की अवैधता की निंदा की गई।

सीएम सिद्धरामैया लोगों की जिंदगी को नर्क बनाने की कर रहे कोशिश: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया है कि सीएम सिद्धरामैया, जो अन्नभाग्य कहकर लोगों का खाना चुरा रहे हैं, कर्नाटक के लोगों का जीवन नरक बनाने जा रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सात लोग ऐसी जगह रह रहे हैं, जहां झुग्गी-झोपड़ी में नहीं रह सकते। उनका बीपीएल कार्ड रद्द कर दिया गया है। उनका कहना है कि वे करदाता हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या वे सभी टैक्स देते हैं।

बीपीएल कार्ड रद्द होने पर न सिर्फ चावल रद्द होगा। दवाइयां, अस्पताल सुविधाएं सब बंद हो जाएंगी। वे लोगों की कठिनाइयों को नहीं समझते हैं। यह घोर जनविरोधी सरकार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह यूटर्न सरकार है।

कार्ड रद्द करने का विरोध करने के बाद अब वे इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं। जिन लोगों के राशन कार्ड रद्द कर दिए गए हैं, वे आवेदन देंगे तो उन्हें तुरंत वापस कर दिया जाएगा? आवेदन करने के बाद कार्ड कब आएगा? वहाँ जिन गरीबों के कार्ड रद्द किये गये हैं, वे क्या खायें। अगर यह सरकार ऐसा करेगी तो ज्यादा देर तक नहीं रहेगी। उनका कहना है कि केंद्र सरकार के नियमानुसार कार्ड रद्द किया जा रहा है। केंद्र सरकार 80 करोड़ लोगों को खाना दे रही है। जहां दूसरे राज्य में राशन कार्ड रद्द नहीं किया गया है। इसे केवल कर्नाटक में ही क्यों रद्द किया गया है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चावल दिया। राज्य सरकार ने कहा कि दस किलो देंगे। उन्होंने कहा कि वे इसके बदले पैसे देंगे, उनके पास चावल देने के लिए पैसे नहीं हैं। इसे छुपाने के लिए वे नाटक कर रहे हैं।

बीपीएल कार्डों के संशोधन पर अस्थायी रूप से रोक

सरकारी कर्मचारियों और आयकर दाताओं के कार्डों को छोड़कर सभी कार्ड वैसे ही जारी रहेंगे: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यापक आलोचना का सामना करने के बाद, राज्य सरकार जाग गई है और बीपीएल कार्डों के संशोधन को अस्थायी रूप से रोक दिया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ किया कि सरकारी कर्मचारियों और आयकर दाताओं के कार्डों को छोड़कर बाकी सभी कार्ड वैसे ही जारी रहेंगे। पहले से ही संशोधन के अधीन, निलंबित कार्डों को एक और सप्ताह के भीतर बहाल कर दिया जाएगा और चावल लेने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गरीबों के साथ अन्याय न हो इसका ध्यान रखेंगे। पैन कार्ड आधारित सत्यापन के दौरान आयकर के देर से भुगतान के लिए कुछ लोगों को दंडित किया गया है। वहां यह तय है कि वे आयकर दाता हैं। अन्य सरकारी कर्मचारी हैं। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के नियमानुसार बीपीएल कार्डों का सत्यापन दो माह से शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि अब तक 3.81 लाख कार्ड संशोधित किये जा चुके हैं। कुल संशोधित कार्डों में से 98,483 कार्डधारक आयकर का भुगतान कर रहे हैं और 4,036 कार्डधारक सरकारी कर्मचारी हैं। हमने इन बीपीएल कार्डों को रद्द करने का फैसला किया है। अन्य सभी कार्ड बिना किसी रद्दीकरण के 2 महीने पहले की तरह जारी रहेंगे। उन्होंने कहा

कि अस्थायी रूप से निलंबित कार्डों को एक सप्ताह के भीतर लॉग इन किया जाएगा और अगले सप्ताह से चावल वितरित किया जाएगा। कार्डों का संशोधन फिलहाल छोड़ दिया गया है। सरकारी कर्मचारियों और आयकर दाताओं को छोड़कर अन्य सभी कार्ड यथावत जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में संशोधन के बाद उचित निर्णय नहीं होने तक कोई बदलाव नहीं होगा। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक दूसरा सबसे अधिक आयकर देने वाला राज्य है। हालांकि, यहां बीपीएल कार्डों की संख्या 66 फीसदी है। किसी अन्य राज्य में बीपीएल कार्डों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हुई है। लेकिन 2 महीने पहले इसे संशोधित करने का निर्णय लिया गया क्योंकि यह हमारे लिए बहुत अधिक है। अफसरों ने दिन-रात मेहनत की है। पैनकार्ड के आधार पर संशोधन किया गया है। 1 या 2 प्रतिशत भ्रम हैं। योग्य कार्डों से समझौता किया जा सकता है। किसी भी चूक को सुधारा जाएगा और मैं पूरी जिम्मेदारी लूंगा। केंद्र सरकार ने बीपीएल कार्डों को भी संशोधित किया है और 5.08 करोड़ कार्ड रद्द कर दिए हैं। राज्य में 8,647 कार्ड निलंबित कर दिये गये हैं। 59,379 कार्डों को बीपीएल से एपीएल में परिवर्तित किया गया। उन्होंने बताया कि 16806 कार्डों का बीपीएल के रूप में नवीनीकरण किया गया है। राज्य में अंत्योदय अन्न योजना के तहत 10,68,028 कार्ड हैं। बीपीएल कार्ड 1,02,44,435 हैं और 1,13,12,463 के पास दोनों कार्ड हैं। राज्य सरकार ने 11,84,425 कार्ड जारी किये हैं। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी अंत्योदय अन्न योजना के तहत 1,24,97,088 कार्ड जारी किए गए हैं। प्राथमिकता परिवारों (एपीएल) के लिए 25,62,343 कार्ड हैं। राज्य में कुल 1,50,59,431 कार्ड हैं, जिनमें से केवल 1,02,509 कार्ड ही संशोधित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि बाकी सभी कार्ड यथावत जारी रहेंगे।

पिछले 2 साल से 2.95 लाख आवेदन लंबित थे। इन्हें संशोधित कर 2,69,536 लोगों को कार्ड दिया गया है और चावल मिल रहा है। हालांकि राज्य में 66 फीसदी बीपीएल कार्ड हैं, लेकिन इससे ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है। मंत्री ने कहा कि अभी जो पुनरीक्षण कार्य स्थगित है, उसे वह करेंगे और सब कुछ ठीक करने के बाद नये कार्डों का सत्यापन करेंगे। अन्नभाग्य योजना के तहत अगस्त माह तक लाभार्थियों के खाते में धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर सितंबर और अक्टूबर माह का कैश जारी कर देंगे।

किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं

इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आश्वासन दिया था कि पात्रों से आवेदन मिलने के बाद दोबारा बीपीएल राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नियमानुसार बीपीएल कार्डों का पुनरीक्षण चल रहा है। जिन पात्रों के कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं, वे चिंता न करें। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों से दोबारा आवेदन कराकर बीपीएल कार्ड जारी किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार, जिनके पास वाहन है और 7.50 एकड़ जमीन है, वे बीपीएल के अंतर्गत नहीं आते हैं। कुछ आयकर दाताओं, सहकारी समितियों के स्थायी अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों को कार्ड मिला हुआ है। यह जानकारी कुछ लोगों ने शपथ पत्र जमा करते समय पकड़ ली है। एक कस्बे में 10-20 पात्र लोगों के कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं। इन सबकी जांच की जा रही है। पहले, जब आवेदन जमा किया जाता था, तो सत्यापन के बाद कार्ड जारी किया जाता था। कोई घर-घर सर्वेक्षण नहीं किया गया। हमारी सरकार गरीबों के लिए है। इसलिए उनके साथ गलत व्यवहार नहीं किया जायेगा। कुछ लोगों को दस्तावेजों के आधार पर कार्रवाई करना कठिन लगता है। उन्होंने कहा कि अगर वे सहयोग करेंगे तो अगले कुछ दिनों में इसे ठीक कर दिया जायेगा। मुख्यमंत्री पहले ही मंत्रियों और विधायकों को निर्देश दे चुके हैं। विधायक और गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन के अधिकारी स्वयं जाकर पात्र लोगों के साथ हो रहे अन्याय को सुधारेंगे।

शिक्षा मंत्री कन्नड़ नहीं बोल सकते, बोलने पर छात्र पर भड़के मधु बंगारप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा, उस वक्त बुरी तरह से भड़क गए, जब एक छात्र ने उन्हें लेकर कहा कि वे कन्नड़ भाषा नहीं बोल सकते। शिक्षा मंत्री ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जाहिर करते हुए छात्र पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

वहीं शिक्षा मंत्री की नाराजगी को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है और विपक्षी भाजपा ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं। कर्नाटक सरकार ने मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कोर्स की शुरुआत की है। इस कोर्स की मदद से राज्य के 25 हजार युवा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर इंजीनियरिंग, मेडिकल कोर्स आदि में प्रवेश पा सकेंगे। इस मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कोर्स की शुरुआत के अवसर पर राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। इस बातचीत के दौरान ही किसी छात्र ने कह दिया कि शिक्षा मंत्री को कन्नड़ नहीं आती। इतना सुनते ही शिक्षा मंत्री भड़क गए और उन्होंने गुस्से में कहा कि ये कौन है? क्या मैं ऊर्दू में बात कर रहा हूं? इसके बाद शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसे रिकॉर्ड करें और कार्रवाई करें। यह बहुत बेवकूफी भरी बात है। शिक्षक और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भी छात्र के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मैं चुप नहीं बैठ सकता। छात्र के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी करने पर विपक्षी भाजपा ने शिक्षा मंत्री की तीखी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक से सांसद प्रहलाद जोशी ने एक पोस्ट में कहा क्या मधु बंगारप्पा ने ही सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था कि उन्हें कन्नड़ नहीं आती? कर्नाटक कांग्रेस उस छात्र को क्यों दंडित कर रही है जिसने उन्हें यह याद दिलाया? वे यहां क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं? कांग्रेस से और क्या ही उम्मीद की जा सकती है?

सरकार में आम, गरीब लोगों के हितों की रक्षा करने की वास्तविकता कहां है? कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को कर्नाटक में आम और गरीब लोगों के हितों की रक्षा करने में कांग्रेस सरकार की ईमानदारी पर सवाल उठाया, जब राज्य सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड धारकों की पात्रता की समीक्षा करने का फैसला किया। केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि लोगों की क्या गलती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को राज्य में खाद्य सुरक्षा को ठीक से लागू करने की जरूरत है। कुमारस्वामी ने कहा गलती कहां है? आम आदमी, गरीब लोगों के हितों की रक्षा करने की ईमानदारी कहां है? उन्हें खाद्य सुरक्षा के कार्यान्वयन को ठीक से लागू करना होगा। यह बीपीएल कार्ड रद्द करने के संबंध में विवाद

के बाद आया, जिसका भाजपा ने राजनीतिकरण किया था, जैसा कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावा किया था। सोमवार को उपमुख्यमंत्री ने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड धारकों की पात्रता की समीक्षा करने के सरकार के फैसले का राजनीतिकरण करने के लिए भाजपा पर हमला बोला। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम किसी का भोजन नहीं छीन रहे हैं। भाजपा के पास राजनीति करने के अलावा कोई और काम नहीं है। कई निर्वाचन क्षेत्रों में बीपीएल कार्ड धारकों का प्रतिशत लगभग 90 प्रतिशत है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 90 प्रतिशत और होलेनरसिपुरा में 92 प्रतिशत बीपीएल कार्ड धारक हैं। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि वास्तविक और जरूरतमंद लोगों को बीपीएल कार्ड मिलें। रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी मुद्दों को स्पष्ट किया और कहा कि केवल अपात्र गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड ही वापस लिए जाएंगे और पात्र कार्डधारकों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा बीपीएल कार्ड रद्द किए जाने का दावा पूरी तरह से गलत है। हम अपात्र व्यक्तियों को जारी किए गए कार्ड वापस लेने की जांच कर रहे हैं।

कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर में पूजा-अर्चना

सभी चुनावों में भारत गठबंधन की जीत होगी: डी के शिवकुमार

कुडापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने विश्वास जताया कि देश भर में होने वाले सभी चुनावों में इंडिया गठबंधन विजयी होगा। गुरुवार सुबह मुरुदेश्वर में एक सम्मेलन के लिए जाने से पहले कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने चुनाव सर्वेक्षणों और सरकारी नीतियों सहित विभिन्न विषयों पर बात की।

विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव सर्वेक्षणों पर टिप्पणी करते हुए शिवकुमार ने कहा कर्नाटक में भी चुनाव सर्वेक्षण किए गए थे, लेकिन नतीजे उलटे निकले। ऐसे सर्वेक्षणों पर भरोसा नहीं किया जा

सकता। इंडिया ब्लॉक हर जगह जीतेगा।

राज्य के उपचुनावों पर शिवकुमार ने कहा हमने ईमानदारी से प्रयास किया है। बाकी सब भगवान के हाथ में है। कोल्लूर मंदिर प्रशासनिक बोर्ड में पदों से वफादार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बाहर रखे जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा हमने चुनाव अभियान के दौरान जो वादा किया था, उसे पूरा किया है। हमने अपना वादा निभाया है। बीपीएल कार्ड रद्द करने के विवाद पर शिवकुमार ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार कर्नाटक के पात्र गरीबों के साथ अन्याय नहीं होने देगी। अगर किसी को बीपीएल कार्ड नहीं मिला है, तो उसे नया कार्ड जारी किया जाएगा। सरकार किसी भी हालत में गरीबों के खिलाफ काम नहीं करेगी। कर्नाटक को नाबार्ड द्वारा दिए जाने वाले ऋण में 58 प्रतिशत की कटौती पर उन्होंने कहा यह निंदनीय है। कर्नाटक को शुरू से ही अन्याय का सामना करना पड़ा है। मुख्यमंत्री नंदिनी दूध के विपणन पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली गए हैं और वित्त मंत्री से इस मामले पर चर्चा की है। नक्सली नेता विक्रम गौड़ा के एनकाउंटर पर शिवकुमार ने कहा पुलिस ने अपना कर्तव्य निभाया है। गृह मंत्री परमेश्वर भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पुलिस हमारी सुरक्षा के लिए है और इस मामले में मुझे और कुछ नहीं कहना है। मत्स्य पालन मंत्री मंकल वैद्य, उडुपी के डिप्टी कमिश्नर डॉ. के विद्याकुमारी, एसपी के अरुण, पूर्व विधायक के गोपाल पुजारी, उडुपी जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष किशन हेगड़े कोलकेबेल, बिंदूर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद पुजारी, वंडसे ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शेट्टी गुडीबेट्टू, कोल्लूर मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बाबू शेट्टी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजू पुजारी, नेता राजेश कारंत और उद्यमी सहाना सुरेंद्र शेट्टी मौजूद थे।

आंतरिक सुरक्षा के डीजीपी प्रणब मोहंती की चेतावनी

नक्सलियों के लिए आत्मसमर्पण ही एकमात्र विकल्प

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आंतरिक सुरक्षा के डीजीपी प्रणब मोहंती ने जंगल में छिपे नक्सलियों को संदेश दिया है कि आपके लिए आत्मसमर्पण ही एकमात्र रास्ता है। प्रणब मोहंती ने उस जगह का दौरा किया जहां नक्सली नेता विक्रम गौड़ा का एनकाउंटर हुआ था और घटना की पूरी जानकारी लेने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने बोलते हुए चेतावनी दी कि अगर जंगलों में नक्सली आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो हमारे पास ऑपरेशन के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

डीजीपी ने निरीक्षण के बाद पीथाबाइल, काबिनले बचप्पु वन क्षेत्रों के पास एएनएफ शिविर का दौरा किया और कुछ निर्देश दिए। डीजीपी के दौरे के बाद हलचल तेज हो गई है। मोस्ट वांटेड नक्सली नेता विक्रम गौड़ा के मुठभेड़ मामले में कब्बीनाले वन क्षेत्र के अंतर्गत पीताबैलू में दस्तावेज जुटाने के लिए बेंगलूरु से विशेषज्ञ फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारी आए हैं और जांच कर रहे हैं।

एफएसएल टीम घटना स्थल पीठाबैल पर सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच कर रही है। एफएसएल टीम विक्रम गौड़ा मुठभेड़

मामले में निश्चित रिकॉर्ड संग्रह और साक्ष्य तुलना के लिए बहुत सारी जानकारी इकट्ठा करने में व्यस्त है। ज्ञातव्य है कि नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) और स्थानीय पुलिस की 20 से अधिक टीमें बुधवार को भी कर्नाटक के तटीय क्षेत्र उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों के पश्चिमी घाट के घने जंगलों में मारे गए माओवादी विक्रम गौड़ा के साथियों की तलाश में जुटी रहीं। खूंखार और मोस्ट वांटेड माओवादी 46 वर्षीय विक्रम गौड़ा को सोमवार शाम राज्य पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस बलों ने क्षेत्र में माओवादियों की गतिविधियों के बारे में जानकारी एकत्र करने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया था। जंगलों और सुनसान इलाकों में तलाशी अभियान के लिए ड्रोन और डॉग स्क्वॉड का इस्तेमाल किया जा रहा है। चिकमंगलूरु जिले के श्रृंगेरी, कोप्पा, मुदिगेरे और कलासा तालुकों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। तटीय क्षेत्र के उडुपी जिले के करकला क्षेत्र में भी तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सूत्रों ने बताया कि जंगलों में अक्सर आने-जाने वाले स्थानीय आदिवासियों से जानकारी जुटाई जा रही है।

बीपीएल कार्ड रद्दीकरण वैज्ञानिक तरीके से नहीं

पैन कार्ड के आधार पर बीपीएल राशन कार्ड रद्द करना अनुचित: विजेयन्द्र

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई कि राज्य की कांग्रेस सरकार पैन कार्ड के आधार पर बीपीएल राशन कार्ड रद्द करने जा रही है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया एक तीर से दो निशाने साध रहे हैं। अचानक 11.5 लाख बीपीएल कार्ड रद्द कर दिए हैं। आने वाले दिनों में 10-15 लाख कार्ड और रद्द किये जायेंगे। पैन कार्ड का मतलब है कि यह रेहड़ी-पटरी वालों के पास भी है। उन्होंने कहा कि इसके बिना कोई कारोबार नहीं होगा। बीपीएल कार्ड रद्द करने में अधिकारियों ने वैज्ञानिक तरीके से काम नहीं किया है। अगर अगले 15-20 दिनों में 20 लाख बीपीएल कार्ड अचानक रद्द कर दिए गए तो मुख्यमंत्री के पास गृहलक्ष्मी योजना के हजारों करोड़ रुपये बच जाएंगे। वहीं उन्होंने आरोप लगाया कि बीपीएल कार्ड पर मिलने वाले 5 किलो चावल का भुगतान भी

नहीं रहेगा। उन्होंने चुनाव के दौरान वादा किया था कि गारंटी देंगे। लेकिन, आज वे गारंटी नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ माताएं बीपीएल कार्ड के लिए रो रही हैं और दूसरी तरफ वक्फ के मुद्दे पर किसानों को परेशान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है। वहीं उन्होंने कहा कि यह मंत्री और मुख्यमंत्री के आदेश पर हो रहा है और जिलाधिकारी शारा लिख रहे हैं। जब से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई है तब से किसानों और सत्ता पक्ष के विधायकों समेत किसी को भी चैन नहीं है। विकास कार्य पूरी तरह ठप हो गये हैं। कोई विकास कार्य नहीं हुआ। बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि सत्ता पक्ष के विधायक कह रहे हैं कि राज्य में अक्षम मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस विधायक खुद कह रहे हैं कि विधायक चुना जाना दुर्भाग्य है। दूसरी ओर, निराश वरिष्ठ विधायक आत्महत्या करने की धमकी दे रहे हैं। अगर आप मुख्यमंत्री को देखेंगे तो आपको दुख होगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार 92.5 प्रतिशत मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केवल शेष 7.5 प्रतिशत ही दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि किस आधार और मापदंड पर गरीबों का बीपीएल कार्ड हटाया गया है। हमें सरकारी अधिकारियों, आयकर दाताओं के नाम रद्द करने पर कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि कंप्यूटर के सामने बैठकर फैसले लेना ठीक नहीं है।

लाओस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा

दक्षिण चीन सागर में आचार संहिता जरूरी

हम भगवान बुद्ध को मानने वाले, शांति और सह अस्तित्व के समर्थक हैं

वियनतियाने, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लाओस में क्षेत्रीय सुरक्षा बैठक में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने सीमा विवाद, व्यापार समझौतों समेत कई मुद्दों आसियान देशों को अहम संदेश दिए। राजनाथ ने कहा कि शांतिपूर्ण वार्ता के लिए सीमा विवाद सुलझाना भारत की प्रतिबद्धता रही है। इस दौरान उन्होंने बौद्ध धर्म का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने हमेशा जटिल वैश्विक मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत की वकालत की है। राजनाथ ने कहा, हम भगवान बुद्ध को मानने वाले, शांति और सह अस्तित्व के समर्थक हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, शांतिपूर्ण वार्ता को लेकर भारत की प्रतिबद्धता रही है। सीमा विवाद, व्यापार समझौते जैसी वैश्विक चुनौतियों को लेकर हमारे दृष्टिकोण में स्पष्ट है। उन्होंने कहा, खुली वार्ता से विश्वास बढ़ता है और स्थायी

साझेदारी की नींव पड़ती है। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत का मानना है कि वैश्विक समस्याओं का दीर्घकालिक हल तभी निकाला जा सकता है, जब देश एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि दुनिया में ध्रुवीकरण बढ़ता जा रहा है, इसलिए समय आ गया है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के भगवान बुद्ध के सिद्धांतों को और ज्यादा गहराई से अपनाया जाए।

दक्षिण चीन सागर के लिए प्रस्तावित आचार संहिता पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति को बढ़ावा देने के लिए नौवहन, उड़ान की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी आचार संहिता देखना चाहेगा, जिससे अलग-अलग देशों के हित पर उल्टा असर न पड़े। रक्षा मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि कोई भी आचार संहिता पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह संहिता अंतरराष्ट्रीय कानून खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून 1982 का पालन करती हो।

आसियान (एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन्स) देशों की यह बैठक चीन के साथ उनके दक्षिण चीन सागर में जारी विवादों के बीच हो रही है। इसे लेकर आसियान में शामिल देश लाओस में चीन से सीधी बात कर रहे हैं।

हालांकि, इस बैठक में आसियान के बाहर के जिन देशों को बुलाया गया है, उनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और जापान शामिल हैं। दक्षिण चीन सागर को लेकर आसियान में शामिल फिलीपींस के अलावा वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई के चीन से विवाद हैं। इन्हीं मुद्दों को उठाने के लिए आसियान के अन्य सदस्य देश, इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, सिंगापुर, लाओस और कंबोडिया साथ आए हैं और बैठक कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लाओस में आयोजित 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष किम योंग ह्यून, अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे. ऑस्टिन-तृतीय और न्यूजीलैंड की समकक्ष जूडिथ कॉलिन्स से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान रक्षा मंत्री सिंह ने दक्षिण कोरियाई समकक्ष के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री के साथ भी बैठक की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावा बैठक में राजनाथ सिंह ने न्यूजीलैंड की रक्षा मंत्री कॉलिन्स के साथ भी रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने रक्षा संबंधों को और बेहतर बनाने पर चर्चा की।

मस्जिद में हुई हिंसा में एक की मौत

हाईकोर्ट ने कहा : दोबारा लड़े तो बंद कर देंगे मस्जिद

कोलकाता, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया है कि वह पूर्वी मिदनापुर की एक मस्जिद को काबू में रखे। पुलिस को आदेश दिया गया है कि वह मस्जिद में आने-जाने वाले नमाजियों पर नजर रखे और इसे नियमित करे। यह आदेश नमाजियों के दो गुटों के बीच में हुई लड़ाई के बाद दिया गया है। इस लड़ाई में एक की मौत हो गई थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने यह आदेश एक याचिका की सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में कहा गया था कि उसके पुराने आदेश की अवहेलना की गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 7 नवंबर, 2024 को आदेश दिया था कि पूर्वी मिदनापुर के एगरा में स्थित एक मस्जिद में दो अलग-अलग नमाजियों के गुटों को अलग-अलग समय पर नमाज पढ़वाई जाए। हालांकि, कोर्ट के आदेश का पालन नहीं हुआ। इसके बाद 13 नवंबर को दोनों गुटों के बीच भारी हिंसा हुई। इस हिंसा में एक नमाजी की मौत हो गई जबकि 8 गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हिंसा के बाद पुलिस ने 3 एफआईआर दर्ज की हैं। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हिंसा के बाद अदालत पहुंचे नमाजियों की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने पुलिस को मस्जिद में नियंत्रण का आदेश दिया।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा, मस्जिद को पुलिस नियंत्रण में ले और यहां किसी की भी एंट्री एगरा पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक की मंजूरी के बगैर नहीं होगी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि उसने यह निर्णय बड़ा सोच समझ कर लिया है।

हाईकोर्ट ने नमाजियों को चेतावनी दी है कि अगर फिर से हिंसा हुई और कोई मरा तो वह मस्जिद में किसी के भी नमाज पढ़ने पर रोक लगा देंगे।

कोर्ट ने कहा कि मजहबी मामले के कारण किसी की भी मौत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से एक मीटिंग करने को भी कहा है।

धरती पर पेड़ों की हर तीन में से एक प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। धरती पर मौजूद पेड़ों की हर तीन में से एक प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है। इससे पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता है। ग्लोबल ट्री असेसमेंट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटेंड स्पीशीज के तहत जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के कॉप-16 शिखर सम्मेलन (कोलंबिया के काली शहर) के दौरान जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, पेड़ों की 16,000 से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। अध्ययन के लिए 47,000 से अधिक प्रजातियों का आकलन किया गया। इस अध्ययन में 1,000 से ज्यादा विशेषज्ञ शामिल थे। अनुमान है कि दुनियाभर में पेड़ों की 58,000 प्रजातियां हैं। रिपोर्ट में पेड़ लगाने के माध्यम से जंगल संरक्षण और पुनर्स्थापना का आह्वान किया गया है, साथ ही प्रजातियों को बचाने के लिए बीज बैंकों और वनस्पति उद्यानों में उनके संरक्षण पर जोर दिया गया है।

47,000 से अधिक पेड़ों की प्रजातियों पर अध्ययन किया गया। इनमें 16,000 से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जंगल तेजी से घट रहे हैं, पेड़ों को लकड़ी के लिए काटा जा रहा है। इसके चलते खेती और मानव विस्तार के लिए जमीन खाली की जा रही है। वहीं, जलवायु परिवर्तन भी सूखा और जंगल की आग जैसी समस्याओं के कारण एक अतिरिक्त खतरे को बढ़ा रहा है। विशेषज्ञ एमिली बीच ने कहा कि लोग खाने, लकड़ी, ईंधन और दवाओं के लिए पेड़ों की अलग-अलग प्रजातियों पर निर्भर करते हैं। पेड़ ऑक्सीजन बनाते हैं। साथ ही वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ताप रोकने वाली गैसों को सोखते हैं। आईयूसीएन की महानिदेशक ग्रेथल एगुइलर ने कहा, पेड़ पृथ्वी पर जीवन बनाए रखने के लिए जरूरी हैं और लाखों लोग अपने जीवन और आजीविका के लिए उन पर निर्भर हैं।

एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया में लगभग 300 अरब पेड़ हैं। विज्ञान पत्रिका नेचर में प्रकाशित इस अध्ययन में अनुमान लगाया गया कि हर साल 15 अरब से अधिक पेड़ काटे जाते हैं और मानव सभ्यता की शुरुआत से पेड़ों की वैश्विक संख्या लगभग आधी हो चुकी है। पेड़ प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा द्वीपों पर सबसे अधिक है, जहां तेजी से शहरी विकास, कृषि का विस्तार और अन्य स्थानों से लाई गई प्रजातियां, कीट और बीमारियां इसके लिए जिम्मेदार हैं। दक्षिण अमेरिका में, जहां दुनिया में सबसे अधिक पेड़ों की विविधता है, 13,668 आकलित प्रजातियों में से 3,356 विलुप्त होने की कगार पर है।

आपा ने दिल्ली में उतारे 11 उम्मीदवार

इनमें से 6 दूसरी पार्टियों से आए हुए नेता

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा से काफी दिन पहले ही उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल फरवरी, 2025 में पूरा हो रहा है। आपा की पहली लिस्ट में 11 उम्मीदवारों का नाम दिया गया है। इस लिस्ट में शामिल कई उम्मीदवार पार्टी में बाहर से आए हैं। कुछ को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक्शन का भी सामना करना पड़ा है। पार्टी की पहली लिस्ट में भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियों से आने वालों को टिकट थमाया गया है।

गुरुवार को जारी की गई आपा की लिस्ट में छतरपुर से ब्रह्म सिंह तंवर, बदरपुर से राम सिंह नेताजी, लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी, सीलमपुर से जुबैर अहमद, सीमापुरी से वीर सिंह धींगन, रोहतास नगर से सरिता सिंह, घोंडा से गौरव शर्मा, विश्वासनगर से दीपक सिंगला, करावल नगर से मनोज त्यागी, किराड़ी से अनिल झा जबकि मटियाला से सुमेश शौक़ीन को आम आदमी पार्टी ने अपना उम्मीदवार घोषित किया गया है। आपा द्वारा घोषित किए गए 11 उम्मीदवारों में से 6

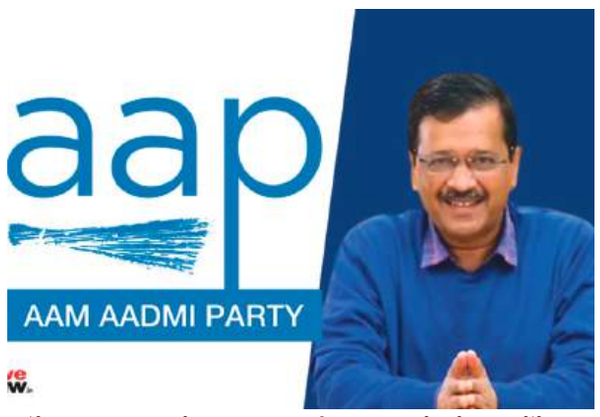

कांग्रेस या भाजपा से आए हुए नेता हैं। उन्होंने हाल ही में आपा की सदस्यता ली है। छतरपुर से उम्मीदवार बनाए गए ब्रह्म सिंह तंवर ने 1 नवंबर, 2024 को ही आपा की सदस्यता ली थी। वह इससे पहले तीन बार भाजपा के विधायक रह चुके थे। वह 1993, 1998 और 2013 में भाजपा के टिकट से चुनाव जीते थे। उनकी सीट के आपा विधायक करतार सिंह तंवर ने भाजपा की सदस्यता ले ली थी। इसके बाद उन्होंने भाजपा छोड़ कर आपा की सदस्यता ले ली। वह 2015 और 2020 में करतार सिंह से हार चुके हैं।

वहीं करतार के अलावा पार्टी ने किराड़ी से अनिल झा को टिकट थमाया है। अनिल झा भी भाजपा से ही 2008 और 2013 में विधायक बने थे। उन्होंने 17 नवंबर को ही पार्टी की सदस्यता ली थी। उन्हें केजरीवाल ने पूर्वांचल के समाज का बड़ा नेता करार दिया था। वह 2015 और 2020 का चुनाव किराड़ी विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर लड़े थे लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें आपा के ही ऋतुराज झा ने हराया था। ऋतुराज झा का भी टिकट काट कर अब अनिल झा को टिकट दिया गया है। इन दोनों के अलावा कांग्रेस के पूर्व विधायक सोमेश शौक़ीन को भी मटियाला से उतारा गया है। सोमेश शौक़ीन ने 18 नवंबर, 2024 को ही पार्टी की सदस्यता ली थी। उन्हें केजरीवाल ने ही पार्टी में शामिल करवाया था। सोमेश शौक़ीन 2008 में मटियाला से कांग्रेस से विधायक बने थे। इसके बाद 2013, 2015 और 2020 का चुनाव वह हार गए थे। उनके आपा की सदस्यता लेते ही टिकट मिल गया है। इस सीट से पार्टी ने अपने विधायक का टिकट काट दिया है।

आपा ने सीलमपुर विधानसभा से जुबैर अहमद को टिकट दिया है। वह भी सीलमपुर से 5 बार कांग्रेस के विधायक रहे मतीन अहमद के बेटे हैं। उन्होंने एक माह पहले ही आपा का दामन थामा था। उनकी पत्नी शगुफ्ता चौधरी कांग्रेस से ही पार्षद थीं। वह भी आपा में शामिल हुई थीं। इनके अलावा वीर सिंह धींगान को सीमापुरी से टिकट दिया गया है। वीर सिंह धींगन को सीमापुरी से उम्मीदवार बनाया गया है। धींगन कांग्रेस से 1998 से 2013 तक कांग्रेस से इस सीट से विधायक रहे हैं। वह 2013, 2015 और 2020 का चुनाव हारे थे। वह भी एकके घेरे में आ चुके हैं। वहीं लक्ष्मी नगर से उम्मीदवार बनाए गए बीबी त्यागी भी नवंबर, 2024 में ही भाजपा छोड़ कर आपा में शामिल हुए थे। बीबी त्यागी लक्ष्मी नगर क्षेत्र से दो बार पार्षद रहे हैं। बीबी त्यागी को अरविन्द केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने पार्टी में शामिल करवाया था। आपा इन सभी बाहरी पार्टी से आए उम्मीदवारों को टिकट देकर निशाने पर आ गई है।

इन सबके अलावा पार्टी ने रोहतास नगर से सरिता सिंह को टिकट दिया है। वह छात्र संगठन की प्रमुख हैं। वह 2015 में आपा से चुनाव जीती थीं लेकिन 2020 में इसी सीट पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उनके साथ ही दीपक सिंगला को भी टिकट दिया गया है। दीपक सिंगला 2020 में चुनाव लड़े थे लेकिन हार गए थे। सिंगला पर मार्च 2024 में ईडी का छापा भी पड़ा था। वह गोवा के इंचार्ज भी हैं। ईडी शराब घोटाले में गोवा के पदाधिकारियों की जांच कर रहा है। आपा ने बदरपुर से राम सिंह नेताजी को टिकट दिया है। 2015 और 2020 में वह चुनाव जीत चुके हैं। घोंडा से आपा ने गौरव शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। 2020 में यह सीट पार्टी नहीं जीत पाई थी। मनोज त्यागी को पार्टी ने करावल नगर सीट से टिकट दिया है। यह सीट भी 2020 में पार्टी के हाथ नहीं लगी थी। आपा की इस चुनावी तैयारी से भाजपा और कांग्रेस पर अब चुनावी तैयारी तेज करने का दबाव पड़ेगा।

जम्मू कश्मीर और लद्दाख में कड़ाके की सर्दी शुरू

स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी फिर उजागर

सुरेश एस डुग्गर / जम्मू, 21 नवंबर। जम्मू कश्मीर के साथ-साथ लद्दाख में भी तापमान में काफी गिरावट आने लगी है। कई क्षेत्रों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है, जो कठोर सर्दियों की शुरुआत का संकेत है। जबकि सर्दियों की शुरुआत और विभिन्न स्थानों पर शून्य से नीचे तापमान दर्ज किए जाने के साथ कश्मीर भर के स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है।

कश्मीर में सबसे ठंडा तापमान शोपियां में माइनस 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद अनंतनाग में माइनस 3.5 डिग्री सेल्सियस और पुलवामा में माइनस 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहलगाम और सोनमर्ग के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में क्रमशः माइनस 3.2 डिग्री सेल्सियस और माइनस 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह, ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग 0.0 डिग्री सेल्सियस पर रहा। इसके अलावा, जम्मू क्षेत्र में तापमान अपेक्षाकृत हल्का रहा, जम्मू शहर में 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, बनिहाल (2.3 डिग्री सेल्सियस) और भद्रवाह (2.5 डिग्री सेल्सियस) जैसे ठंडे क्षेत्रों में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई। इस क्षेत्र में पाडर में सबसे अधिक ठंड माइनस 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई।

लद्दाख में ठंड सबसे अधिक थी। द्रास, जिसे दुनिया के सबसे ठंडे बसे हुए स्थानों में से एक माना जाता है, वहां माइनस -8.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, इसके बाद लेह में माइनस -6.6 डिग्री सेल्सियस और करगिल में माइनस -5.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। विशेष रूप से, जैसे-जैसे तापमान में गिरावट जारी है, निवासियों ने आगे आने वाली कठोर सर्दियों के लिए तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने ठंड से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए विशेष रूप से सुबह और देर शाम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस बीच सर्दियों की शुरुआत और विभिन्न स्थानों पर शून्य से नीचे तापमान दर्ज किए जाने के साथ कश्मीर भर के स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। पिछले कई सालों से जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूल बुनियादी ढांचे की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। यह समस्या कड़ाके की ठंड के दौरान और भी गंभीर हो जाती है और यह भयावह स्थिति इन स्कूलों में साल भर बनी रहती है, जिससे हजारों छात्रों, खासकर किंडरगार्टन और प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों की शिक्षा प्रभावित होती है।

राष्ट्रीय और केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर कई महत्वाकांक्षी शिक्षा सुधारों के बावजूद, इन पहलों की सफलता स्कूलों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के बुनियादी मुद्दे को संबोधित करने में विफल हो जाती है। एक अधिकारी ने कहा कि सुधारात्मक निर्णय लेने के बावजूद, स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। अपर्याप्त सुविधाओं, खासकर प्राथमिक और मध्य-स्तर के स्कूलों में, के कारण कई कक्षाएं एक ही कमरे में ठूंस दी जाती हैं। न केवल स्कूल बल्कि नव-स्थापित कालेज भी अपर्याप्त सुविधाओं से संचालित होते हैं। पिछले साल, एक सरकारी रिपोर्ट में लगभग 5000 स्कूलों, खासकर दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में स्थित स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी को उजागर किया गया था। उच्च शिक्षा क्षेत्र में, सरकारी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 25 नए स्थापित और मौजूदा कालेज बिना इमारतों के हैं।

एलओसी के दर्रों पर बर्फ गिरते ही तलाशी अभियान शुरू

जम्मू, 21 नवंबर (ब्यूरो)। सर्दियों के मौसम के आने और ऊंचाई वाले दर्रों पर बर्फ की चादर बिछने के कारण घुसपैठ विरोधी अभियान को और मजबूत किया गया है तथा कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। सेना ने बताया कि बर्फ गिरने से पहले घुसपैठ की कोशिशें, कठोर सर्दियों के कारण पारंपरिक मार्गों के बंद होने से पहले अनुकूल मौसम की स्थिति के अंतिम चरण का फायदा उठाने की रणनीति का हिस्सा हैं। बर्फबारी से दर्रे बंद होने से पहले उत्तरी कश्मीर में घुसपैठ की गतिविधियां असामान्य रूप से अधिक रहती हैं। ये जानबूझकर, आखिरी समय में की जाने वाली कोशिशें हैं, ताकि बर्फ गिरने से पहले अधिक से अधिक आतंकवादियों को भेजा जा सके। इसके जवाब में सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने एलओसी पर घुसपैठ विरोधी ग्रिड को और कड़ा कर दिया है। अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया गया है, और सीमा पार हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए अत्याधुनिक निगरानी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सर्दियों के मौसम के लिए तैयार हो रहा सोनमर्ग

जम्मू, 21 नवंबर (ब्यूरो)। कश्मीर का प्रसिद्ध पर्यटनस्थल सोनमर्ग सर्दियों के मौसम के लिए तैयार हो रहा है, जिसमें प्रमुख पर्यटन पहलों को प्रमुख सर्दियों के गंतव्य के रूप में अपनी अपील बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। सोनमर्ग विकास प्राधिकरण (एसडीए) शीर्ष स्तरीय शीतकालीन खेल गतिविधियों की तैयारी कर रहा है। सोनमर्ग विकास प्राधिकरण के सीईओ जीएम भट कहते हैं कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई शीतकालीन खेलों का आनंद ले सके और सोनमर्ग की सुंदरता का अनुभव कर सके। पिछले साल सोनमर्ग के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ, क्योंकि पहली बार आइस स्केटिंग की शुरुआत की गई, जिसमें कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। उस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, इस साल की पेशकशों में न केवल आइस स्केटिंग बल्कि ड्रैग स्की लिफ्ट, स्कीइंग और अन्य सर्दियों से संबंधित गतिविधियां भी शामिल होंगी।

सीएम योगी ने देखी द साबरमती रिपोर्ट फिल्म, यूपी में हुई टैक्स-फ्री

देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे चेहरों का पर्दाफाश करना जरूरी: योगी

सीएम योगी फिल्म अभिनेता विक्रांत मैसी भी मौजूद थे

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहुचर्चित फ़िल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी। फिल्म देखने के बाद सीएम योगी ने कहा, मैं द साबरमती रिपोर्ट की पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हर भारतवासी को द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को देखनी चाहिए और गोधरा का सच के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए। सीएम योगी ने फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री करने की घोषणा की।

सीएम योगी ने कहा देश के खिलाफ और सरकारों के खिलाफ राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए समाज में वैमनस्यता पैदा करने के लिए देश में जो कृत्य हुए हैं उसे देश की जनता को जानने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं उन चेहरों को पहचानने के साथ-साथ उनका पर्दाफाश करने की भी आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि फिल्म की टीम ने सत्य उजागर करने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। फिल्म के माध्यम से वास्तविक सच को एक बड़े रूप में देश के सामने लाने का प्रयास किया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि मामला अयोध्या से जुड़ा है, मैं घटना में मारे गए सभी राम भक्तों को श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के साहसिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए लोग इस सत्य को अधिक से अधिक देखें। सीएम योगी ने राज्य सरकार की ओर से द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा की।

इसके पहले सीएम योगी ने लखनऊ के प्लासियो मॉल के सिनेमाहॉल के ऑडी-07 में पूर्वाह्न 11:30 बजे के शो में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन के अधिकारियों के साथ फिल्म देखी। खास मौके पर फ़िल्म के मुख्य अभिनेता विक्रांत मैसी और फ़िल्म यूनिट से जुड़े लोगों की मौजूदगी रही।

द साबरमती रिपोर्ट सत्य घटना पर आधारित एक बनी फिल्म है, जिसका निर्देशन रंजन चांडेल ने किया है। फिल्म में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं।

यह फिल्म साल 2002 में हुई साबरमती एक्सप्रेस की दिल दहला देने वाली घटना से प्रेरित है। एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता हैं। 15 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी तारीफ की है।

सपा और एआईएमआईएम के गुंडों की लड़ाई में यूपी पुलिस पर हमला

मुजफ्फरनगर, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित मीरापुर विधानसभा उपचुनाव में मतदान के दौरान पथराव करने वाले आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने 28 नामजद और 120 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों में 3 महिलाएं भी हैं और ये सभी मुस्लिम समुदाय की हैं। ये सभी समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम से जुड़े हैं। इसके अलावा एआईएमआईएम के प्रत्याशी के बेटे को हिरासत में लिया गया है।

जिन आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है, उनके नाम हैं शेर अली, शाह आलम, दानिश, मट्टू, गुड्डू, जब्बार, शाहनवाज, सावेज, अव्वलीन, सद्दाम, सादाब, औरंगजेब, अंजीम, दीनू, गुलशेर, शाहनजर, जावेद, परवेज, कय्यूम, इनाम, सलमान, सद्दाम-2, अनीस, मौसम, नजर, सुल्ताना बीबी, तोहिदा बीबी और तनजिला बीबी। इन आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 115(2), 121(1), 121(2), 125, 131, 132, 190, 191(2), 191(3), 223, 351(2), 351(3) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा, इन पर आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम (सीअ-रपीसी) की धारा 7 पर लगाया गया है। इसके अलावा, एफआईआर में अज्ञात लोगों को भी शामिल किया गया है।

एफआईआर में कहा गया है कि शेर अली, शाह आलम, दानिश सहित समाजवादी पार्टी से जुड़े 15 आरोपित और एआईएमआईएम से जुड़े दूसरे पक्ष के अजीम, दीनू, गुलशेर सहित 10 आरोपित वोट देने को लेकर आपस में लड़ रहे थे। समाजवादी पक्ष की ओर से 15 आरोपियों के साथ 60-70 अज्ञात लोग थे। वहीं, एआईएमआईएम पक्ष की ओर से 10 आरोपियों के साथ 40-50 अज्ञात लोग थे। पुलिस को इसकी जानकारी मिली तो वो टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। इसके बाद दोनों पक्ष मिलकर पुलिस के साथ गाली-गलौज करने लगे। फिर उन लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया। एफआईआर में कहा गया है कि इन लोगों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। उनके द्वारा किए गए पथराव में थाना प्रभारी सहित कई लोग घायल हो गए।

पथराव के कारण सड़क पर दोनों तरफ का ट्रैफिक जाम हो गया और गाड़ियों में बैठे महिलाएं एवं बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। इसके बाद पुलिस को मजबूर होकर बल करना पड़ा। पुलिस के बल प्रयोग करने के बाद दोनों पक्ष के लोग तितर-बितर हुए और ट्रैफिक जाम हटा।

मीरापुर सीट पर समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी सुम्बुल राणा हैं। वह पूर्व सांसद कादिर राणा की बहू हैं। वहीं, एआईएमआईएम से अरशद राणा हैं। पुलिस ने अरशद राणा के बेटे को हिरासत में ले लिया है। आरोप है कि वो मोबाइल फोन लेकर बूथ के पास जा रहे थे। वहीं, दोनों पक्षों ने पुलिस पर इस तरह हमला किया कि पहले तो पुलिस को जान बचाकर भागनी पड़ी। इसके बाद एसएचओ ने पिस्टल निकाल कर भीड़ को खदेड़ा और कहा, यहां से चली जाओ नहीं तो गोली मार दूंगा। इसकी सूचना मिलते ही एसएसपी भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखि-लेश यादव ने राजनीति करने की कोशिश की।

मुस्लिम शिक्षक ने हिंदू नाबालिग छात्रा से की छेड़खानी, निकाह करने को कहा

अमरोहा, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक मुस्लिम शिक्षक ने इंटर कॉलेज के भीतर एक हिंदू नाबालिग छात्रा पर निकाह करने का दबाव डाला। जाहिद ने उसका धर्मांतरण करवाने की बात कही। उसका हाथ पकड़ कर छेड़खानी की और नाबालिग को 1 लाख रुपए का ऑफर दिया। मुस्लिम शिक्षक ने निकाह की बात न मानने पर फेल करने की धमकी भी दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

अमरोहा के मंडी धनौरा इलाके में राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में गणित पढ़ाने वाले मोहम्मद शाहिद ने नाबालिग हिंदू छात्रा से छेड़छाड़ की। अश्लील हरकत करने के बाद शाहिद ने छात्रा से निकाह करने की बात कही। उसने अपने से कई साल छोटी छात्रा से प्रेम की बात कही। शाहिद संभल जिले का रहने वाला है और कक्षा 9 का क्लास टीचर भी है। शाहिद की इस हरकत को लेकर हिंदू छात्रा ने घर में शिकायत की। शाहिद के इस कृत्य की शिकायत हिंदू छात्रा ने अपने घर पर की।

परिजनों ने इसके बाद कॉलेज के प्रधानाध्यापक को इससे अवगत करवाया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उल्टे शाहिद इसके बाद और भी बदतमीजी पर उतर आया।

शाहिद ने इसके कुछ दिनों के बाद कक्षा के भीतर ही हिंदू छात्रा से दोबारा अश्लील हरकत की। इस बार उसने एक लाख रुपए का ऑफर दिया और निकाह करने का दबाव बनाया। उसने हिंदू छात्रा का धर्मांतरण करवाने की कोशिश की। शाहिद ने छात्रा को डराया भी। उसने धमकी दी कि अगर हिंदू छात्रा उसकी बात नहीं मानती तो उसे वह फेल कर देगा। डरी सहमी हिंदू छात्रा ने यह पूरी घटना अपने घर जाकर बताई। इसके बाद हिंदू छात्रा के परिजन साथ पुलिस के पास पहुंचे। उन्होंने कॉलेज में भी विरोध प्रदर्शन किया। शाहिद ने कॉलेज से भागने का प्रयास किया। हिंदू छात्रा के धर्म परिवर्तन की बात सुनकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी कॉलेज पहुंचे और शाहिद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शाहिद को गिरफ्तार कर लिया है। शाहिद के खिलाफ पॉक्सो समेत कई धार-ाओं में मामला दर्ज किया गया है। उसे कॉलेज प्रबन्धन ने भी निलंबित कर दिया है।

यूपी में चाइनीज लहसुन की तस्करी पर लगेगी लगाम

योगी सरकार दे रही लहसुन की खेती को बढ़ावा

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

देसी लहसुन का उत्पादन बढ़ेगा। मांग और आपूर्ति में संतुलन रहने पर कीमतें काबू में रहेंगी। ऐसे में चीन से जरिए तस्करी आने वाले लहसुन की इंट्री अपने आप बंद हो जाएगी। चूंकि भारत लहसुन का निर्यात भी करता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के किसानों को भी निर्यात की संभावनाओं का लाभ मिलेगा। योगी सरकार इसके लिए प्रदेश में वैश्विक स्तर की बुनियादी संरचना (एक्सप्रेस वेज) तैयार कर चुकी है। साथ ही जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ही सरकार किसानों और बागवानों के हित में एक्सपोर्ट हब की भी स्थापना कर रही है।

उल्लेखनीय है कि प्याज और लहसुन एक दूसरे के पूरक हैं। भोजन की लज्जत बढ़ाने में दोनों का समान रूप से महत्व है। रही औषधीय गुणों की बात तो लहसुन, प्याज पर भारी पड़ता है। बावजूद इसके प्याज की तुलना में लहसुन को सुर्खियां कम मिलती

हैं। अलबत्ता देसी लहसुन की कीमतों के आसमान छूने पर चा-इनीज लहसुन की तस्करी पर इसे थोड़ी सुर्खियां मिल जाती हैं। इस साल ही लहसुन 400 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड भाव पर बिका। लहसुन की महंगाई की वजह से आम आदमी की भोजन की लज्जत प्रभावित न हो इसके लिए योगी सरकार एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत विशेष योजना के तहत लहसुन की खेती को बढ़ावा दे रही है।

योजना के तहत प्रदेश में प्रति हेक्टेयर 30,000 रुपए की अनुमान्य इकाई लागत तय की गई है। इसमें किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिकतम 12,000 रुपए (40 फीसद)का अनुदान दिया जाएगा। योजना के तहत करीब 10,000 हेक्टेयर अतिरिक्त रकबे पर किसानों को लहसुन की खेती को विस्तार देना है। किसी भी फसल की उत्पादकता में गुणवत्तापूर्ण बीज का योगदान करीब 25 फीसद होता है। इसीलिए सरकार ने फैसला लिया है कि किसानों को बीज राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, (नई दिल्ली)द्वारा किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। एक किसान न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर और अधिकतम 4.0 हेक्टेयर तक लहसुन की खेती पर योजना का लाभ ले सकता है। बीज की कीमत 370 से 390 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच रखी गई है।

किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक किसानों को अपने जनपद के जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में संपर्क करना होगा। इसके साथ ही, किसान योजना में पंजीकरण करने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। परंपरागत रूप में उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर लहसुन की खेती मध्य प्रदेश और राजस्थान से लगे कुछ जिलों में होती है। सरकार ने इसे विस्तार देते हुए 45 जिलों को खेती के लिए चुना है। इन जिलों में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, कानपुर, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, उन्नाव, सीता-पुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलिया, कुशीनगर, महराजगंज, बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, गोरखपुर, झांसी, अयोध्या एवं फर्रूखाबाद शामिल हैं।

लहसुन की खेती की संभावन-ाओं के मद्देनजर किसानों में इसकी खेती के प्रति रुचि है। पिछले 25 वर्षों में इसके उत्पादन में करीब चार गुना (2.1 लाख टन से 68.34 लाख टन) वृद्धि इसका प्रमाण है। भारत, लहसुन का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश भी है। मुख्य रूप से इंडोनेशिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, वियतनाम, मलेशिया, और ब्राज़ील आदि देशों को भारत लहसुन निर्यात करता है। साल 2023-2024 में भारत ने 56,823 मीट्रिक टन लहसुन का निर्यात किया था, जिसका मूल्य 27.96 बिलियन डॉलर था। यह पहली बार था जब भारत ने लहसुन का निर्यात 50,000 टन के आंकड़े को पार किया।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में नियुक्त किए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट

प्रयागराज, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। सीएम योगी के दिव्य भव्य महाकुंभ की योजना के मुताबिक महाकुंभ नगरी ने संगम तट पर आकार लेना शुरू कर दिया है। महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और साधु-संन्यासियों के रहने और स्नान के लिए घाटों, अस्थाई सड़कों व टेंट सिटी का निर्माण शुरू हो गया है। प्रयागराज मेला प्रधिकरण ने योजना के मुताबिक पूरे मेला क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा हैं।

सेक्टर और कार्य के मुताबिक सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति कर दी गई है। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने सेक्टर में भूमि अधिग्रहण से लेकर प्रशासन

व्यवस्था के लिए जिम्मेदार रहेंगे। महाकुंभ के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट आम जनता और प्रशासन के बीच कड़ी का कार्य करेंगे।

महाकुंभ 2025 में लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और लगभग 1 लाख से अधिक लोगों के कल्पवास करने की संभावना है। इसके साथ ही हजारों की संख्या में साधु-संन्यासियों और मेला प्रशासन के लोग महाकुंभ के दौरान मेला क्षेत्र में रहेंगे। इन सबके रहने के लिए टेंट सिटी व स्नान के लिए घाटों और मार्गों का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। पूर्व योजना के मुताबिक प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने पूरे महाकुंभ क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा है। 4000 हेक्टेयर और 25 सेक्टरों में बंटा महाकुंभ मेला क्षेत्र इससे पहले के किसी भी महाकुंभ मेले से सबसे बड़ा क्षेत्र है। मेला प्राधिकरण ने प्रत्येक सेक्टर में भूमि अधिग्रहण से लेकर प्रशासन व्यवस्था और विभागीय समन्वय के लिए उप जिलाधिकारियों को सेक्टर मजिस्ट्रेट के तौर पर नियुक्ति किया है। ये सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरे महाकुंभ के दौरान अपने-अपने सेक्टर, कार्य विभाग और विभागीय समन्वयन का कार्य करेंगे।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सेक्टर वाईज सेक्टर मजिस्ट्रेट की लिस्ट जारी कर दी है। इस सबंध में एसडीएम मेला अभिनव पाठक ने बताया कि अधिकांश सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। शेष अपनी विभागीय जिम्मेदारियों से मुक्त होकर जल्द ही मेला क्षेत्र में अपना कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। जो कि महाकुंभ के दौरान अपने-अपने सेक्टर की प्रशासन व्यवस्था व विभागीय समन्वयन का कार्य करेंगे। प्रत्येक सेक्टर में भूमि आवंटन की प्रगति और लोगों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण में ये सेक्टर मजिस्ट्रेट मददगार होंगे।

यूपी सिपाही भर्ती परीक्षा की कटऑफ जारी, 174316 अभ्यर्थी पास

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए अगस्त माह में आयोजित लिखित परीक्षा की कट ऑफ लिस्ट उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने बृहस्पतिवार को जारी कर दी। बोर्ड कट ऑफ लिस्ट में वरिष्ठता के आधार पर ढाई गुना अभ्यर्थियों (1,74,316) को चयनित करके दिसंबर के तीसरे सप्ताह में दस्ता-वेजों का परीक्षण और शारीरिक मानक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

दस्तावेजों का परीक्षण और शारीरिक मानक परीक्षा में अर्ह (उत्तीर्ण) अभ्यर्थियों को जनवरी माह के तीसरे सप्ताह में शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। इससे संबंधित सूचनाएं बोर्ड द्वारा जल्द जारी की जाएंगी। बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक अभ्यर्थियों के अंकों का संपूर्ण विवरण भर्ती प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद प्रकाशित किया जाएगा।

बोर्ड ने बीते दिनों आंसर-की जारी करते हुए अभ्यर्थियों से आपत्तियां आमंत्रित की थीं। आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद कट ऑफ लिस्ट जारी की गई है।

इसमें समान कट ऑफ अंक पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को दस्तावेजों के परीक्षण और शारीरिक मानक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। परीक्षा का आयोजन अगस्त के महीने में 23, 24 और 25 तथा 30 और 31 अगस्त को किया गया था।

संपादकीय

शतायु जिंदगी के संकल्प

जब देश में हर अट्ठारह नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया तो इसका मकसद दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। जो प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य भी है। वर्ष 2018 में इस दिन की घोषणा करके आयुष मंत्रालय ने इस विश्व प्रसिद्ध वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों और गतिविधियों के जरिये प्राकृतिक स्वास्थ्य को ठीक करने का राष्ट्रव्यापी संकल्प लिया। जिसका मकसद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान व जागरूकता का प्रसार करना था। भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत् और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते। शरीर की कोशिकाएं हर क्षण बदलती रहती हैं। शरीर बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढालता चलता है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा भी कायाकल्प की प्रक्रिया को धीरे-धीरे अंजाम देती है। आमतौर पर माना जाता है कि प्राकृतिक दिनचर्या के दौरान उपचार में 45 दिन का समय लगता है। लेकिन अब भागमभाग की जिंदगी में इसे एक सप्ताह तक सीमित कर दिया जाता है। निस्संदेह प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया में समय लगता है, जिसके लिये रोगी को धैर्य की जरूरत होती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों व महापुरुषों की वाणी में प्रकृति के महत्व को देखा जा सकता है। गुरु नानकदेव जी की वाणी का प्राकृतिक जीवन के बारे में गुरबाणी में उल्लेख है- 'पवण गुरु पाणी माता धरति महतु।' यानी पवन हमारे गुरु हैं। यदि हवा प्रदूषित हो जाए तो जीवन पर संकट पैदा हो जाएगा। शुद्ध वायु में ही जीवन है। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करते हैं तो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं। दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र से निकलने के बाद व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में कई रोग पैदा हो जाते हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। खतरा तो आर.ओ. का पानी भी है, जो हमारी बोन डेंसिटी कम करता है। दरअसल, आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। दरअसल, प्रकृति साधना की चीज है। आज इसे हमने साधन बना दिया है। साधना से दूर होते लोग शारीरिक असंतुलन के शिकार होते हैं। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें।

भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत् और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते।

घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

उमेश चतुर्वेदी

मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया।

चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता। घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत-प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है। चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों,

उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके। चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे। चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था, चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है। - आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है। - अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड-लाइन जारी की थी। इसके अनुसार, - चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा। - संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो। - पारदर्शिता, समान अवसर और वायदों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र में किए गए वादे स्पष्ट हों और इसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, इसकी भी जानकारी हो। मतदाताओं का भरोसा उन्हीं वादों पर हासिल करना चाहिए।

दृष्टि कोण

डोनाल्ड ट्रंप की विजय और भारत

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने

महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा। अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है।

कुछ अलग

परम शक्ति में आस्था

दर्शन शास्त्र में दो विशिष्ट शब्द हैं- 'अस्ति' और 'नास्ति', जिनका अर्थ होता है- 'जो है' और 'जो नहीं है'। 'अस्ति' से आस्तिक बनता है और 'नास्ति' से नास्तिक बनता है। एक कहता है- 'परमात्मा है', तो दूसरा कहता है- 'परमात्मा नहीं है'। उक्त कथन का सीधा-सा तात्पर्य यह है कि 'अस्ति' सकारात्मक भाव है, जबकि दूसरी ओर 'नास्ति' नकारात्मकता को इंगित करता है। जब भी हमारा चिंतन सकारात्मक होता है, तब हम आस्था, निष्ठा, विश्वास, समर्पण और परहित जैसी भावनाओं से परिपूर्ण होते हैं। दूसरी ओर नकारात्मक सोच होने पर हमारे मन में संदेह, अनास्था, ईर्ष्या, वंचना आदि के भाव-प्रधान हो जाते हैं। 'अस्ति' भाव मन में आ जाए तो हमारा मन सृजनशील हो जाता है और हम 'परम शक्ति' में विश्वास करके यही सोचते हैं :-

'होइहिं सोई जो राम रची राखा।
को करि तरक बढावहिं साखा।'

यानी हमारा मन परमात्मा के प्रति विश्वास और निष्ठा से परिपूर्ण होता है, जबकि 'नास्ति' भाव होने पर यह सोच बिल्कुल उल्टी हो जाती है। तब यक्ष-प्रश्न यह खड़ा होता है कि 'नास्ति' से बचें कैसे? बहुत ही सरल उत्तर यह है कि 'नास्ति' से 'नकार' को निकाल कर उसे 'अस्ति' बना लिया जाए। 'नास्ति' में तो सहज रूप से 'अस्ति' है, जबकि 'अस्ति' में 'नास्ति' हो ही नहीं सकता।

'बदलें अपनी सोच सखे, परहित का हो ध्यान।
नकारात्मक छोड़ कर, सृजन बने पहचान।'

इसी संदर्भ में एक रोचक बोधकथा ऐसी मिली जो सबसे साझी करना जरूरी लगा—

'गंगा के किनारे एक संत रहा करते थे, जो बहुत ही दयालु स्वभाव के थे। संत नित्य भगवान की पूजा-अर्चना करते थे। उस संत के बहुत सारे शिष्य थे, जो उनके सान्निध्य में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। संत जन्म से अंधे थे, लेकिन उसका एक नियम था। वह प्रतिदिन दिन ढल जाने के बाद पहाड़ों पर सैर के लिए जाया करता था। जब भी वह भ्रमण के लिए जाता था, तो हरि का कीर्तन करते हुए जाता और इसी प्रकार वहां से रोज़ लौट आता था। अपने गुरु को प्रतिदिन ऐसा करता देख उसके शिष्य असमंजस में पड़ जाते थे कि अंधे होने के बावजूद वे ऐसा कैसे कर लेते हैं? एक दिन जिज्ञासा के चलते एक शिष्य ने उनसे पूछा, 'बाबा! आप हर रोज इतने ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर सैर के लिए जाते हैं, जहां बहुत गहरी खाइयां होती हैं और आप तो देख भी नहीं सकते। क्या आपको कभी डर नहीं लगता? कहीं आपके पांव कभी डगमगा गये तो? संत पहले थोड़ा मुस्कराए और फिर चले गए। अगले दिन सुबह उन्होंने अपने उसी शिष्य को भ्रमण के लिए साथ चलने को कहा। पहाड़ों पर चढ़ते समय बाबा ने शिष्य से कहा कि यदि कोई गहरी खाई आए तो मुझे बता देना। ऐसे ही वे दोनों चलते रहे और जैसे ही गहरी खाई आयी, शिष्य ने बाबा को इस बारे में बताया और कहा, 'बाबा गहरी खाई आ गयी है।' यह सुनकर बाबा ने शिष्य से कहा, 'अब तुम मुझे इस खाई में धक्का दे दो।' बाबा की यह बात सुनकर शिष्य विस्मित होकर चारों ओर देखने लगा। उसने कहा, 'मैं, भला आपको कैसे धक्का दे सकता हूं। ऐसा कुछ करने की तो मैं सोच भी नहीं सकता। आप तो मेरे गुरु हैं। मैं तो अपने किसी दुश्मन को भी इतनी गहरी खाई में नहीं धकेल सकता।' बाबा ने कहा, 'मैं खुद तुमसे इस खाई में धक्का देने को कह रहा हूं, यह मेरा आदेश है और यदि तुम इस आज्ञा का पालन नहीं करोगे, तो तुम्हें नरक की प्राप्ति होगी।' शिष्य ने कहा, 'मुझे नरक भोगना स्वीकार है बाबा, किन्तु मैं ऐसा बिलकुल नहीं कर सकता।'

देश दुनिया से

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है। गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। 'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है।

आप का नजरिया

मणिपुर के रिसते जख्म

कभी शांतिप्रिय माने जाने वाले मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राज्य में नए सिरे से शुरू हुई अमानवीय हिंसा व आगजनी की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के हालात से निपटने में केंद्र और राज्य सरकार बेबस और उदासीन नजर आते हैं। हाल के दिनों में पनपी गंभीर हिंसा की घटनाएं राज्य नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाती हैं। केंद्र व राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद हिंसा न थमने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। निश्चित रूप से यह गंभीर स्थिति ही है कि दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने तथा हजारों लोगों के विस्थापन के बावजूद संकट का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इन घटनाओं के बाद जनाक्रोश सड़कों पर नजर आ रहा है। राज्य में कई विधायकों के घरों पर हमले व आगजनी की घटनाएं हुई हैं। यहां तक कि साठ सदस्यीय विधानसभा में सात सदस्यों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी ने राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार संकट का समाधान निकालने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि एनपीपी के समर्थन वापस लेने से सरकार को कोई खतरा नहीं हैं क्योंकि सरकार के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, लेकिन घटनाक्रम स्थिति की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। साथ ही घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा को चेताता है कि वह अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य में दो दिन के दौरान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा जरूर की है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और अन्य विधायकों से बैठक करके उन्हें समझाने की कोशिश की है। विपक्ष मणिपुर के बेहद चिंताजनक हालात होने के बावजूद प्रधानमंत्री की अपेक्षित सक्रियता न होने का आरोप संसद से सड़क तक लगाता रहा है। वे आरोप लगाते रहे हैं कि पूरी दुनिया की खैर-खबर लेने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाते। साथ ही उनका आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहा है। सवाल यह भी कि सुरक्षा बलों की निरंतर बढ़ती उपस्थिति के बावजूद स्थितियां नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही हैं। यह भी कि लगातार हिंसा व चौपट होती कानून व्यवस्था के बाद भी कैसे पार्टी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भरोसा जता रही है। उनकी विफलताओं के बावजूद उनको हटाने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। वह भी तब जबकि आक्रोशित जनता पार्टी विधायकों के घरों को आगजनी से निशाना बना रही है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर का यह राज्य संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। मणिपुर की हिंसा बीते साल मई में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद शुरू हुई थी। जिसका राज्य के कुकी व नागा समुदाय ने हिंसक विरोध किया था।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की नए मामले में गिरफ्तारी, कोर्ट में हैं पेशी

रावलपिंडी, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

लगभग सालभर से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में सलाखों के पीछे कैद मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को पुलिस एक अदालत के समक्ष पेश करेगी।

पुलिस अदालत से बर्बरता के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री के रिमांड की मांग करेगी। इमरान को रात को नए मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले बुधवार को उन्हें तोशखाना केस के दूसरे मामले में अदालत से जमानत प्रदान की गई थी।

पुलिस उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थापित आतंकवाद विरोधी अदालत में पेश करेगी। इसी जेल में पीटीआई संस्थापक को कैद में रखा गया है।

पाकिस्तान के इतिहास में अविश्वास मत के माध्यम से अपदस्थ होने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री खान एक साल से अधिक समय से जेल में हैं। उनके साथ-साथ उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी कई मामले दर्ज किए गए हैं।

पीटीआई संस्थापक इमरान खान को न्यू टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया गया है।मामले में आगजनी, कानून प्रवर्तन के खिलाफ प्रतिरोध, संपत्ति को नुकसान और अन्य संबंधित अपराधों के आरोप शामिल हैं।

इस मामले में इमरान खान के खिलाफ आतंकवाद विरोधी धाराएं भी जोड़ी गई हैं। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल एसएसपी (इन्वेस्टिगेशन) के नेतृत्व में एक जांच टीम पीटीआई के संस्थापक इमरान खान से पूछताछ कर रही है। यह घटनाक्रम 20 नवंबर को तोशाखाना-द्वितीय मामले में इमरान खान को जमानत मिलने के बाद हुआ। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने 10 लाख रुपये के दो जमानत बॉन्ड पर इमरान खान को रिहा करने का आदेश दिया था।

न्यूज ब्रीफ

चालबाज है लॉरेंस का भाई - पन्नू की तर्ज पर अमेरिका में बसना चाहता है अनमोल

वाशिंगटन। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल विश्नोई बेहद चालबाज और शातिर बदमाश है। खुद को सुरक्षित करने के लिए अनमोल तरह तरह के दांव चल रहा है। अनमोल ने एक ऐसी पटकथा लिख दी है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां भी हैरान हैं। दावा किया जा रहा है कि अनमोल जानबूझ कर अमेरिका में पकड़ा गया है। उसका इरादा समर्पण कर अमेरिका में आश्रय लेने का है। सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए जाने से पहले ही अनमोल ने अमेरिकी नागरिकता और इमिग्रेशन सेवाओं के माध्यम से शरण के लिए आवेदन किया था। अब उसने कानूनी माध्यमों से शरण की कार्यवाही शुरू कर दी है। ऐसे में अगर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका की नागरिकता दी जाती है तो भारत को तगड़ा झटका लग सकता है। अगर उसे अमेरिका शरण देता है तो फिर वो गुरपतवंत सिंह पन्नू की तर्ज पर अमेरिका में सुरक्षित बैठकर आसानी से भारत में खुल्लम-खुल्ला अपराध कर पाएगा। इसी तर्ज पर गैंगस्टर गोल्डी बरार ने भी शरण के लिए आवेदन किया है। पन्नू इस वक्त अपने खालिस्तान वाले आतंक के एजेंडे को अमेरिका-कनाडा से बैठकर आगे बढ़ा रहा है। अमेरिका पन्नू को एक खालिस्तान समर्थक एक्टिविस्ट मानता है जबकि भारत में वो एक आतंकी है। अनमोल भी अमेरिका में शरण लेकर यही गेम खेलना चाहता है। पिछले सप्ताह हिरासत में लिए गए अनमोल बिश्नोई को अमेरिका के आयोवा के पोट्टावट्टामी काउंटी जेल में रखा गया है। उसने अमेरिकी सरकार के सामने शरण लेने के लिए आवेदन किया है। भारत से अपनी जान का खतरा बताते हुए वो अमेरिका में शरण लेना चाहता है। जेल की वेबसाइट पर अमनोल बिश्नोई नाम के शख्स की गिरफ्तारी की जानकारी उपलब्ध है। जिसमें कहा गया था कि उसके मामले की जांच इमिग्रेशन एंड कस्टम डिपार्टमेंट यानी आईसीई द्वारा की जा रही है।

पाकिस्तान-चीन चलाएंगे सैन्य अभियान, बलूचों को निशाना बनाने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने बलूचों के खिलाफ बड़ा सैन्य अभ्यास चलाने का ऐलान किया है। शहबाज ने कहा कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमले बढ़ रहे हैं। आतंकवादियों के खात्मे के लिए निर्णायक कार्रवाई की जाएगी ताकि पाकिस्तान में शांति और प्रगति को सुनिश्चित किया जा सके। चीन लंबे समय से पाकिस्तान से कहता रहा है कि वह बलूचों और टीटीपी के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाए। पिछले कुछ महीने में बलूचों ने चीन के खिलाफ कई खूनी हमले किए हैं जिसमें कई चीनी इंजीनियर मारे गए हैं। इससे बौखलाए चीन ने सेना भेजने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। चीन के सैनिक अभ्यास के नाम पर अब पाकिस्तान आ रहे हैं। शहबाज शरीफ ने एक बैठक में सुरक्षा हालात पर चर्चा की गई। शहबाज ने आतंकवाद को बड़ी चुनौती बताया और कहा कि आतंकियों को कुचलना देश की स्थिरता के लिए जरूरी है।

रूस की नई परमाणु नीति से डरी दुनिया परमाणु युद्ध का संकट

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश की परमाणु नीति में बदलाव किया है। इस बदलाव से पूरी दुनिया में दहशत का माहौल है। इन बदलावों ने वैश्विक सुरक्षा को लेकर नए सिरे से चिंताएं पैदा कर दी हैं, खास तौर से तब जब यूक्रेन का युद्ध बढ़ता जा रहा है। नए नियमों के अनुसार, किसी भी परमाणु ताकत की ओर से समर्थित देश अगर रूस पर हमला करता है तो इसे उनके देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा। पुतिन की नई परमाणु नीति के मुताबिक रूस पर कोई भी बड़ा हवाई हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। पुतिन ने परमाणु नीति में बदलाव रूस-यूक्रेन युद्ध के 1000वें दिन पर किया था। साथ ही बदलाव ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन को अमेरिका की सप्लाई की हुई मिसाइलों के जरिए रूस में हमला करने की इजाजत दी है। मंगलवार को रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन ने छह अमेरिकी मिसाइलों से उसके ब्रांस्क क्षेत्र में हमला किया है। इस हमले के बाद अब रूस सीधे तौर पर नाटो और अमेरिका के समक्ष खड़ा हो गया है। नई परमाणु नीति के मुताबिक मॉस्को रूस या उसके सहयोगियों के खिलाफ परमाणु और सामूहिक विनाश के अन्य प्रकार के हथियारों के इस्तेमाल के जवाब में न्यूक्लियर हथियार चला सकता है। इसके अलावा उस स्थिति में भी परमाणु हथियार इस्तेमाल हो सकते हैं जहां रूस और बेलारूस के खिलाफ पारंपरिक हथियारों से होने वाले हमले में देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को खतरा हो सकता है।

रूस ने यूक्रेन पर पहली बैलिस्टिक मिसाइल के किया हमला

कीव, 21 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन की वायु सेना ने दावा किया है कि रूस ने गुरुवार सुबह उसके खिलाफ पहली बार अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) से हमला किया। यह हमला यूक्रेन के निप्रो शहर पर किया गया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यूक्रेन की वायुसेना ने टेलीग्राम पर बताया कि आईसीबीएम रूस के अस्त्राखन क्षेत्र से दागी गई थी। हालांकि इसमें मिसाइल के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इस हमले में आठ अन्य मिसाइलें भी शामिल थीं। वायु सेना ने कहा कि देश की वायु रक्षा प्रणाली ने रूस की छह क्रूज मिसाइलों को मार गिराया, जबकि शेष मिसाइलों से कोई खास नुकसान नहीं हुआ।

क्षेत्रीय गवर्नर सर्जी लिसाक ने कहा कि द्निप्रो पर बड़े पैमाने पर हमले से एक औद्योगिक इकाई को नुकसान पहुंचा और शहर में दो स्थानों पर आग लग गई। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। साथ ही उन्होंने इस मामले पर सारे प्रश्न रक्षा मंत्रालय से पूछने को कहा।इससे पहले रूस ने यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी दी थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था कि मॉस्को के संशोधित परमाणु सिद्धांत में इस बात की संभावना शामिल है कि यदि कीव रूस के खिलाफ पश्चिमी मिसाइलों का उपयोग करता है तो मॉस्को की तरफ से परमाणु हमला हो सकता है।पेस्कोव ने मंगलवार को कहा था, यदि संप्रभुता या क्षेत्रीय अखंडता के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है या रूस और बेलारूस गणराज्य के खिलाफ आक्रमण की स्थिति में रूसी संघ को पारंपरिक हथियारों के साथ परमाणु हथियारों का उपयोग करने का अधिकार है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को रूस के संशोधित परमाणु सिद्धांत को मंजूरी देने वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए।

पेस्कोव ने आगे कहा था कि यूक्रेन द्वारा पश्चिमी गैर-परमाणु मिसाइलों के इस्तेमाल को, एक ऐसे हमले के रूप में देखा जाएगा जो एक परमाणु शक्ति संपन्न देश के समर्थन से एक गैर-परमाणु शक्ति वाला देश करेगा। यह स्थिति संभवतः मास्को द्वारा परमाणु हथियारों के उपयोग को उचित ठहराने वाली होगी।प्रवक्ता ने यह भी कहा था कि रूस के संशोधित परमाणु सिद्धांत में यह रेखांकित किया गया है कि किसी परमाणु शक्ति संपन्न देश की भागीदारी या समर्थन से किसी भी गैर-परमाणु शक्ति वाले देश द्वारा रूस के विरुद्ध आक्रमण को एक संयुक्त हमला माना जाएगा।

कौन हैं मैथ्यू व्हिटेकर? जिन्हें ट्रंप बनाएंगे 'नाटो' राजदूत

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह पूर्व कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल मैथ्यू व्हिटेकर को 'उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन' (नाटो) में वाशिंगटन का राजदूत नियुक्त करेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 'आयोवा राज्य के व्हिटेकर हमारे नाटो सहयोगियों के साथ संबंधों को गहरा करेंगे और शांति एवं स्थिरता के लिए खतरों का सामना करने में मजबूत रहेंगे और वह अमेरिका को सर्वप्रथम रखेंगे।' व्हिटेकर ने नवंबर 2018 और फरवरी 2019 के बीच पहले ट्रंप प्रशासन के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया था। इसके अलावा व्हिटेकर आयोवा के दक्षिणी जिले के पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी भी हैं और आयोवा विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। व्हिटेकर का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन में युद्ध को लेकर नया घटनाक्रम सामने आया है। दरअसल, हाल ही में निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा यूक्रेन को लंबी दूरी की अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल रूसी क्षेत्र के अंदर करने की अनुमति दी है।

त्रूदो सरकार ने फिर उगला जहर, भारत ने भी सुनाई खरी-खरी

ओटावा, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और उनकी सरकार लगातार भारत को बदनाम करने में लगी है। खालिस्तान प्रेम में जस्टिन ट्रूडो भारत-कनाडा रिश्तों ग्रहण लगा रहे हैं। इस बीच कनाडा ने भारत के खिलाफ एक और जहर उगला है। कनाडाई मीडिया ने अपनी खबर में दावा किया है कि पीएम मोदी को खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश की जानकारी थी।

इस पर ही भारत ने कड़ा विरोध जताया है और कनाडाई मीडिया की खबर को बदनाम करने वाला अभियान करार दिया। साथ ही उस मीडिया रिपोर्ट की कड़ी भर्त्सना की। एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से दी गई इस खबर का जिक्र करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऐसे 'हास्यास्पद बयानों' को उसी तरह से खारिज किया जाना चाहिए जिसके वे हकदार हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'हम आम तौर पर मीडिया रिपोर्ट्स पर टिप्पणी नहीं करते हैं। हालांकि, कनाडा सरकार के एक सूत्र के हवाले से एक अखबार में दिए गए इस तरह के बेतुके बयानों को उसी अवमानना के साथ खारिज कर देना चाहिए, जिसके वे हकदार हैं। इस तरह के दुष्प्रचार अभियान हमारे पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और नुकसान पहुंचाते हैं।'बता दें कि जून 2023 में हुई आतंकी निज्जर की मौत भारत और कनाडा के बीच राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने निज्जर की हत्या के लिए भारत पर आरोप लगाया है। लेकिन वो कोई ठोस सबूत नहीं दे पाए हैं। भारत इन आरोपों को सिरे से खारिज करता रहा है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ट्रंप ने जिसका सिर मुंडवा दिया था उसकी पत्नी को बनाया मंत्री

वॉशिंगटन, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव जीत चुके डोनाल्ड ट्रंप किसी न किसी बहाने चर्चा में रहते हैं। इस बार उनकी चर्चा एक महिला मंत्री को लेकर है जिसकी उन्होंने हाल ही में घोषणा की है। दरअसल, ट्रम्प ने मंगलवार को वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट यानी डब्ल्यूडब्ल्यूई की पूर्व सीईओ लिंडा मैकमोहन को शिक्षा मंत्री बनाने का ऐलान किया। खासबात यह है कि लिंडा मैकमोहन वही महिला हैं, जिनके पति का सिर ट्रंप डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में सबके बीच में मुंडवा चुके हैं। 17 साल पुराने इस वाक्ये के फोटो और वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहे हैं। ट्रम्प ने एक बयान में कहा कि हम शिक्षा को वापस राज्यों में भेजेंगे और लिंडा उन प्रयासों का नेतृत्व करेंगी। उन्हें सरकार में लगभग 4,000 पदों को भरने का काम सौंपा गया है। शिक्षा में मैकमोहन के अनुभव के बारे में, ट्रम्प ने कनेक्टिकट बोर्ड ऑफ एजुकेशन में उनके दो साल के कार्यकाल और एक निजी कैथोलिक स्कूल, सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी में न्यासी बोर्ड में 16 साल के कार्यकाल का हवाला दिया। मैकमोहन ने 2009 में डब्ल्यूडब्ल्यूई छोड़ दिया।

इटली में कैदियों को प्रताड़ित करने के आरोप में 11 जेल गार्ड नजरबंद किए गए

रोम, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

इटली में 40 से ज्यादा जेल गार्ड की जांच के बाद कैदियों के खिलाफ अत्याचार और अधिकार के दुरुपयोग के संदेह में बुधवार को 11 जेल गार्ड को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कैदियों द्वारा जेल के अंदर लगातार दुर्व्यवहार और हिंसा के बारे में शिकायत की जा रही थी। इसके बाद सिसिली क्षेत्र के ट्रैपानी में अभियोजकों ने तीन साल तक चली जांच के उपरांत यह कार्रवाई की।

मामले में कुल 46 जेल अधिकारियों की जांच की जा रही थी। जांचकर्ताओं ने वीडियो फुटेज प्राप्त की, जिसमें कैदियों की शिकायतों की पुष्टि हुई। वीडियो में गार्ड कुछ अलग-थलग सेल में कैदियों को पीटते और उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए दिखाई दे रहे थे।

ट्रैपानी के मुख्य अभियोजक गैब्रिएल पैसी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कैदियों के खिलाफ हिंसा कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। बल्कि जेल के अंदर व्यवस्था सुनिश्चित करने का एक तरीका बन गया।

अगस्त की शुरुआत में, इटली की संसद ने कैदियों के जीवन की स्थितियों में सुधार के लिए एक कानून पारित किया था। इस कानून के तहत कैदियों को अधिक फोन कॉल करने की अनुमति दी गई। साथ ही जेल में जल्दी रिहाई या वैकल्पिक उपाय प्राप्त करने के लिए नियमों को सुव्यवस्थित किया गया था।

न्याय मंत्रालय ने कहा कि जून के अंत तक इटली में 51,234 क्षमता वाले जेलों में 61,480 कैदी थे। नई सुविधाएं बनाने की किसी योजना की अभी तक घोषणा नहीं की गई है।

बच्चों के लिए कब्रिस्तान बन गया है गाजा: यूएन एजेंसी चीफ

गाजा, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन एजेंसी के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने कहा कि गाजा बच्चों के लिए 'कब्रिस्तान' बन गया है। उन्होंने विश्व बाल दिवस (जो हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है) के अवसर पर एक बयान में कहा, वे (बच्चे) मारे जा रहे हैं, घायल हो रहे हैं, पलायन करने को मजबूर हैं, सुरक्षा, शिक्षा और खेल से वंचित हो रहे हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक लाजारिनी ने कहा, उनका बचपन छीन लिया गया है, और वे एक खोई हुई पीढ़ी बनने के कगार पर हैं, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल वर्ष खो दिया है।

नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए यूएन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के चीफ ने कहा कि वेस्ट बैंक के बच्चे लगातार डर और चिंता के साय में जी रहे हैं।

बुधवार को, फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा के लिए इंटरनेशनल एक्शन की अपील की। अपील में उन भयावह मानवीय परिस्थितियों पर प्रकाश डाला गया, जिनका बच्चे सामना कर रहे हैं।फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इस बात पर जोर दिया कि बच्चे इजरायली कार्रवाइयों से सबसे अधिक असुरक्षित और प्रभावित हैं। उन्हें ऐसी भयंकर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके जीवन के अधिकार सहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं।

मंत्रालय ने चेतावनी दी कि गाजा में बच्चों को वास्तविक खतरा है, अनुमान है कि लाखों बच्चे भोजन और स्वच्छ पेयजल की भारी कमी से पीड़ित हैं।

सिडनी में नहीं बंद होंगी रेल सेवाएं, रेल कर्मचारियों की हड़ताल टली

सिडनी, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

रेलकर्मियों की होने वाली हड़ताल टल गई है। इसे लेकर लोगों में व्यापक चिंता थी क्योंकि अगर हड़ताल होती तो सिडनी का रेल नेटवर्क कई दिनों तक पूरी तरह ठप हो जाता।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की सरकार ने गुरुवार की शाम को ऐलान किया कि सरकार का रेल, ट्राम और बस यूनियन (आरटीबीयू) के साथ समझौता हो गया है। यह हड़लात रेल कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले वेतन विवाद की वजह से बुलाई गई थी।

आरटीबीयू की प्रस्तावित हड़ताल के कारण सिडनी का रेल नेटवर्क शुक्रवार से रविवार के बीच पूरी तरह से बंद होने वाला था। कर्मचरी यूनियन की पहले नेटवर्क शटडाउन गुरुवार से रविवार तक करने की योजना थी। लेकिन राज्य सरकार और यूनियन के बीच बातचीत जारी रहने के कारण इसे एक दिन के लिए टाल दिया गया। गुरुवार (21 नवंबर) को राज्य सरकार के साथ बैठक के बाद, आरटीबीयू ने दो सप्ताह के लिए कार्य कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान विवाद के स्थायी समाधान पर बातचीत जारी रहेगी।

इसके बदले में, न्यू साउथ वेल्स सरकार ने इस सप्ताह के अंत में सीमित 24 घंटे रेल सेवाएं चलाने पर सहमति व्यक्त की।

सरकार और यूनियन की बातचीत के दौरान 24 घंटे की रेल सेवा को स्थायी बनाना यूनियन की प्रमुख मांग रही है। लेकिन सरकार ने तर्क दिया है कि ऐसा करने से पूरा नेटवर्क विफल हो सकता है।

एनएसडब्ल्यू के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने गुरुवार को आरटीबीयू के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि उन्हें सिडनी के रेल नेटवर्क में किसी भी व्यवधान से बचने के लिए अगले दो सप्ताह में एक स्थायी समझौता होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, 'अगले दो सप्ताह में न्यू साउथ वेल्स में सरकार और यूनियनों के बीच गहन चर्चा शुरू हो जाएगी, जिसका उद्देश्य सभी पक्षों से मिलकर राज्य में रेल को कवर करने वाली यूनियनों के बीच एक समझौता करना है, जो कई वर्षों तक चलेगा।

साउथ अफ्रीका में एक मां ने किया मासूम बच्चे को बेचने का प्रयास

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीका में एक महिला ने फेसबुक मार्केटप्लेस पर अपने 8 महीने के मासूम बच्चे को बेचने का प्रयास किया। महिला ने काम आर्थिक तंगी के चलते किया। महिला के इस कदम की हर तरफ आलोचना हो रही है। इस महिला ने अपने बच्चे को एक अज्ञात महिला के हाथों सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक महिला ने फेसबुक पर विज्ञापन देकर बच्चे को बेचने की पेशकश की। उसने एक अन्य महिला के साथ नंबरों की अदला-बदली की और दोनों सोशांगुवे प्लाजा में मिले। वहां उसने अपने मासूम को सौंप दिया। सौदा यह था कि खरीदार महिला हर महीने लगभग रुपए 4600 देगी, जब तक कि बेचने वाली महिला आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हो जाती। लेकिन खरीदार ने पैसे नहीं दिए और गायब हो गई। गुआटेंग पुलिस प्रवक्ता कैप्टन टिंट्सवालो के अनुसार, महिला को 19 अक्टूबर को बाल तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 21 अक्टूबर को गा-रंकुवा मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2025 में होगी। गिरफ्तारी के बाद महिला ने अपने कृत्य पर अफसोस जताया। उसने साउथ अफ्रीकी मीडिया से कहा, मैंने हताशा में यह गलती की। मुझे अपने बच्चे की देखभाल करने में मुश्किल हो रही थी। अब मुझे अपने किए पर पछतावा है। मैं अपने बच्चे को वापस पाना चाहती हूं। महिला ने बताया कि वह खरीदार महिला से संपर्क करने की कोशिश कर रही है, जिसने आखिरी बार जोहान्सबर्ग के ऑरेंज फार्म के पास रहने की बात कही थी।

बुमराह ने पर्थ टेस्ट से पहले टीम में शामिल युवाओं की सराहना की, कहा-उनमें बहुत आत्मविश्वास है

पर्थ, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से पहले, भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टीम के युवाओं की उनके आत्मविश्वास के लिए सराहना की और कहा कि इससे ज्यादा खुशी की बात कुछ नहीं है कि वे टीम के लिए कठिन काम करना चाहते हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट शुक्रवार को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगा। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टैली में शीर्ष दो स्थानों पर स्थित दोनों टीमें फाइनल के लिए अपनी संभावनाओं को मजबूत बनाने का लक्ष्य रखेंगी।

भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ अपमानजनक घरेलू झटके के बाद वापसी करना चाहता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर भारत से श्रृंखला हारने की हैट्रिक से बचना चाहेगा।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बुमराह ने टीम के युवाओं, खासकर ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के बारे में कहा, वह काफी सकारात्मक हैं। उनमें बहुत आत्मविश्वास है। ये युवा भ्रमित या भयभीत नहीं हैं। एक लीडर के रूप में, आपको विश्वास है कि वे कठिन काम करना चाहते हैं और इससे ज्यादा खुशी की बात कुछ नहीं है।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में विकेट को लेकर बुमराह ने कहा, हमें यहाँ जो कुछ भी है, उस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हमारे पास इस विकेट के लिए गेंदबाज हैं, जो किसी भी स्थिति में प्रभाव डाल सकते हैं। हम नकारात्मक चीज़ों पर ध्यान केंद्रित नहीं करते। अगर आप यहाँ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपका क्रिकेट का स्तर ऊपर उठ जाएगा।

22 नवंबर को पर्थ में सीरीज़ के पहले मैच के बाद, दूसरा टेस्ट, जिसमें दिन-रात का प्रारूप है, 6 से 10 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में रोशनी के नीचे खेला जाएगा।

इसके बाद तीसरा टेस्ट 14 से 18 दिसंबर ब्रिस्बेन के गाबा पर खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 26 से 30 दिसंबर तक होने वाला पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट, श्रृंखला का चौथा टेस्ट होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

महिला क्रिकेट : अदिमा ने की शानदार गेंदबाजी, पावर प्लेयर्स ने जीता मैच

लखनऊ। महिला क्रिकेट लीग मैच में पावर प्लेयर्स ने ब्रेव ब्लेजर्स को सात रन से हरा दिया। पावर की गेंदबाज अदिमा मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 10 रन देकर तीन विकेट झटके। पावर प्लेयर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 126 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज नित्या यादव ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं चंदा गुप्ता और तनिष्का शून्य पर ही पवेलियन लौट गयीं। अपनी टीम में सबसे अधिक रीधिमा यादव ने 44 रन का योगदान दिया। अंशु तिवारी ने 19 रन बनाये। वहीं खुशी मात्र एक रन बना सकीं। वहीं ब्रेव ब्लेजर्स की टीम 119 रन ही बनाकर पवेलियन लौट गयी और पावर ने सात रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सर्वाधिक सलामी बल्लेबाज संध्या सिंह ने 39 रन बनाये। वहीं ताशु सिंह ने 37 रन का योगदान दिया, जबकि तनु सिंह ने 16 रन बनाये। वहीं इशिता दुबे, खुशबू, मान्या शून्य पर ही पवेलियन लौट गयीं।

वेस्टइंडीज 2024 को जीत के साथ समाप्त करना चाहता है: आंद्रे कोली

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच आंद्रे कोली ने बुधवार को कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

अपनी निराशाजनक घरेलू टेस्ट सीरीज को पीछे छोड़कर साल का अंत जीत के साथ करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज की टीम 22 नवंबर से एंटीगुआ में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से भिड़ने के लिए तैयार है। भले ही यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हो, लेकिन दोनों टीमों के लिए यह सीरीज बहुत मायने नहीं रखती क्योंकि वर्तमान में बांग्लादेश और वेस्टइंडीज क्रमश: 27.50 और 18.52 अंक प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में आठवें और नौवें स्थान पर हैं। हालांकि, मेजबान टीम साल का समापन जीत के साथ करना चाहेगी, जिसमें उनकी एकमात्र टेस्ट सफलता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा हुई सीरीज है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी लय खो दी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करते हुए वे शुरुआती टेस्ट को ड्रा करने में सफल रहे जबकि दूसरे टेस्ट में उन्हें 40 रन से हार का सामना करना पड़ा, जो कोली के अनुसार एक बड़ी निराशा है। कोली ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले मैच से पहले कहा, जीत के साथ साल का अंत करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका सीरीज में हर तरफ से निराशा ही हाथ लगी थी।

सीरी ए 2024-25: जेनोआ के मुख्य कोच नियुक्त हुए पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर पैट्रिक विएरा

रोम। पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर और फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैट्रिक विएरा को जेनोआ का

मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इतालवी सीरी ए टीम ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। जेनोआ इस सीजन की शुरुआत से ही संघर्ष कर रहा है, पूर्व कोच अल्बर्टो गिलार्डिनो के नेतृत्व में 12 राउंड के बाद केवल 10 अंक जुटा पाया, जो कि रिलीगेशन जोन से एक अंक ऊपर था, जिसके कारण ग्रिफ़ोन ने 2006 के विश्व कप विजेता को बाहर का रास्ता दिखाया। कैन्स में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करते हुए, विएरा ने आर्सेनल में जाने से पहले एसी मिलान में एक छोटा कार्यकाल बिताया, जहाँ उन्होंने नौ साल के कार्यकाल में प्रसिद्धि हासिल की। मिडफील्डर ने 2011 में अपने जूते लटकाने से पहले जुवेंटस, इंटर मिलान और मैनचेस्टर सिटी के लिए भी खेला। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, फ्रांसीसी ने मैनचेस्टर सिटी में एक युवा कोच के रूप में भूमिका निभाई। 48 वर्षीय ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी, नाइस, क्रिस्टल पैलेस और स्ट्रासबर्ग के साथ भी काम किया। इतालवी आउटलेट्स के अनुसार, विएरा ने 2026 तक के लिए एक डील साइन की है। जेनोआ की कमान संभालने के बाद विएरा का पहला मैच शनिवार को कैग्लियारी के खिलाफ घरेलू मुकाबला होगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर सलीमा ने कहा-मुझे विश्वास है कि यह जीत अधिक लड़कियों को प्रेरित करेगी

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 का खिताब जीत लिया। फाइनल में चीन पर 1-0 की कड़ी जीत के साथ यह जीत भारत की टूर्नामेंट में तीसरी चैंपियनशिप जीत है। इससे पहले 2016 और 2023 में भी भारत ने जीत दर्ज की थी। इस खिताब के साथ ही भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे सफल टीम के रूप में दक्षिण कोरिया के साथ शामिल हो गया है। दोनों देशों के पास अब तीन-तीन खिताब हैं।

जीत पर भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने राजगीर में मिले अविश्वसनीय समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

सलीमा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, राजगीर में खेलना एक विशेष अनुभव था, खासकर इसलिए क्योंकि यह यहाँ आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट था। दर्शकों की ऊर्जा और प्रोत्साहन बेजोड़ था, और इसने पूरे प्रतियोगिता के दौरान हमें अतिरिक्त बढ़ावा दिया। मुझे सच में विश्वास है कि यह जीत और अधिक युवा लड़कियों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करेगी और भारत में इस खेल को और आगे बढ़ाएगी। हम अपने प्रशंसकों और अपने देश को यह जीत दिलाने में सक्षम होने के लिए रोमांचित हैं।

सलीमा ने भविष्य के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए टीम की आकांक्षाओं को साझा किया, 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, जबकि हम इस जीत का जश्न मना रहे हैं, हमारा ध्यान दीर्घकालिक लक्ष्यों पर बना हुआ है। हम हर दिन कड़ी मेहनत कर रहे हैं, प्रक्रिया पर भरोसा कर रहे हैं और हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए समर्पित हैं। हमारा अंतिम लक्ष्य भारत को और अधिक सम्मान दिलाना और देश को गौरवान्वित करना है।

विशेष रूप से, सलीमा आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में भाग लेंगी, जहाँ महिला टीमें लीग के इतिहास में पहली बार हिस्सा ले रही हैं। सोरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए, उन्होंने अपने गृहनगर रांची में खेलने के बारे में उत्साह व्यक्त किया, जहाँ महिलाओं के अधिकांश एचआईएल मैच आयोजित किए जाएँगे।

22 वर्षीय मिडफील्डर ने कहा, मैं एचआईएल में भाग लेने के लिए बहुत उत्साहित हूँ, और यह और भी खास है क्योंकि महिला टीमें पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। रांची में खेलना एक अवास्तविक अनुभव होगा, यह देखते हुए कि वहाँ के प्रशंसक कितने भावुक हैं। उनकी ऊर्जा मेरे लिए बड़ी प्रेरणा होगी और मैं अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हूं।

भारत ने बिहार बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में गत विजेता के रूप में प्रवेश किया और पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रभुत्व दिखाया। उन्होंने मलेशिया पर 4-0 की शानदार जीत के साथ शुरुआत की, उसके बाद दक्षिण कोरिया के खिलाफ करीबी मुकाबले में 3-2 से जीत हासिल की। उनके ग्रुप-स्टेज अभियान में थाईलैंड को 13-0 से हराना और चीन और जापान पर लगातार 3-0 की जीत भी शामिल थी। सेमीफाइनल में, भारत ने जापान को 2-0 से हराया और फिर एक कड़े मुकाबले में फाइनल में चीन को 1-0 से हराया।

टीम का समग्र प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा, क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में 29 गोल किए और केवल दो खाए, छह मैचों में क्लीन शीट बनाए रखी। इसके अलावा, भारतीय फॉरवर्ड दीपिका 11 गोल के प्रभावशाली स्कोर के साथ टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर बनीं।

अर्जेंटीना विश्व कप में जगह बनाने के करीब पहुंचा चिली की उम्मीदें बरकरार

रियो डी जेनेरियो, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना ने 2026 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं, जबकि चिली ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

ब्यूनस आयर्स में, इंटर मिलान के स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज के दूसरे हाफ में किए गए शानदार वॉली ने अर्जेंटीना को पेरू पर 1-0 से घरेलू जीत दिलाई।

मार्टिनेज ने 55वें मिनट में गतिरोध को तोड़ा जब उन्होंने लियोनेल मेसी के क्रॉस पर एक शानदार गोल किया। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और क्वालीफाइंग अभियान में अपनी आठवीं जीत दर्ज की।

अर्जेंटीना 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि पेरू अब तक सात अंकों के साथ अंतिम स्थान पर है।

मैच के बाद मार्टिनेज ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि हमने साल का अंत सकारात्मक तरीके से और लीडर के रूप में किया है।

27 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, यह व्यक्तिगत रूप से एक शानदार साल रहा है, लेकिन मैं हर दिन बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहता हूं।

इस बीच, चिली ने क्वालीफायर में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और सैंटियागो में वेनेजुएला को 4-2 से हराया। चिली के लिए लुकास सेपेडा ने दो गोल किए और एक और गोल की नींव रखी।

चिली नौ अंकों के साथ ग्रुप में नौवें स्थान पर है, जो आठवें स्थान पर मौजूद वेनेजुएला से तीन अंक पीछे है और सातवें स्थान पर मौजूद बोलीविया से चार अंक पीछे है।

शीर्ष छह टीमें स्वत: ही संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले फुटबॉल के शोपीस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर जाएंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में आगे बढ़ेगी।

आकाश ने की शानदार गेंदबाजी, आशीष नेहरा ने लाइफ केयर को हराया

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के 'बी' डीविजन में आशीष नेहरा क्रिकेट एसोसिएशन ने लाइफ केयर क्रिकेट क्लब को 84 रन से हरा दिया। आशीष नेहरा के गेंदबाज आकाश यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर गेंद डालकर मात्र चार रन देते हुए तीन विकेट झटके। आशीष नेहरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में आठ विकेट खोकर 186 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज विनायक सिंह मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गये। वहीं अभय सिंह और शुभंकर सिंह ने 27-27 रन का योगदान दिया। आकाश यादव ने 25 रन बनाये, जबकि यश नेगी ने अपनी टीम में सर्वाधिक 41 रन बनाये। अमित राज ने 26 रन बनाये। लाइफ केयर क्रिकेट क्लब की टीम 102 रन ही बना सकी और आशीष नेहरा ने 84 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में नवनीत ने सर्वाधिक 24 रन बनाये।

डब्ल्यूटीटी फाइनल्स 2024: पहले दिन ही बाहर हुए चीनी पैडलर्स

किताक्यूशू, जापान, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

जापान के फुकुओका में 2024 विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) फाइनल के पहले दिन बुधवार को चीनी पैडलर्स को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। पुरुषों के एकल वर्ग के मुख्य मुकाबले में लियांग जिंगकुन का सामना जापान के तोमोकाजू हरिमोटो से हुआ। हरिमोटो ने पहला सेट 11-7 से जीता और फिर 11-6 से दूसरा सेट जीतकर अपनी बढ़त को और मजबूत किया।

हालांकि लियांग ने तीसरे सेट में 11-9 से वापसी की, लेकिन हरिमोटो ने चौथे सेट में 12-10 से जीत दर्ज करके अपनी जीत पक्की कर ली।

जीत दर्ज करने के बाद हरिमोटो ने कहा,वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, मुझे पता था कि यह कठिन होगा। शुरुआत में पिछड़ने के बाद, मैंने इसे बिंदु दर बिंदु आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मैं इस खिताब को जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं, खासकर इसलिए क्योंकि यह साल का अंतिम टूर्नामेंट है।

एक अन्य चीनी प्रतियोगी, लिन गाओयुआन को स्लोवेनिया के डार्को जोर्गिक से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका अभियान समय से पहले ही समाप्त हो गया।

महिला एकल में चीन की कियान तियानी और वांग यिदी दोनों आगे बढ़ीं। कियान ने प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज को सीधे सेटों में हराया, जबकि वांग ने चीनी ताइपे की चेंग आई-चिंग को 3-1 से हराया।

लेकिन युगल स्पर्धाओं में भी चीन को बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

पुरुष युगल में चीन के जियांग पेंग और युआन लिसेन क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के पैंग यू एन कोएन/इजाक क्वेक से 0-3 से हार गए।

महिला युगल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त सुन यिंगशा और वांग यिदी को जापान की डिफेंसिव जोड़ी हितोमी सातो और होनोका हाशिमोटो ने 1-3 से हराया, जबकि कोरिया की दुनिया की नंबर 1 जोड़ी शिन यू-बिन और जियोन जी-ही भी जापान की सकुरा योकोई और सतसुकी ओडो से 0-3 से हारकर बाहर हो गई। डब्ल्यूटीटी फाइनल 20 से 24 नवंबर तक चलेगा।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर: पांच मेजबान शहरों में शामिल हुआ दिल्ली

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

मैग्नस कार्लसन के बहुप्रतीक्षित फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर की बुधवार को सिंगापुर में आधिकारिक घोषणा की गई, जिसमें दिल्ली को इसके प्रथम संस्करण के लिए पांच प्रमुख मेजबान शहरों में से एक के रूप में पुष्टि की गई। कार्लसन ने जर्मन उद्यमी जान हेनरिक ब्यूटनर के साथ मिलकर एक्सक्लूसिव टूर लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआत 7-14 फरवरी, 2025 को जर्मनी के वेइसनहाउस में होगी।

यह टूर पाँच देशों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जर्मनी, भारत, फ्रांस (पेरिस), यूएसए (न्यूयॉर्क) और दक्षिण अफ्रीका (केप टाउन) में टूर्नामेंट होंगे। दिल्ली लेग के लिए पुरस्कार राशि 500,000 - 1,000,000 होने की उम्मीद है।

फ़्रीस्टाइल शतरंज क्या है

फ्रीस्टाइल शतरंज, जिसे शतरंज960 के नाम से भी जाना जाता है, 1996 में पूर्व विश्व चैंपियन

बॉबी फ़िशर द्वारा आविष्कार किया गया शतरंज का एक प्रकार है। इसमें यादृच्छिक बैक-रैंक पीस सेटअप की सुविधा है, जो पारंपरिक ओपनिंग थ्योरी पर निर्भरता को समाप्त करता है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने 2019 और 2022 में विश्व चैंपियनशिप आयोजित की थी - वे रैपिड टाइम कंट्रोल में खेली गईं जबकि फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट मानक समय नियंत्रण में खेले जाएंगे। इस प्रारूप के प्रबल समर्थक कार्लसन इसे क्लासिकल शतरंज के लिए एक ताज़ा विकल्प के रूप में देखते हैं।

कार्लसन ने टाटा स्टील शतरंज इंडिया के रैपिड सेक्शन को जीतने के बाद कोलकाता में कहा, मैं फ्रीस्टाइल के भविष्य को लेकर बहुत उत्साहित हूं। शतरंज की बिसात पर बैठकर लंबे समय तक सोचने का विचार ही मुझे बोर नहीं करता - यही कारण नहीं है कि मैं मानक और क्लासिकल शतरंज में इतना दिलचस्पी नहीं रखता। यह वास्तव में खेल के अंदर आने की तैयारी और कठिनाई के बारे में अधिक है।

कार्लसन ने कहा, लेकिन जब आप फ्रीस्टाइल खेलते हैं, तो आपको इसकी गारंटी होती है क्योंकि इसमें कोई ओपनिंग थ्योरी नहीं होती। इसलिए अगले साल हमारे पास बहुत सारे टूर्नामेंट आने वाले हैं। मैं सिंगापुर में फैबियानो कारुआना के साथ एक प्रदर्शनी मैच खेल रहा हूँ, इसलिए उम्मीद है कि यह मजेदार होगा।

कुल मिलाकर, मेरा मानना है कि न केवल मेरे लिए बल्कि अन्य शीर्ष खिलाड़ियों के लिए भी, यह एक ऐसा प्रारूप है जिसे लेकर हर कोई उत्साहित है।

प्रदर्शनी मैच और भविष्य की योजनाएँ

कार्लसन और फैबियानो कारुआना सिंगापुर में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर 2025 को बढ़ावा देने के लिए दो-गेम शतरंज 960 प्रदर्शनी मैच खेलेंगे, जिसमें प्रति गेम 60 मिनट का समय नियंत्रण और प्रति चाल 30 सेकंड की वृद्धि होगी।

निर्माण सामग्री पर 18वां वैश्विक सम्मेलन यशोभूमि में होगा आयोजित

नई दिल्ली,21 नवंबर (एजेंसियां)।

सीमेंट, कंक्रीट और निर्माण सामग्री पर राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद का 18वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 27 से 29 नवंबर, तक नई दिल्ली स्थित यशोभूमि, इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) द्वारका में आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद (एनसीबी) द्वारा किया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 नवंबर को 18वें राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक विशेष सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। गोयल सीमेंट और कंक्रीट क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए एनसीबी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में विश्वभर के विशेषज्ञ और हितधारक, सीमेंट और निर्माण सामग्री क्षेत्र में नवाचारों और स्थिरता पर चर्चा के लिए एक साथ आएंगे। इस सम्मेलन में एक व्यापक कार्यक्रम होगा, जिसमें शिक्षा और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा पैनल चर्चा और मुख्य भाषण के साथ-साथ 220 तकनीकी शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम प्रमुख उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं, इंजीनियरों, शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को एक साथ आने और सीमेंट और निर्माण सामग्री क्षेत्र में सतत विकास और नवाचार की दिशा में मार्ग तैयार करना है।

इस अवसर पर गोयल एनसीबी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार करेंगे प्रदान

न्यूज ब्रीफ

बेलराइज इंडस्ट्रीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,150 करोड़ रुपये जुटाने की है। सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के मुताबिक पांच रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 2150 करोड़ रुपये का नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। कंपनी निर्गम से प्राप्त 1618 करोड़ रुपये की आय का उपयोग कर्ज के भुगतान करने का इरादा रखती है। उल्लेखनीय है कि ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया, वाणिज्यिक वाहनों और कृषि वाहनों के लिए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रणालियों और अन्य इंजीनियरिंग समाधानों की विविध रेंज पेश करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में मेटल चेसिस सिस्टम, पॉलीमर कंपोनेंट, सस्पेंशन सिस्टम, बॉडी-इन-व्हाइट कंपोनेंट और एग्जॉस्ट सिस्टम आदि शामिल हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी बनी रही। एशियाई बाजारों में दबाव के बीच मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार महंगाई के आंकड़े में वृद्धि हो सकती है। इस आशंका की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे। निगेटिव सेंटीमेंट्स के बीच वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.13 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 5,917.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,958.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 43,398.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,085.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,198.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत टूट कर 19,004.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

स्पैम कॉल के खिलाफ शिकायतों में अक्टूबर में आई कमी : ट्राई

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बताया गया कि अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों में अगस्त के मुकाबले 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के मुताबिक, अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों की संख्या 1.51 लाख रही है। सितंबर में यह आंकड़ा 1.63 लाख था। यह अगस्त के मुकाबले 13 प्रतिशत कम था। ट्राई ने 13 अगस्त को निर्देश देकर कहा था कि यदि कोई भी संस्था नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रमोशनल वॉयस कॉल करती पाई गई, तब उस कंपनी को सख्त दंड भुगतना होगा। इसमें सभी टेलीकॉम सर्विसेज का विच्छेदन, दो वर्ष तक के लिए ब्लैक लिस्ट में डालना और ब्लैक लिस्ट में डाले जाने की अवधि के दौरान नए संसाधनों के आवंटन पर प्रतिबंध शामिल है। ट्राई ने 20 अगस्त को निर्देश जारी कर अनिवार्य किया कि 1 नवंबर से प्रेषकों/ प्रमुख संस्थाओं से प्राप्तकर्ताओं तक सभी मैसेज ट्रेसेबल हो। सभी टेलीकॉम कंपनियों ने इसके लिए तकनीकी सॉल्यूशंस को लागू किया है। ट्राई ने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 13,000 से अधिक प्रमुख संस्थाओं (पीई) ने पहले ही संबंधित एक्सेस प्रोवाइडर्स के साथ अपनी चेन पंजीकृत कर ली हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

निशाना अडाणी

...

न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी ब्रायन पीस ने बयान में कहा, प्रतिवादियों ने अरबों डॉलर के अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की एक विस्तृत साजिश रची। विभिन्न कारोबारों से जुड़े अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी, उनके भतीजे एवं अडाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अडाणी और कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रहे विनीत जैन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी, प्रतिभूति धोखाधड़ी साजिश और वायर धोखाधड़ी की साजिश का आरोप लगाया गया है। अडाणी पर अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के एक दीवानी मामले में भी आरोप लगाए गए हैं। अभियोग में सागर और जैन पर संघीय कानून तोड़ने के भी आरोप लगाए गए हैं।

अडाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की ओर से अडाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी के बयान के मुताबिक, सभी आरोप निराधार हैं। अडाणी समूह ने कहा, स्वयं अमेरिकी न्याय विभाग का कहना है कि अभियोग में आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक कि वे दोषी साबित न हो जाएं। मामले में हर संभव कानूनी सहारा लिया जाएगा। बयान के मुताबिक, अडाणी समूह ने हमेशा अपने संचालन के सभी न्यायक्षेत्रों में शासन, पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने हितधारकों, भागीदारों और कर्मचारियों को आश्वस्त करते हैं कि हम एक कानून का पालन करने वाला संगठन हैं, जो सभी कानूनों का पूरी तरह से अनुपालन करता है। प्रवक्ता ने अमेरिकी न्याय विभाग के बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि अभियोग केवल आरोप हैं और जब तक दोष साबित न हो जाए तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाएगा।

अरबपति गौतम अडाणी के समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुरुवार को 60 करोड़ डॉलर का बांड रद्द करने की भी जानकारी शेयर बाजार को दी। कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन पर अमेरिका में कथित रिश्वतखोरी का आरोप लगाने के बाद यह खुलासा किया। अमेरिकी अभियोजकों की ओर से गौतम अडाणी और उनके सहयोगियों पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत देने की योजना में भाग लेने का आरोप लगाने से कुछ घंटे पहले ही फर्म ने अमेरिकी निवेश-ग्रेड बाजार में 20 साल का ग्रीन बांड बेचा था। इस इश्यू को तीन गुना अधिक आवेदन प्राप्त हुए, लेकिन आरोपों के बाद इसे रद्द कर दिया गया है।

इससे पहले, शेयर बाजार (बीएसई व एनएसई) को भेजी गई फाइलिंग में अडाणी समूह की कंपनी अडाणी ग्रीन यानी अडाणी रिन्यूएबल्स ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका के न्याय विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने हमारे बोर्ड के सदस्यों गौतम अडाणी और सागर अडाणी के खिलाफ न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के न्यायालय में एक आपराधिक अभियोग दायर किया है और एक दीवानी शिकायत दर्ज की है। अडाणी समूह ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका के न्याय विभाग ने हमारे बोर्ड के सदस्य विनीत जैन को भी ऐसे आपराधिक अभियोग में शामिल किया है। इन घटनाक्रमों को देखते हुए, हमारी सहायक कंपनियों ने फिलहाल अमेरिकी डॉलर में प्रस्तावित बॉन्ड पेशकशों को फिलहाल नहीं लेने का फैसला किया है।

अडाणी समूह के प्रवक्ता ने बयान में कहा, अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा अडाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं और हम इन्हें खारिज करते हैं। प्रवक्ता ने अमेरिकी न्याय विभाग के बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि अभियोग केवल आरोप हैं और जब तक दोष साबित न हो जाए तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाएगा। अडाणी समूह पर अमेरिकी अभियोजकों की ओर से अधिकारियों पर 250 मिलियन अमरीकी डॉलर की रिश्वत दिए जाने के आरोप लगाने के बाद समूह ने अपनी 60 करोड़ डॉलर की बांड पेशकश रद्द कर दी है।

अमेरिकी अधिकारियों ने कथित साजिश के संबंध में कनाडाई पेंशन फंड सीडीपीक्यू के तीन पूर्व कर्मचारियों पर भी आरोप लगाए हैं। इसमें कहा गया कि उन्होंने ई-मेल डिलीट कर और अमेरिकी सरकार को गलत जानकारी देने के लिए सहमत होकर रिश्वत के मामले की जांच में बाधा डाली। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने वाला सीडीपीक्यू अडाणी समूह की कंपनियों में शेयरधारक है। अडाणी समूह पर ये आरोप उसे फिर से समस्याओं में डाल सकता है। इससे पहले, अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने समूह पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे, जिससे वह अभी उबरा ही था। हिंडनबर्ग ने जनवरी 2023 में शेयरों में हेराफेरी और लेखा के स्तर पर गड़बड़ी करने के आरोप लगाए थे। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बताया था। इन आरोपों के कारण समूह के बाजार मूल्यांकन में 150 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। हालांकि समूह उससे उबर गया और कंपनियों के शेयरों में जो नुकसान हुआ था, उसकी काफी हद तक भरपाई कर ली गयी। अदालत के दस्तावेज के अनुसार, विशेष रूप से 17 मार्च 2023 को या उसके आसपास एफबीआई (संघीय जांच ब्यूरो) के अधिकारियों ने अमेरिका में सागर अडाणी से संपर्क किया और तलाशी वारंट के तहत उनके पास मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अपने कब्जे में ले लिया।

दस्तावेज के अनुसार, साजिश में शामिल रहे कुछ लोग गौतम अडाणी को निजी तौर पर न्यूमैरो उनो और द बिग मैन कोड नामों से बुलाते थे। वहीं उनके भतीजे कथित तौर पर रिश्वत के बारे में विशिष्ट जानकारी पर नजर रखने के लिए अपने सेलफोन का इस्तेमाल करते थे। जिन अन्य लोगों पर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं, उनमें रंजीत गुप्ता और रूपेश अग्रवाल शामिल हैं। ये क्रमशः एज्यूर पावर ग्लोबल के पूर्व सीईओ और पूर्व मुख्य रणनीति एवं वाणिज्यिक अधिकारी हैं। इनके बारे में अधिकारियों ने कहा कि वे कुछ रिश्वत देने के लिए सहमत हुए थे। शिकायत में उन पर संघीय प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी विरोधी प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है और स्थायी रूप से रोक, जुर्माना समेत अन्य प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया है।

अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने बयान में कहा कि कथित साजिश के तहत अडाणी ग्रीन ने अमेरिकी निवेशकों से 17.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए और एज्यूर पावर का शेयर न्यूयॉर्क शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया। इसके साथ ही, न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने अडाणी, सागर अडाणी, सिरिल कैबनेस और अडाणी ग्रीन तथा एज्यूर पावर से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाए हैं। ब्रुकलिन की एक संघीय अदालत में मामला दर्ज किया गया है। इसमें दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं में से एक से जुड़े रिश्वत मामले में विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश के लिए पांच अन्य लोगों पर आरोप लगाए गए हैं।

जिन राज्यों का...

चारों राज्यों में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारें थीं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी के पास वही चंद नाम हैं, वही चंद तरीका है। उन्होंने उसी तरह से फिर भाजपा पर आरोप लगाया है। मुझे याद है कि राफेल को लेकर राहुल गांधी इसी तरह खड़े हुए थे। कोरोना के समय में भी वह इसी तरह प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे। ये राहुल गांधी का तरीका है भारत पर हमला करने का और जो स्ट्रक्चर भारत को बचाते हैं, उन पर हमला करने का। अमेरिका में भारत की कंपनी को लेकर केस चल रहा है। अभी आक्षेप है। हमारा मानना है कि जब कंपनी के केस का विषय है तो कंपनी उस पर बयान जारी करेगी। कानून अपना काम करेगा। बिजली की खरीद और राज्यों की बिजली वितरक कंपनियों (एसडीसी) के साथ जो समझौता है। यह पूरा मामला जुलाई 2021 से फरवरी 2022 के बीच का है। अमेरिकी कोर्ट के केस में जिन चार राज्यों का नाम आता है, उनमें छत्तीसगढ़ की एसडीसी का नाम आता है। तब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की, कांग्रेस की सरकार थी।

दस्तावेजों में आंध्र प्रदेश में सर्वाधिक लेन देन की बात सामने आती है। तब आंध्र प्रदेश में किसकी सरकार थी। भाजपा की नहीं थी। तब वहां वाईएसआर कांग्रेस की सरकार थी। दस्तावेज में तमिलनाडु का नाम आता है। तब वहां कांग्रेस के सहयोगी डीएमके की सरकार थी। ओड़ीशा में तब बीजद की सरकार थी। इन चार राज्यों का नाम अमेरिका में दायर दस्तावेजों में आया है। इन चारों ही राज्यों में भाजपा की नहीं, कांग्रेस और उनके सहयोगियों की सरकारें थीं। संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने आज बार-बार कहा कि मोदी जी की क्रेडिबिलिटी समाप्त हो चुकी है। मोदी जी अडाणी के पीछे खड़े हैं, इसलिए उनकी विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर समाप्त हो चुकी है। राहुल गांधी, मोदी जी की विश्वसनीयता समाप्त करने की चेष्टा और कोशिश कोई पहली बार नहीं कर रहे हैं। 2002 से मोदी जी की विश्वसनीयता को समाप्त करने की कोशिश आप, आपकी माताश्री और आपकी पार्टी लगातार कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, स्ट्रक्चर की बात होती है कि बहुत बड़ा स्ट्रक्चर है, हम स्ट्रक्चर दिखाएंगे। हमें भी पता है आपका स्ट्रक्चर। ये इल्हान उमर (अमेरिकी सांसद) और जॉर्ज सोरोस (अरबपति कारोबारी)। ये जो आपका अंतरराष्ट्रीय स्ट्रक्चर के विषय में हमें भी पता है। आपका जो अंतरराष्ट्रीय स्ट्रक्चर है, वह भारत के मार्केट के ऊपर आघात करना चाहता है। निरंतर आघात करता है। कांग्रेस और गांधी परिवार यह सहन नहीं कर पा रहे कि हम तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। इसलिए ये भारत के मार्केट पर आक्रमण कर रहे हैं। संबित ने शेयर मार्केट के गिरने के पीछे कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, देश के छोटे निवेशक, लगभग ढाई करोड़ छोटे निवेशक, जिन्होंने अपनी पूंजी शेयर मार्केट में लगाई थी, आज उन्हें नुकसान झेलना पड़ा है। लोअर क्लास, लोअर मिडिल क्लास को नुकसान झेलना पड़ा है। इससे पहले भी आपने कई प्रकरणों से मार्केट के ऊपर हमले की कोशिश की है, ताकि मार्केट गिरे और भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो।

दो-बच्चों का...

दो-बच्चे की नीति को कानूनी रूप से चुनौती भी दी गई। पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में भागीदारी से बाहर किए जाने की संवैधानिक वैधता के खिलाफ कई व्यक्तिगत मुकदमे दायर किए गए थे।

कश्मीरी पंडितों की...

ताकि उनकी आजीविका को बनाए रखने में मदद मिल सके। दुकान मालिक कुलदीप किसरू जिनकी दुकान को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें बेहतर सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान करके जीवित रहने में मदद करने के बजाय, इस सरकार ने हमारी दुकानों को बुलडोजर से गिराकर हमारी रोजी-रोटी छीन ली है।

1991 में टिन शेड में अपनी दुकान लगाने वाले एक अन्य दुकानदार जावलाल भट ने कहा कि हम अपने परिवारों को कैसे खिला सकते हैं जब हम पूरी तरह से इन दुकानों से होने वाली कमाई पर निर्भर हैं? हम उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने और न्याय दिलाने अपील करते हैं। एक अन्य दुकानदार जवाहर लाल ने विध्वंस को सरासर गुंडागर्दी बताया। उन्होंने कहा कि दुकानों को तोड़ने के लिए हमें कोई नोटिस नहीं दिया गया। मुथी प्रवासी शिविर के अध्यक्ष अनिल भान ने दुकानों को तोड़ने के समय की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इसे एक और महीने तक इंतजार करना चाहिए था, क्योंकि राहत विभाग पहले से ही शिविर के भीतर उनके लिए दुकानें बना रहा है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को टाला जा सकता था।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने प्रभावित दुकानदारों की एक क्लिप साझा करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने को कहा। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित दुकानदारों के सामने दिल दहला देने वाला दृश्य है, जब वे अपनी ध्वस्त दुकानों के मलबे के पास असहाय खड़े हैं। कथित तौर पर जेडीए ने बिना किसी पूर्व सूचना के इन्हें गिरा दिया। इस कृत्य ने उनके अलगाव और नुकसान की भावना को और गहरा कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता जीएल रैना ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली एनसी-कांग्रेस सरकार की वापसी के तुरंत बाद यह बदला लेने की कार्रवाई प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि जेडीए को इन परिवारों को विकल्प प्रदान करना चाहिए था। सरकार को इस असहाय समुदाय को निशाना बनाना बंद करना चाहिए।

कसाब को भी ...

जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की सदस्यता वाली पीठ ने जम्मू कश्मीर सत्र अदालत के बीते साल सितंबर में दिए एक आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही।

यासीन मलिक फिलहाल तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। साथ ही जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद के अपहरण के मामले में सुनवाई चल रही है, जिसमें मलिक मुख्य आरोपी है। गौरतलब है कि बीते साल जम्मू कश्मीर की सत्र अदालत ने यासीन मलिक को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि यासीन मलिक की कोर्ट में पेशी ऑनलाइन भी नहीं हो सकती क्योंकि जम्मू में इंटरनेट की कनेक्टिविटी बहुत अच्छी नहीं है। अजमल कसाब को भी निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिया गया था और हाईकोर्ट में उसे कानूनी मदद भी दी गई थी।

सीबीआई की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मलिक को जम्मू कश्मीर भेजने को लेकर चिंता जाहिर की। मेहता ने कहा कि यासीन मलिक कश्मीर जाने के लिए तिकड़म भिड़ा रहा है और इसी वजह से उसने मामले में कोई वकील नहीं किया है। मेहता ने अदालत में बताया कि यासीन मलिक कोई आम अपराधी नहीं है। इसके बाद पीठ ने कहा कि वे तिहाड़ जेल में ही यासीन मलिक के मामले की सुनवाई के लिए सत्र अदालत के जज को दिल्ली बुलाने पर विचार सकते हैं, लेकिन उससे पहले मामले में सभी आरोपियों की सुनवाई होनी चाहिए। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई 28 नवंबर के लिए टाल दी है।

29,000 एकड़ जमीन...

प्रदेश के मठ प्रमुखों को इसके खिलाफ आवाज उठाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल का भी समर्थन किया।

वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ और वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में वकील भी सड़क पर उतर आए हैं। मैसूर बार एसोसिएशन के सदस्यों ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन बिल-2024 के समर्थन में रैली निकाली और वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ नारेबाजी की। जिस प्रकार से वक्फ बोर्ड ने राज्य में किसानों की जमीनों पर अपना दावा ठोका है, उसके खिलाफ भी प्रदर्शन किया गया। वक्फ बिल के समर्थन में यह रैली मैसूर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एस लोकेश के नेतृत्व में निकाली गई। लोगों ने आवाज बुलंद की कि केंद्र सरकार किसी भी पार्टी या पक्ष के दबाव को दरकिनार कर वक्फ संशोधन अधिनियम के साथ आगे बढ़े, क्योंकि मौजूदा वक्फ कानून राष्ट्रीय हितों के लिए सही नहीं है।

बार एसोसिएशन के प्रदर्शन में शामिल पूर्व सांसद प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि मैसूर और चामराजनगर जिले की 600 एकड़ जमीन को वक्फ बोर्ड के रूप से अधिसूचित कर लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की तुष्टिकरण की नीतियों के कारण सरकारी जमीनों पर भी वक्फ बोर्ड कब्जा कर रहा है। पूर्व सांसद कहते हैं 1965 की गजट अधिसूचना जारी होने के बाद भी वक्फ बोर्ड अपने मंसूबों में अब तक कामयाब नहीं हो पाया था, लेकिन सिद्धारमैया के सीएम बनने के बाद उसने जमीनों पर दावे करने शुरू कर दिए हैं।

गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड की मनमानियों को कुछ इस तरह से समझा जा सकता है कि वक्फ बोर्ड ने हाल के दिनों में विजयपुर जिले के किसानों की 1500 एकड़ जमीन, बीदर किले के 17 संपत्तियों, गडग जिले में किसान की जमीन और कोडागू व बेंगलुरू में कई संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड दावा कर चुका है। हाल ही में एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केवल विजयपुर जिले में ही वक्फ बोर्ड ने 14,200 एकड़ जमीन पर कब्जा कर रखा है।

ब्रह्म, इंद्र और रवि योग में आज मनाई जाएगी कालभैरव जयंती

काल भैरव पूजा से दूर होती हैं बीमारियां

काल भैरव को भगवान शिव का तीसरा रूद्र अवतार माना जाता है। पुराणों के मुताबिक मार्गशीष महीने के कृष्णपक्ष की अष्टमी के दिन ही भगवान काल भैरव प्रकट हुए थे। इस बार काल भैरव अष्टमी 22 नवंबर को है। इस कृष्णाष्टमी को मध्याह्न काल यानी दोपहर में भगवान शंकर से भैरव रूप की उत्पत्ति हुई थी। भगवान भैरव से काल भी डरता है। इसलिए उन्हें कालभैरव भी कहते हैं। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ब्रह्म योग, इंद्र योग और रवि योग में 22 नवंबर को भैरव अष्टमी मनाई जाएगी। भैरव अष्टमी को देवाधिदेव महादेव के रूद्र रूप काल भैरव की पूजा की जाती है। भैरव अष्टमी का व्रत करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस दिन विधि-विधान के साथ भगवान शिव के रौद्र रूप भगवान भैरव की पूजा करने का विधान है। इस दिन प्रातः व्रत का संकल्प लेकर रात्रि में कालभैरव भगवान की पूजा की जाती है। काल भैरव अष्टमी को कालाष्टमी भी कहा जाता हैं। कालाष्टमी के दिन शिव शंकर के इस रूप भैरव का जन्म हुआ था। भैरव का अर्थ है भय को हरने वाला, इसीलिए ऐसा माना जाता है कि कालाष्टमी के दिन जो भी व्यक्ति कालभैरव की पूजा करने से भय का नाश होता है। कालाष्टमी के दिन भगवान शिव, माता पार्वती और काल भैरव की पूजा करनी चाहिए। विद्वानों का मानना है कि ये पूजा रात में की जाती है।

शिवपुराण के अनुसार इस दिन भगवान शंकर के अंश से काल भैरव की उत्पत्ति हुई थी। अपने अंहाकर में चूर अंधकासुर दैत्य ने भगवान शिव के ऊपर हमला कर दिया था। उसके संहार के लिए भगवान शिव के खून से भैरव की उत्पत्ति हुई। काल भैरव शिव का ही स्वरूप हैं। इनकी आराधना करने से समस्त दुखों व परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है।

भैरव अष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 22 नवंबर को शाम 06:07 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का समापन 23 नवंबर को शाम 07:56 मिनट पर होगा। काल भैरव देव की पूजा निशा काल में होती है। इसलिए 22 नवंबर को कालाष्टमी मनाई जाएगी। इस दिन मासिक कृष्ण जन्माष्टमी भी मनाई जाएगी।

कालाष्टमी पर शुभ योग

इस दिन ब्रह्म योग के साथ ही इंद्र योग का निर्माण होगा। इसके अलावा, रवि योग भी बनेगा। इन योग में भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के शारीरिक और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

शिव-शक्ति की तिथि अष्टमी

अष्टमी पर काल भैरव प्रकट हुए थे। इसलिए इस तिथि को कालाष्टमी कहते हैं। इस तिथि के स्वामी रूद्र होते हैं। साथ ही कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि पर भगवान शिव की पूजा करने की परंपरा है। सालभर में अष्टमी तिथि पर आने वाले सभी तीज-त्योहार देवी से जुड़े होते हैं। इस तिथि पर शिव और शक्ति दोनों का प्रभाव होने से भैरव पूजा और भी खास होती है। इस तिथि पर भय को दूर करने वाले को भैरव कहा जाता है। इसलिए काल भैरव अष्टमी पर पूजा-पाठ करने से नकारात्मकता, भय और अशांति दूर होती है।

दूर होती हैं बीमारियां

भैरव का अर्थ है भय को हरने वाला या भय को जीतने वाला। इसलिए काल भैरव रूप की पूजा करने से मृत्यु और हर तरह के संकट का डर दूर हो जाता है। नारद पुराण में कहा गया है कि काल भैरव की पूजा करने से मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। मनुष्य किसी रोग से लंबे समय से पीड़ित है तो वह बीमारी और अन्य तरह की

तकलीफ दूर होती है। काल भैरव की पूजा पूरे देश में अलग-अलग नाम से और अलग तरह से की जाती है। काल भैरव भगवान शिव की प्रमुख गणों में एक हैं।

दान बहुत शुभ

इस बार काल भैरव अष्टमी शनिवार को है। इसलिए अगहन महीने के चलते इस पर्व पर दो रंग का कंबल दान करना चाहिए। इसे भैरव के साथ शनिदेव भी प्रसन्न होंगे। साथ ही कुंडली में मौजूद राहु-केतु के अशुभ फल में कमी आएगी। पुराणों में बताया गया है कि अगहन महीने में शीत ऋतु होने से ऊनी कपड़ों का दान करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी की भी कृपा मिलती है।

शारीरिक और मानसिक परेशानियां होती हैं दूर

इस पर्व पर कुत्तों को जलेबी और इमरती खिलाने की परंपरा है। ऐसा करने से काल भैरव खुश होते हैं। इस दिन गाय को जौ और गुड़ खिलाने से राहु से होने वाली तकलीफ खत्म होने लगती है। साथ ही इस दिन सरसों का तेल, काले कपड़े, खाने की तली हुई चीजें, घी, जूते-चप्पल, कांसे के बर्तन और जरूरतमंद लोगों से जुड़ी किसी भी चीज का दान करने से शारीरिक और मानसिक परेशानियां दूर होती हैं। जाने-अनजाने में हुए पाप भी खत्म होते हैं।

रात्रि पूजा का है विशेष महत्व

पुराणों के मुताबिक काल भैरव उपासना प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के वक्त या आधी रात में की जाती है। रात्रि जागरण कर भगवान शिव, माता पार्वती एवं भगवान कालभैरव की पूजा का महत्व है। काल भैरव के वाहन काले कुत्ते की भी पूजा होती है। कुत्ते को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। पूजा के समय काल भैरव की कथा भी सुनी या पढ़ी जाती है।

कष्ट एवं डर होता है दूर

ग्रंथों में बताया गया है कि भगवान काल भैरव की पूजा करने वाले का हर डर दूर हो जाता है। उसके हर तरह के कष्ट भी भगवान भैरव हर लेते हैं। काल भैरव भगवान शिव का एक प्रचंड रूप है। शास्त्रों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति काल भैरव जंयती के दिन भगवान काल भैरव की पूजा कर ले तो उसे मनचाही सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। भगवान काल भैरव को तंत्र का देवता भी माना जाता है।

महत्व –भगवान कालभैरव की पूजा करने से साधक को भय से मुक्ति प्राप्त होती है। इनकी पूजा से ग्रह बाधा और शत्रु बाधा से मुक्ति प्राप्त होती है। भगवान कालभैरव के विषय में ग्रंथों में जिक्र मिलता है कि अच्छे कार्य करने वालों के लिए कालभैरभ भगवान का स्वरूप कल्याणकारी हैं और अनैतिक कार्य करने वालों के लिए ये दंडनायक हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भी भगवान भैरव के भक्तों का अहित करता है उसे तीनों लोक में कहीं भी शरण प्राप्त नहीं होती है।

भीषण कष्टों से मिलेगी मुक्ति

श्री कालभैरव भगवान महादेव का अत्यंत ही रौद्र भयाक्रांत वीभत्स विकराल प्रचंड स्वरूप है। श्री कालभैरव जयंती के दिन किसी भी शिव मंदिर में जाकर काल भैरव जी के इन मंत्रों में से किसी भी एक मंत्र का जप करने से भीषण से भीषण कष्टों का नाश होने के साथ मरनासन्न व्यक्ति को भैरव बाबा की कृपा से जीवन दान मिल जाता है।

काल भैरव सिद्ध मंत्र

ॐ कालभैरवाय नमः।
ॐ भयहरणं च भैरव।
ॐ भ्रां कालभैरवाय फट्।
ॐ ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरू कुरू बटुकाय ह्रीं।
ॐ हं षं नं गं कं सं खं महाकाल भैरवाय नमः।

पूजन विधि

अष्टमी तिथि को प्रातः स्नानादि करने के पश्चात व्रत का संकल्प लें। भगवान शिव के समक्ष दीपक जलाएं और पूजन करें। कालभैरव भगवान का पूजन रात्रि में करने का विधान है। शाम को किसी मंदिर में जाएं और भगवान भैरव की प्रतिमा के सामने चौमुखा दीपक जलाएं। अब फूल, इमरती, जलेबी, उड़द, पान नारियल आदि चीजें अर्पित करें। इसके बाद वहीं आसन पर बैठकर कालभैरव भगवान का चालीसा पढ़ना चाहिए। पूजन पूर्ण होने के बाद आरती करें और जानें-अनजाने हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगे। प्रदोष काल या मध्यरात्रि में जरूरतमंद को दोरंगा कंबल दान करें। इस दिन ऊं कालभैरवाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। पूजा के बाद भगवान भैरव को जलेबी या इमरती का भोग लगाएं। इस दिन अलग से इमरती बनाकर कुत्तों को खिलाएं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

भैरव अष्टमी पर इंद्र योग का संयोग, पूजन से होगी उच्चपद की प्राप्ति

अगहन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर 22 नवंबर को भैरव अष्टमी मनाई जाएगी। इस बार भैरव अष्टमी इंद्र योग के महासंयोग में आ रही है। इस योग में भगवान भैरव का पूजन उच्चपद प्रदान करने वाला माना गया है।

इस दृष्टि से इस योग में उज्जैन में विराजित अष्ट महाभैरव का पूजन महाफलदायी रहेगा। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया पौराणिक मान्यता तथा एवं भैरव तंत्र के ग्रंथों में मार्गशीर्ष (अगहन) मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मध्य रात्रि में भगवान महाभैरव के प्राकट्य की मान्यता है।

इस बार भैरव अष्टमी 22 नवंबर शनिवार के दिन इंद्र योग में आ रही है शनिवार का दिन भी भैरव की साधना के लिए उपयुक्त माना जाता है। ऐंद्र योग में विशिष्ट साधना उच्च पद दिलवाती है इस दृष्टि से अष्ट भैरव का पूजन करना चाहिए।

चारों प्रहर की पूजा विशिष्ट फल प्रदान करेगी

साधना तंत्र व भैरव तंत्र में जो मूल उपासक या साधक होते हैं, वह भैरव की अलग-अलग प्रकार से साधना उपासना करते हैं। इसमें वैदिक व तामसी दोनों ही प्रकार की पूजन का उल्लेख है। भैरव मूल रूप से तमोगुण के अधिष्ठात्र हैं, अर्थात तमोगुण का आधिपत्य भैरव के पास है।

यह शिव के अंश है इस दृष्टि से भैरव की रात्रि

काल में की गई साधना विशेष फल प्रदान करती है लेकिन सामान्य भक्त चार प्रहर में भगवान की पूजा अर्चना कर सकते हैं। महाभैरव भक्त की सरल हृदय से की गई प्रार्थना को स्वीकार करते हुए, मनोकामना पूर्ण करते हैं।

स्कंद पुराण में अष्ट भैरव यात्रा का उल्लेख

स्कंद पुराण के अवंती खंड में अष्ट महाभैरव की यात्रा का उल्लेख प्राप्त होता है। पौराणिक मान्यता में भैरव के अलग-अलग प्रकार के नाम का प्राचीन उल्लेख बताया जाता है।

पौराणिक मान्यता में भैरव से संबंधित कथाओं का उल्लेख मिलता है, लेकिन वर्तमान में अष्ट महाभैरव में कालभैरव, विक्रांत भैरव, आनंद भैरव, बटुक भैरव, दंडपाणि भैरव, आताल पाताल भैरव आदि का उल्लेख है।

बालरूप में विराजित हैं आताल पातल भैरव

पौराणिक मान्यता के अनुसार अष्ट महाभैरव में बाल स्वरूप में जिन भैरव की कथा मिलती है, वह सिंहपुरी स्थित आताल पाताल भैरव के रूप में स्थापित हैं। यहां पर अलग-अलग मान्यताओं के चलते नवनाथों का भी आगमन संबंधित कथाओं में प्राप्त होता है।

आगम ग्रंथ में इसका उल्लेख कहीं-कहीं प्राप्त होता है। आताल पाताल भैरव इसलिए भी विशेष है क्योंकि यहां पर विश्व की सबसे बड़ी गाय के गोबर से बने कंडों की होली बनाई जाती है।

काल भैरव जयंती पर राशि अनुसार करें शिव जी का अभिषेक, होगा कल्याण

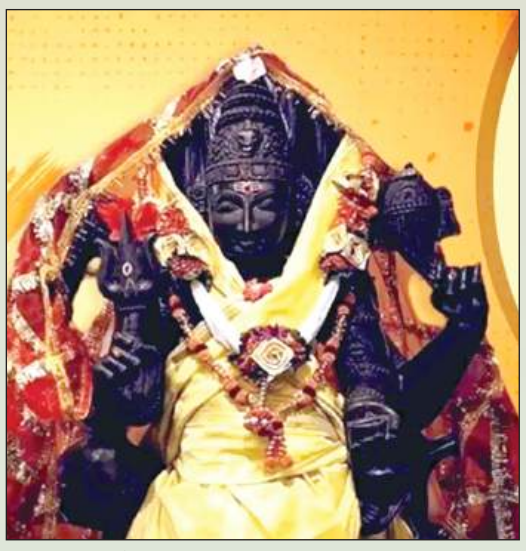

काल भैरव जयंती हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जो पूरी तरह से भगवान काल भैरव की पूजा के लिए समर्पित है। भैरव बाबा भगवान शिव का ही उग्र स्वरूप हैं। इस शुभ दिन पर भक्त उपवास रखते हैं और विभिन्न पूजा अनुष्ठान करके काल भैरव जी का आशीर्वाद लेते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, काल भैरव जयंती मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को हर साल मनाई जाती है। इस साल यह 22 नवंबर, 2024 यानी कल मनाई जाएगी।वहीं, इस तिथि पर भगवान शिव का अभिषेक करना भी बहुत मंगलकारी माना जाता है, तो चलिए जानते हैं कि राशि अनुसार शिव जी का अभिषेक किन चीजों से करना शुभ माना जाता है?

काल भैरव जयंती पर इन चीजों से करें शिव जी का अभिषेक

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को काल भैरव जयंती पर भगवान शिव का गुड़ मिश्रित जल से अभिषेक करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर भोलेनाथ का पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को इस शुभ अवसर शिव जी का दही से अभिषेक करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर भगवान शंकर का गन्ने के रस से अभिषेक करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर देवों के देव महादेव का गाय के दूध से अभिषेक करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को भगवान शंकर का शहद से अभिषेक करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर महादेव का गुड़ मिश्रित जल से अभिषेक करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन भोलेनाथ का कच्चे दूध से अभिषेक करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर भगवान शिव का तिल के तेल से अभिषेक करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस दिन शिव जी का जल में काले तिल मिलाकर अभिषेक करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस दिन भगवान शंकर का गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए।

काल भैरव देव की पूजा के समय करें इन मंत्रों का जप, दूर हो जाएंगे सभी दुख एवं संकट

वैदिक पंचांग के अनुसार, 22 नवंबर को काल भैरव जयंती, मासिक कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी है। काल भैरव जयंती का पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि चिर काल में मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को काल भैरव देव का अवतरण हुआ था। अतः मार्गशीर्ष माह में काल भैरव जयंती मनाई जाती है। धार्मिक मत है कि काल भैरव देव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। अतः साधक श्रद्धा भाव से काल भैरव देव की पूजा करते हैं। अगर आप भी काल भैरव देव की कृपा पाना चाहते हैं, तो कालाष्टमी पर पूजा के समय इन मंत्रों का जप अवश्य करें।

कालाष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 22 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 07 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 23 नवंबर को संध्याकाल 07 बजकर 56 मिनट पर होगा। अत: 22 नवंबर को काल भैरव जयंती मनाई जाएगी। इस शुभ अवसर पर काल भैरव देव की पूजा की जाएगी।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक काल भैरव जयंती पर पूजा के समय 'ॐ ह्रीं भैरवाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

वृषभ राशि के जातक भगवान शिव की पूजा करने के समय 'ॐ ह्रीं क्षत्रियाय नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक काल भैरव देव को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ ह्रीं सिद्धाय नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक भगवान शिव की कृपा पाने के लिए 'ॐ ह्रीं सिद्धिदाय नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक मासिक कालाष्टमी के दिन पूजा के दौरान 'ॐ ह्रीं कवये नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक काल भैरव देव की कृपा पाने के लिए 'ॐ ह्रीं त्रिनेत्राय नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक कालाष्टमी के दिन पूजन के समय 'ॐ ह्रीं क्षेत्रज्ञाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक भगवान शिव की कृपा पाने के लिए 'ॐ ह्रीं भूतपाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

धनु राशि के जातक मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए 'ॐ ह्रीं धनदाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

मकर राशि के जातक संकट दूर करने के लिए 'ॐ ह्रीं अनंताय नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ ह्रीं त्रिलोचननाय नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक कालाष्टमी के दिन शिवजी की पूजा के समय 'ॐ ह्रीं शांताय नमः' मंत्र का जप करें।

मोहनलाल की बैरोज का ट्रेलर आउट

मलयालम फिल्म बैरोज-गार्डियन ऑफ ट्रेजर के मेकर्स ने फिल्म का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मोहनलाल एक फ्रेंडली घोस्ट की भूमिका में हैं। सबसे खास बात यह है कि मोहनलाल ने इसे खुद निर्देशित किया है। ट्रेलर में एक महल के प्रोटेक्टिव भूत के किरदार में मोहनलाल कभी ना देखे गए अवतार में नजर आ रहे हैं।ट्रेलर में दिखाया गया है कि महल में कई दिलचस्प कहानियां हैं और एक खजाना छिपा है जिसे केवल एक लड़की ही निकाल सकती है फिर पता चलता है कि केवल वह लड़की ही भूत को देख सकती है और वह उससे बात भी कर सकती है। बैरोज का ट्रेलर काफी खूबसूरत लग रहा है जो कि 3डी में और भी शानदार लग रहा है और यह आपको डिज्नी की फेयरीटेल दुनिया में ले जाता है। इसमें जादू, ड्रामा, फीलिंग्स और बहुत सारे सीक्रेट्स हैं। साथ ही वह सबकुछ है जो डिज्नी लवर्स को पसंद आए। फिल्म में सारे सीन शानदार है और 3डी में होने की वजह से यह जादुई दुनिया का बेहतरीन एक्सपीरियंस करवाता है।बैरोज-गार्डियन ऑफ ट्रेजर का निर्माण आशीर्वाद सिनेमा के तहत एंटनी पेरुंबवूर ने किया है। जबकि सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है। फिल्म का म्यूजिक लिडियन नादस्वरम ने तैयार किया है और यह 25 दिसंबर को केरल में क्रिसमस के मौके पर बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है। लेकिन फिल्म के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा बल्कि इसमें भी कॉन्ट्रोवर्सी हुई है। अगस्त की शुरुआत में, फिल्म की टीम को जर्मनी के मलयाली लेखक जॉर्ज थुंडीपरम्बिल ने कॉपीराइट का आरोप लगाते हुए कानूनी नोटिस भेजा था। यह कथित तौर पर फिल्म निर्माता जीजो पुन्नूस द्वारा लिखी गई किताब पर आधारित है।अपने कानूनी नोटिस में, जॉर्ज ने आरोप लगाया है कि जीजो की किताब और उनके अपने उपन्यास माया के बीच समानता है। मोहनलाल समेत निर्माताओं ने कभी भी कॉपीराइट के आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

श्रद्धा कपूर ने कहा, अब ग्रीन टी से ब्रेक खत्म

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने बड़े निराले अंदाज में ग्रीन टी से ब्रेक लेने की बात शेयर की है। अहम वजह भी उन्होंने बताई है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर उनकी वैनिटी वैन से थी। दूसरी एक सेल्फी है जो उन्होंने अपनी कार में ली है। एक अन्य तस्वीर में वह जलेबियों से भरे डिब्बे के साथ नजर आ रही हैं। आखिरी में अभिनेत्री मिरर सेल्फी लेती हुई देखी जा सकती हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, लाइट्स उतर गईं, रंगोली मिट गई लेकिन मिठाइयों की कैलोरी अभी भी वही हैं। ग्रीन टी से ब्रेक खत्म। श्रद्धा के लिए मजेदार कैप्शन बनाना कोई नई बात नहीं है। वह अक्सर तस्वीरों के साथ पोस्ट और नोट्स शेयर करती हैं। सबसे हाल ही में 12 नवंबर को उन्होंने चौड़े माथे वाले लोगों के बारे में एक दिलचस्प लेकिन मजेदार बात बताई। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर एक लिफ्ट सेल्फी शेयर की। अभिनेत्री ने ब्लैक पैंट के साथ बेबी पिंक रंग का टर्टल-नेक टॉप पहना है। उन्होंने अपने लुक को एक बढ़िया हाई बन और कुछ ज्वेलरी के साथ पूरा किया। कैप्शन के लिए, उन्होंने लिखा: चौड़े माथे वाले लोग भाग्यशाली होते हैं और विनम्र भी।'' श्रद्धा अपनी फिल्म स्त्री 2 की हालिया सफलता का आनंद ले रही हैं। फिल्म में उनके साथ राजकुमार पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी हैं। 10 नवंबर को श्रद्धा ने बताया था कि उनका रविवार कैसा होने वाला है। उन्होंने शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'बाजीगर' का एक मीम शेयर किया। उन्होंने वीडियो पर लिखा, कृपया मुझे मजेदार मीम्स और रील्स में टैग करें। मैं पूरे दिन करने की योजना बना रही हूं।''

बता दें कि 'बाजीगर' फिल्म इरा लेविन के 1953 के उपन्यास 'ए किस बिफोर डाइंग' और 1991 में इसी नाम की फिल्म के रूपांतरण पर आधारित है। फिल्म एक ऐसे युवक की कहानी कहती है जो अपने परिवार के पतन का बदला लेने लिए दुश्मनों से बदला लेता है। 'बाजीगर' 12 नवंबर 1993 को दीपावली पर रिलीज हुई थी। ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही थी। इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल पहली बार पर्दे पर साथ नजर आए थे।

महिला के संघर्ष को बखूबी बयां करती हैं अवॉर्ड विनिंग क्लासिक फिल्म ढाई आखर आज होगी रिलीज

निर्देशक प्रवीन अरोड़ा की फिल्म ढाई आखर एक क्लासिक लव स्टोरी है, जो एक महिला की अपनी पहचान ढूंढने की कोशिश में किए गए संघर्ष को बखूबी बयान करती है। ये फिल्म 22 नवम्बर को पूरे देश में रिलीज़ होने जा रही है।हिन्दी के वरिष्ठ लेखक अमरीक सिंह दीप के उपन्यास तीर्थाटन के बाद पर आधारित फिल्म ढाई आखर हर्षिता नाम की एक ऐसी महिला की कहानी है, जो वर्षों तक घरेलू हिंसा और अपमानजनक वैवाहिक जीवन का शिकार रही। इसके बाद वो चिट्ठियों के जरिए से एक मशहूर लेखक श्रीधर के करीब आती है, लेकिन विधवा होने के कारण उसका ये प्रेम संबंध पुरुष प्रधान समाज और परिवार को स्वीकार नहीं होता।क्या हर्षिता इससे जुड़ी चुनौतियों का सामना कर पाएगी? श्रीधर के साथ उसके रिश्ते के प्रति परिवार की नफरत का अंत क्या होगा? क्या दोनों का प्यार परवान चढ़ेगा? इन सभी सवालों का भावनात्मक जवाब खोजने की कोशिश है फिल्म ढाई आखर।।फिल्म के निर्देशक प्रवीन अरोड़ा ने इसको लेकर बात करते हुए कहा कि फिल्म ढाई आखर एक प्रेम गीत है। प्रेम किसी के जीवन को बदलने की ताकत रखता है। हिन्दी और मराठी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल कुलकर्णी इस फिल्म में हर्षिता के लीड रोल में नजर आएंगी।जानेमाने अभिनेता हरीश खन्ना और प्रसिद्ध मराठी अभिनेता रोहित कोकाटे ने भी अहम किरदार निभाए हैं। लेखक असगर वजाहत ने इस फिल्म की पटकथा और संवाद लिखे हैं। वहीं फिल्म के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर ब्रज मोहन हैं। फिल्म की शानदार टीम में गीतकार इरशाद कामिल, हिन्दी और बंगाली संगीत निर्देशक अनुपम रॉय और गायिका कविता सेठ शामिल हैं।बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है। कबीर कम्यूनिकेशन्स, आकृति प्रोडक्शंस और एस के जैन जमाई के बैनर तले बनी इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर, प्रतिष्ठित आईएफएफआई गोवा में पिछले सा हुआ, जिसमें इस फिल्म को दर्शकों, आलोचकों और फिल्म इंडस्ट्री की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

चेन्नई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 और देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में भी इस फिल्म की आधिकारिक स्क्रीनिंग हो चुकी है।इसके अलावा कंबोडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में इस फिल्म को स्पेशल जूरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ताशकंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए भी ये फिल्म चयनित हुई है। ढाई आखर जे पी अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत और रिलीज़ की जा रही है और देशभर के सिनेमाघरों में 22 नवम्बर को आगाज के लिए तैयार है।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम-थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं।अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है।उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं।इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी।

जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लडख़ड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया।काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं।उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा ताली: बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी।रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

सत्यदेव स्टारर फिल्म जेबरा आज होगी रिलीज

बहुप्रतीक्षित मल्टी-स्टारर फिल्म ज़ेबरा 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है, जिसमें प्रतिभाशाली अभिनेता सत्य देव और कन्नड़ स्टार दाली धनंजय मुख्य भूमिकाओं में हैं। ईश्वर कार्तिक द्वारा निर्देशित और पद्मजा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और ओल्ड टाउन पिक्चर्स के तहत एसएन रेड्डी, एस पद्मजा, बाला सुंदरम और दिनेश सुंदरम द्वारा निर्मित यह फिल्म दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रही है।रिलीज डेट पोस्टर में सत्य देव और दाली धनंजय को क्रूर अवतार में दिखाया गया है, जो करेंसी नोटों, एक लाइटहाउस और एक फैक्ट्री की पृष्ठभूमि में सेट है। फिल्म का प्रचार चल रहा है, निर्माताओं ने फर्स्ट लुक पोस्टर, मोशन वीडियो और एक अच्छी तरह से प्राप्त टीजर जारी किया है जो कि फिल्म की कहानी को पेश करता है। ज़ेबरा में सत्यराज, सत्य अक्कला, जेनिफर पिकिनाटो, सुनील और प्रिया भवानी शंकर सहित कई प्रभावशाली कलाकार हैं, जिसकी टैगलाइन लक फेवर्स द ब्रेव है।तकनीकी दल में रवि बसरूर संगीत रचना संभाल रहे हैं, सत्या पोनमार छायाकार हैं, और अनिल कृष संपादक हैं। मीराख ने संवाद लिखे, जबकि सुब्बू ने स्टंट का ध्यान रखा और अश्विनी मुलपुरी और गंगाधर बोम्माराजू ने वेशभूषा डिजाइन की। एस श्रीलक्ष्मी रेड्डी सह-निर्माता के रूप में काम करती हैं।अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, ज़ेबरा एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आती है, प्रशंसक निर्माताओं से नियमित अपडेट की उम्मीद कर सकते हैं। 22 नवंबर को रोमांचकारी सवारी देखने के लिए तैयार हो जाइए।

डिजाइनर सूट पहन रकुल प्रीत सिंह ने दिखाई अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन फोटोज में उनकी हुस्न की बेबाक अदाएं देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने पीच कलर का अनारकली सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।खुले बाल, गले में नेकलेस और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

पर्यटन सुविधाओं को विकसित करते हुए राजस्व वृद्धि के कार्यों में लाएं गति : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों का वर्गीकरण करते हुए उच्च प्राथमिकताओं के उन कार्यों को त्वरित निस्तारित करने के निर्देश दिए है जहां पर्यटकों की आवक ज्यादा है और राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि अपेक्षित है।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रभावी ब्रान्डिंग करते हुए पर्यटन स्थलों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक यहां आए। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तथा मेलों उत्सवों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक मार्केटिंग करने पर भी जोर दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 2

राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की हो प्रभावी निगरानी

वर्षों के अन्दर 20 हजार युवाओं एवं लोक-कलाकारों को पारम्परिक कला एंव आतिथ्य संबंधी प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के अधिकारी प्रदेश के प्राचीन स्मारकों और पेनोरमा को अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात स्थित स्मारकों का दौरा कर नवाचार एवं आदर्श गतिविधियों का अनुसरण करें। इससे पर्यटकों का ठहराव होगा और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत से रूबरू कराने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। जिला स्तर पर स्कूली विद्यार्थियों को क्षेत्रीय स्मारकों पर नियमित यात्राएं करवाई जाए। उन्होंने राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बजट में पर्यटन से संबंधित की गई सभी घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर उन्हें समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल्द ही नवीन पर्यटन नीति लाई जाएगी। इससे राज्य में पर्यटन की गति को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में इको, रूरल, हैरिटेज एवं एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास बोर्ड का गठन भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, जैसलमेर में फॉसिल पार्क एवं ओपन रॉक्स म्यूजियम, चित्तौडगढ़ और आमेर में लाइट एण्ड साउण्ड शो का उन्नयन, वैर के सफेद महल, प्रताप फुलवारी एवं किले की मरम्मत एवं सौन्दर्यीकरण, रामगढ़ क्रेटर साइट व सांभर झील क्षेत्र को विकसित करने संबंधी कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने प्रस्तावित कृष्ण गमन पथ एवं जयपुर चारदीवारी के हैरिटेज विकास के लिए 100 करोड़ रुपये से संबंधित कार्ययोजना के बारे में विस्तृत चर्चा भी की। पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन का 5.6 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने बताया कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत पर्यटन विभाग द्वारा एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए बड़ी तादाद में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एएमआर रोकथाम के लिए राजस्थान का एक्शन प्लान लॉन्च

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध की रोकथाम के लिए अंतर्विभागीय समन्वय के साथ प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। इस दिशा में गुरूवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध रोकथाम के लिए राजस्थान का एक्शन प्लान लॉन्च किया गया। यह एक्शन प्लान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि, डेयरी, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा व औषधि नियंत्रण सहित अन्य विभागों एवं जनसहभागिता से लागू किया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि विगत वर्षों में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) जनस्वास्थ्य के प्रति एक बड़ी चुनौती एवं खतरे के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक एवं अनियंत्रित उपयोग होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। साथ ही, पशुओं एवं कृषि में भी दवाओं के अनियंत्रित उपयोग के कारण फूड चेन के माध्यम से भी यह समस्या जटिल रूप ले रही है।

राठौड़ ने कहा कि जीवन के प्रति इस खतरे से बचाव के लिए एक ठोस रणनीति के साथ काम करना होगा। आवश्यक है कि चिकित्सकों द्वारा लिखे गए प्रिसक्रिप्शन की भी ऑडिट हो। स्वस्थ्य जीवन शैली के प्रति आमजन में जागरूकता पैदा हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सामूहिक प्रयासों के साथ एएमआर रोकथाम के लिए मिशन मोड में काम किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए प्रदेश में एएमआर निगरानी प्रणाली मजबूत हो, माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाई जाए और संक्रमण रोकथाम के लिए जरूरी उपाय अपनाए जाएं।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि एएमआर से बचाव के लिए आवश्यक है कि रोग के उपचार में दवाओं का उपयोग निर्धारित जांच एवं प्रोटोकॉल के अनुसार हो। आमजन में दवाओं के उपयोग को लेकर व्यापक स्तर पर जागरूकता पैदा की जाए। चिकित्सकों की इसमें बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि एएमआर की रोकथाम के लिए नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

90 ग्राम अवैध एमडीएमए पाउडर व 50 ग्राम अफीम के साथ दो गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, 21 नवंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले की कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरुवार को जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान एक स्कोर्पियो में सवार आरोपी विजय सिंह पुत्र जय सिंह (30) निवासी पचभादरा थाना भीनमाल एवं कालूराम कलबी पुत्र नरसा राम (35) निवासी वेरा जालो थाना सायला जिला जालौर को गिरफ्तार कर 90 ग्राम एमडीएमए ड्रग व 50 ग्राम अफीम जब्त की है।

एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ के लिये दिए गए निर्देश के क्रम में एएसपी सरिता सिह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्री लाल के निर्देशन एवं एसएचओ रामसुमेर के सुपरविजन मे गुरुवार को एसआई गोकुल लाल डागी मय जाप्ता हैड कांस्टेबल हरविन्दर सिह, कांस्टेबल जगदीश, हेमन्त, विजय सिह, रामकेश व तेजराम द्वारा जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबन्दी की जा रही थी।

नाकाबन्दी के दौरान एक स्कार्पियो को रूकवाने के लिए ईशारा किया गया तो चालक ने कार की गति बढा नाकाबंदी स्थल से आगे निकल कर भागने का प्रयास किया। जिस पर नाकाबंदी के लिए लगाये गये बैरियर को आगे लगाकर स्कार्पियो रोकी गयी। स्कार्पियो की तलाशी ली गई तो उसमें 90 ग्राम अवैध एमडीएमए मौली पाउडर व 50 ग्राम अवैध अफीम मिली। ड्रग व स्कोर्पियो जब्त कर आरोपी वीर सिह व कालुराम कलबी को पुलिस ने गिरफतार कर लिया।

7 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के नतीजे कल

मतगणना के लिए तैयारियां पूरी: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राज्य के 7 विधानसभा क्षेत्रों में झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूम्बर और चौरासी के उपचुनाव का परिणाम 23 नवम्बर को घोषित होगा. प्रदेश के 7 जिला मुख्यालयों झुंझुनू, अलवर, दौसा, टोंक, नागौर, उदयपुर व डूंगरपुर पर शनिवार सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी. मतगणना के संबंध में सभी तैयारियों पूरी कर ली गई हैं. इसके लिए पर्याप्त संख्या में मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है। महाजन ने गुरुवार को सभी 7 जिलों के निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की. उन्होंने निर्वाचन, प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. उन्होंने मतगणना के दौरान ईवीएम मशीनों को निर्धारित प्रोटोकाल और प्रक्रिया की पालना करने, त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और मतगणना के रुझानों तथा परिणामों की जानकारी समय-समय पर साझा करने के लिए मीडिया सेंटर का संचालन करने सहित व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

महाजन ने बताया कि 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टल बैलेट के माध्यम से डाले गए मतों की गणना शुरू होगी. सेवा नियोजित मतदाताओं द्वारा तथा होम वोटिंग के जरिए डाले गए मतों की गिनती के लिए क्रमशः 39 और 28 टेबल स्थापित की गई हैं. राज्य के 7 विधानसभा क्षेत्रों में सेवा नियोजित मतदाताओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (इटीपीबीएमएस) के जरिए कुल 5,465 मतपत्र जारी किए गए हैं. इनमें से 23 नवम्बर को प्रातः 8 बजे से पहले संबंधित रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) को प्राप्त होने वाले समस्त ईटीपीबी मतपत्रों को मतगणना में शामिल किया जाएगा। श्री महाजन ने बताया कि 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजन और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले विशेष योग्यजन श्रेणियों के कुल 3,127 मतदाताओं ने होम वोटिंग सुविधा के जरिए मताधिकार का उपयोग किया है।

ईवीएम मशीनों से मतों की गणना सुबह 8.30 बजे से शुरू की जाएगी. इसके लिए 98 टेबल स्थापित की गई हैं. उन्होंने बताया कि सभी 7 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 141 राउंड में ईवीएम मशीनों से मतों की मतगणना होगी. मतदाताओं की संख्या के आधार पर 18 से 22 राउंड में मतों की गिनती होगी. झुंझुनू और सलूम्बर विधानसभा क्षेत्रों के ईवीएम मतों की गिनती 22-22 राउंड में, रामगढ़ की 21 राउंड में, देवली-उनियारा और खींवसर विधानसभा क्षेत्रों की गिनती 20-20 राउंड में, दौसा एवं चौरासी के ईवीएम मतों की गिनती 18-18 राउंड में पूरी होगी।

हरियाणा में अपने कुशासन की वजह से कांग्रेस हारी : कृष्ण बेदी

चरखी दादरी, 21 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने गुरुवार को राज्य के चुनाव में मिली करारी हार पर कांग्रेस नेतृत्व पर जोरदार कटाक्ष किया।

मंत्री कृष्ण बेदी ने चरखी दादरी पार्टी कार्यालय में डीएससी समाज के लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नायब सरकार ने डीएससी समाज की चार पीढ़ियों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए आरक्षण देकर एतिहासिक कार्य किया। ऐसे में डीएससी समाज 24 नवंबर को जींद में सीएम नायब सैनी का अभिनंदन करने जा रहा है, जो एतिहासिक होगा। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा में डीएएसी समाज के आरक्षण, डीएपी खाद का मुद्दा उठाया था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में पॉवरग्रिड और विकास एवं पंचायत विभाग के बीच हुआ एमओयू

चंडीगढ़, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की नवरत्न कंपनियों में से एक पॉवरग्रिड द्वारा सीएसआर स्कीम के अंतर्गत करीब 50 करोड़ रुपए की राशि से हरियाणा के चार जिलों करनाल, पानीपत, रेवाड़ी और कुरुक्षेत्र के 658 गांवों में शिवधाम योजना के तहत शमशान घाट और कब्रिस्तान का पुनरुद्धार करवाया जाएगा। इसके लिए आज गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में पॉवरग्रिड और विकास एवं पंचायत विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएसआर स्कीम के अंतर्गत ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कॉरपोरेट कंपनियां अतुलनीय योगदान दे रही हैं, जो सामाजिक उत्थान की दिशा में सराहनीय कदम है। इस अवसर पर वाणिज्य, उद्योग, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी उपस्थित थे।

एमओयू पर विकास एवं पंचायत विभाग के महानिदेशक डॉ. जे. के. अभीर और पॉवरग्रिड की ओर से महाप्रबंधक संजय कुमार वर्मा ने हस्ताक्षर किए। चेयरमैन आर. के. त्यागी ने बताया कि इन शिवधाम और कब्रिस्तान के पुनरुद्धार के लिए 49 करोड़ 94 लाख 39 हजार रुपए की राशि खर्च की जाएगी। एमओयू के तहत इन सभी 658 शिवधाम की चारदीवारी व पक्का रास्ता बनवाया जाएगा। इनमें शेड लगवाया जाएगा और पेयजल का प्रबंध किया जाएगा। डॉ. जयकिशन अभीर ने बताया कि इन 658 गांवों की आबादी करीब 40 लाख है। करनाल जिला के 198 गांवों में शिवधामों के पुनर्निर्माण पर 10 करोड़ 97 लाख 80 हजार रुपए, कुरुक्षेत्र जिला में 237 गांवों के शिवधाम पर 18 करोड़ 46 लाख 29 हजार रुपए, पानीपत के 106 गांवों में पांच करोड़ 15 लाख 20 हजार रुपए तथा रेवाड़ी जिला के 117 गांवों में 15 करोड़ 35 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

हरियाणा कांग्रेस ने ईवीएम हैकिंग को लेकर हाईकोर्ट में दायर की याचिका

चुनाव परिणामों पर उठाए गंभीर सवाल

चडीगढ़, 21 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस हैरान है। चुनाव जीतने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा जताने वाली पार्टी इस नतीजे से पूरी तरह हैरान है। हरियाणा कांग्रेस ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि चुनावी धांधली और ईवीएम से छेड़छाड़ की वजह से हार हुई है।

14 विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने बुधवार को दावा किया कि राज्य के 14 विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम हैक की गई है, जिससे कांग्रेस के वोट प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के दौरान हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया को ईवीएम से छेड़छाड़ के सिग्नल भेजे गए थे। कांग्रेस ने इस मामले में न्याय के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष और होडल से पार्टी प्रत्याशी उदयभान ने हाईकोर्ट में अपने केस में चुनावी धांधली का आरोप लगाया है। कांग्रेस लीगल सेल के चेयरमैन के.सी. भाटिया के अनुसार, अनैतिक चुनाव प्रथाओं से संबंधित एक याचिका दायर की गई है। उन्होंने कहा कि अन्य असफल उम्मीदवार भी इसी तरह की याचिका दायर करेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर-सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन-देन में सावधानी बरतें। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन-जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 22 नवंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 06:10 तक
नक्षत्र : आश्लेषा सायं 05:10 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 11:33 तक
करण : बव रात्रि 06:10 तक
चन्द्रराशि : कर्क सायं 05:10 तक
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

DIILTMT

55OHD STEEL BARS

ANGLES, CHANNELS @ BEAMS

ISO 9001

Bureau of Indian Standards

TSTRANSCO

APTRANSCO

पावरग्रिड

BHEL

Jeevaka Industries Pvt.Ltd/11-6-27/17, 1st floor, IDPL factory, Balanagar, Hyderabad-500 037,
Telanana, Ph: +91 40 23771692/65345232,Fax + 91 40 23771132/ E-mail: info@jeevaka.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं.8688868345. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.